हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, शनिवार 04 अप्रैल, 2026, वर्ष: 35 अंक : 11, मूल्य: 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

झारखंड फिल्म फेस्टिवल 26 से 28 जून तक, राज्यपाल ने पोस्टर का किया विमोचन

रांची(ईएमएस)।झारखंड में चित्रपट के तत्वावधान में 26 से 28 जून तक झारखंड फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। नामकुम स्थित सरला बिरला विवि परिसर में इस फेस्टिवल का आयोजन किया जायेगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को लोकभवन में चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, क्षेत्र प्रचारक रामनवमी, विभाग संपर्क प्रमुख भानु जालान, महानगर प्रचार प्रमुख स्निग्ध रंजन, चित्रपट झारखंड के अध्यक्ष नंद कुमार सिंह तथा कोषाध्यक्ष सुमित मित्तल विशेष रूप से उपस्थित थे।चित्रपट के सदस्य नवीन सहाय ने बताया कि इस फिल्म फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य झारखंड के युवा फिल्म निर्माताओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है।इस फिल्म फेस्टिवल में केवल झारखंड राज्य के ही फिल्म निर्माता अपनी फिल्में जमा कर सकते हैं।प्रतियोगिता में फिल्मों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

कांग्रेस ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए 27 उम्मीदवारों की लिस्ट की जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने उम्मीदवारों की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कुल 27 उम्मीदवारों मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने दुराई चंद्रसेकर, ए.एम मुनिरथिनम, एसके अर्थानारी, एस मंगुडी और वीपी दुराई समेत कई जाने-माने चेहरों को मौका दिया है। आपको बता दें कि तमिलनाडु में कांग्रेस, डीएमके के साथ मिलकर ये चुनाव लड़ रही है। इस चुनाव में कांग्रेस के हिस्से में कुल 28 सीटें आई हैं। जो पिछली बार से तीन ज्यादा है। आपको बता दें कि इस चुनाव के केंद्र में हैं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अगुवाई वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम गठबंधन। इस गठबंधन में कांग्रेस समेत एक दर्जन से ज्यादा दल शामिल हैं। 2019, 2021 और 2024 के लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद यह गठबंधन अब दूसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रहा है। इस बार का चुनाव पहले कुछ चुनावों की तुलना में बेहद रोचक है।

रेलवे चलाएगा 2100 समर स्पेशल ट्रेनें महाराष्ट्र-यूपी के लोगों का सफर होगा आसान

नई दिल्ली। सेंट्रल रेलवे ने गर्मी की छुट्टियों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को मैनेज करने के लिए 2100 से ज्यादा समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। ये स्पेशल ट्रेन सर्विस 15 अप्रैल से शुरू होकर 31 जुलाई तक चलेंगी। इनमें से 735 ट्रेनों को अनारक्षित जबकि 624 ट्रेनों को आरक्षित सर्विसेज के तहत चलाया जाएगा। सेंट्रल रेलवे ने एक्स पर समर स्पेशल ट्रेनों से जुड़ी यह जानकारी साझा की। पोस्ट में कहा गया है कि यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई और पुणे से 2100 से अधिक समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। महाराष्ट्र के लिए 735 अनारक्षित और 624 आरक्षित ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यह भी कहा कि यात्रियों के लिए गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रा को आसान बनाने के लिए इन विशेष ट्रेनों की योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र में ये ट्रेनें मुंबई/दौंड से सोलापुर, पुणे से कोल्हापुर, नासिक रोड से बदनेरा और हडपसर से हरंगुल जैसे रूटों पर चलेंगी। वहीं महाराष्ट्र के बाहर यात्रा के लिए विशेष ट्रेनें मुंबई से बलिया और गोरखपुर, दौंड से कलबुर्गी व सोलापुर से कलबुर्गी और अनकापल्ले जैसे रूटों को जोड़ेंगी। रेलवे ने यह भी बताया कि इनमें पहले से चल रही 'ट्रेन्स ऑन डिमांड' के साथ-साथ पीक ट्रैवल पीरियड के लिए अतिरिक्त ट्रेनें भी शामिल हैं।

पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी ने किया रोडशो, हुआ भव्य स्वागत

पुडुचेरी,(ईएमएस)। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को गरमाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में रोडशो किया। इस दौरान शहर की सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' तथा 'जय श्री राम' के नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने रोडशो की शुरुआत अजंता सिग्नल पॉइंट के पास से की। उनके साथ सीएम एन रंगास्वामी और गृहमंत्री ए नमासिवयम भी मौजूद रहे। यह रोडशो लगभग दो किलोमीटर से कुछ कम दूरी तय करते हुए कामराजर स्टैच्यू/राजा थिएटर सिग्नल के पास जाकर समाप्त हुआ। रोडशो के दौरान पूरे मार्ग को सजाया गया था और जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण और रंगारंग बन गया। बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर प्रधानमंत्री का अभिवादन करते नजर आए। आगामी 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस रोडशो को भाजपा के लिए शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

जेल आईजी ने धनबाद मंडल कारा का किया औचक निरीक्षण

धनबाद। जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने शुक्रवार को धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उनके अचानक पहुंचे से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और अधिकारी तत्परता से व्यवस्था दुरुस्त करने में जुट गए। निरीक्षण के दौरान आईजी ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विशेष रूप से जेल परिसर की निगरानी, बंदियों की सुरक्षा और आंतरिक व्यवस्था को लेकर सख्ती बरतने को कहा गया।मीडिया से बातचीत करते हुए सुदर्शन मंडल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खान-पान से संबंधित व्यवस्थाओं की भी जांच की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को समय पर और निर्धारित गुणवत्ता का भोजन मिलना अनिवार्य है।आईजी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि भोजन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

असम में झामुमो प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी जनसभा को हेमंत सोरेन ने किया संबोधित, कहा

डबल इंजन की सरकार समाज में फूट डालने की करती है राजनीति

रांची। असम के बोरचल्ला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रत्याशी अब्दुल मजान के पक्ष में जनता से समर्थन और वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हक, अधिकार और सम्मान की लड़ाई को मजबूत करने के लिए राजनीतिक ताकत जरूरी है और इसी उद्देश्य से झामुमो असम की धरती पर भी संघर्ष कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के सबसे चहेते मुख्यमंत्री असम से हैं क्योंकि इन्हें फुट डालों और राजनीति करो भलीभांति आती है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का जन्म आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन की सरकार समाज में फूट डालने की राजनीति करती है और लोगों को बांटकर सत्ता में बने रहने की कोशिश करती है।हेमंत सोरेन ने असम के चाय बागानों में रहने वाले मजदूरों, किसानों और आदिवासी समुदाय की स्थिति पर चिंता जतायी।उन्होंने कहा कि वर्षों से इन वर्गों को सुनियोजित तरीके से उपेक्षित रखा गया है। राज्य के कई गांवों में आज भी बिजली, पानी और पक्के मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और लोग कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि असम की अर्थव्यवस्था चाय बागानों पर आधारित है, लेकिन उन्हीं बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बेहद कम मजदूरी मिलती है, जो उनके जीवन-निर्वाह के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मजदूरी बढ़ाने और श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन देने की आवश्यकता पर जोर दिया।मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां समाज को बांटने का काम करती हैं। एनआरसी और सीएए जैसे मुद्दों के माध्यम से लोगों के बीच भ्रम और विभाजन पैदा किया गया है।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता के बजाय कुछ चुनिंदा व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता देती है।उन्होंने नोटबंदी और कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि आम जनता को बार-बार लाइन में खड़ा होकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।आज भी लोगों को मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।महिलाओं के खातों में चुनाव के समय आर्थिक सहायता देने के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के खातों में नौ-नौ हजार रुपये डालने से क्या पांच वर्षों की जरूरतें पूरी हो सकती हैं।उन्होंने कहा कि यदि सरकार सचमुच महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है, तो हर महीने आर्थिक सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए।

लखीमपुर और दुलियाजान विधानसभा में भी किया जनसभा को संबोधित किया असम के लखीमपुर जिले के रोगोनाडी विधानसभा क्षेत्र स्थित डीजू टी स्टेट मैदान में मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।वहीं असम के डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र स्थित जालोनी टी स्टेट मैदान में हेमंत सोरेन ने झामुमो प्रत्याशी पीटर मिंज के समर्थन में जनता से वोट की अपील की।

माओवादी थिंक टैंक प्रशांत बोस का निधन, सितंबर 2021 से जेल में थे बंद

रांची(ईएमएस)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के वरिष्ठ नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ किशन दा का निधन हो गया है। शुक्रवार की सुबह 6 बजे अचानक प्रशांत बोस की तबियत बिगड़ी। उन्हें सांस लेने में समस्या आने लगी। आनन फानन में उसे इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स भेजा गया। डॉक्टरों की टीम प्रशांत बोस का इलाज कर रही थी। जहां सुबह करीब 10 बजे डॉक्टर की टीम ने मौत की पुष्टि कर दी। इधर, घटना के बाद मजिस्ट्रेट की नियुक्ति हुई है। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने पुष्टि की है उनका शव जेल से रिम्स ले जाया गया है।सितंबर 2021 में प्रशांत बॉस को उनकी पत्नी के साथ सरायकेला में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में रखा गया था। जहां लंबी बीमारी के बाद उनकी मौत हो गई। 75 साल के प्रशांत बोस को नक्सली संगठन में उनको किन्गपिन के रूप में जाना जाता था। सीपीआई माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो प्रशांत बोस उर्फ किशन दा संगठन के थिंक टैंक माने जाते थे। किसी भी संगठन के पोलित ब्यूरो का मारा जाना नीति निर्धारण का खत्म होना माना जाता है।जेल में बंद प्रशांत बोस की मौत से संगठन को बड़ा झटका लगा। इसके पहले भी पोलित ब्यूरो मेंबर कोटेश्वर राव उर्फ किशन जी, सुशील राय, बसप्पा राजू समेत कई पहले ही मुठभेड़ में मारे जा चुके या पकड़े जाने के बाद उनकी जेल में मौत हो चुकी है। साल 2010 के पहले पूरे देश में करीब 13 पोलित ब्यूरो मेंबर थे पर 2010 के बाद 5, 6 रह गए थे। झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, बिहार और महाराष्ट्र में उनके खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज है। प्रशांत बोस केंद्र कमेटी की बैठकों में अक्सर भाग लिया करते थे।इस दौरान हुए सारंडा के जंगलों घाटशिला, पश्चिम बंगाल आदि जगहों पर उनका एक समय आना जाना था। उनकी पत्नी शीला मरांडी भी महिला विंग की प्रमुख सदस्य थी। 2021 से वे बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में बंद थे।प्रशांत बोस पिछले सत्तर वर्षों से माओवादी संगठन के टॉप लीडरशिप का हिस्सा रहे। बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के रहने वाले थे। बंगाल से ही हुए नक्सल आंदोलन से जुड़े और आगे चलकर प्रमुख जिम्मेदारी निभाई। बिहार, झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में नक्सलियों द्वारा अंजाम दिए गये घटनाओं में प्रशांत बोस की संलिप्तता रही है। कई राज्यों में सामूहिक नरसंहार को अंजाम दिया। झारखंड से उनकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता थी। जब वह पकड़े गए थे तो पुलिसिया पूछताछ में उसने नक्सली हिंसा की घटनाओं पर कभी अफसोस या पछतावा नहीं जताया।वह कहा करते थे सीपीआई माओवादी ही विपक्ष की भूमिका निभा रहा। उम्र के अंतिम पड़ाव में वे ठीक से चल नहीं पा रहे थे। कई तरह की बीमारियों से पीड़ित थे। प्रशांत बोस मूल रूप से पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले का रहने वाले थे।

झारखंड में उत्पाद विभाग के कई अधिकारियों का तबादला

रांची : झारखंड के प्रशासनिक महकमे से बड़ी खबर सामने आई है. राज्य सरकार ने मद्य एवं उत्पाद विभाग झारखंड में बड़े पैमाने पर तबादले करते हुए नई पोस्टिंग की अधिसूचना जारी कर दी है. इस फेरबदल में सहायक आयुक्त, अधीक्षक और निरीक्षक स्तर के कई अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है. जारी आदेश के अनुसार, गजेंद्र कुमार सिंह को संयुक्त आयुक्त उत्पाद, रांची के पद पर पदस्थापित किया गया है. वहीं उमाशंकर सिंह को बोकारो से स्थानांतरित कर सहायक आयुक्त उत्पाद, रांची बनाया गया है. इसके अलावा, संजय कुमार मेहता को मुख्यालय से हटाकर बोकारो में सहायक आयुक्त उत्पाद की जिम्मेदारी दी गई है. अरविंद कुजूर को पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) से रामगढ़ भेजा गया है. अरुण कुमार मिश्र को रांची से पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) स्थानांतरित किया गया है. सुनील कुमार चौधरी को हजारीबाग में सहायक आयुक्त उत्पाद बनाया गया है. रामलीला रवानी को धनबाद से हटाकर दुमका (संथाल परगना प्रमंडल) में प्रभारी उपायुक्त उत्पाद बनाया गया है.

राकेश कुमार को प्रभारी उपायुक्त उत्पाद (मुख्यालय), रांची बनाया गया है. मनोज कुमार को प्रभारी सहायक आयुक्त उत्पाद (मुख्यालय), रांची की जिम्मेदारी दी गई है. अजय कुमार गोंड को प्रभारी सहायक आयुक्त उत्पाद, धनबाद बनाया गया है, साथ ही उन्हें अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है.

अधीक्षक और निरीक्षक स्तर पर भी बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए हैं. जितेंद्र कुमार को साहेबगंज से पाकुड़ भेजा गया है. आशुतोष कुमार को पाकुड़ से मुख्यालय ईआईबी में प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है. शैलेंद्र कुमार को सिमडेगा से कोडरमा भेजा गया है. शिव कुमार साहू को हजारीबाग से गिरिडीह में प्रभारी अधीक्षक बनाया गया है.

रामगढ़ में अलग-अलग घटनाओं में हाथी के हमले से तीन व्यक्ति की मौत, एक महिला घायल

रामगढ़ (ईएमएस)। रामगढ़ जिले के गोला वन क्षेत्र के बंदा, मुरपा एवं धोरधोरिया में अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथी के हमले से तीन व्यक्ति की मौत एवं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना शुक्रवार अहले सुबह की बताई जा रही है।सूचना मिलने के बाद गोला पुलिस ने शव को कब्जे में कर लिया है। बताया जाता है कि बंदा में धीरज भुइयां (पिता स्व प्रभु भुइयां) तालाटांड पतरातू निवासी उम्र 25 वर्ष एवं युगल भुइयां (पिता स्व अर्जुन भुइयां) कुजू निवासी 25 वर्ष ईंट बनाने का काम करते थे। इस बीच जंगली हाथी ने उसे कुचलकर जान से मार दिया।वहीं महुआ चुन रहे मुरपा निवासी श्याम देव साहू उम्र 70 वर्ष को भी हाथियों ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। साथ ही धोरधोरिया सुतरी गांव में महुआ चुन रही एक महिला अदरी देवी 74 वर्ष, पति स्व पहलू बेदिया को भी हाथी ने पटक कर घायल कर दिया। घायल महिला का प्राथमिक इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में चल रहा है। जानकारी के अनुसार धीरज भुइयां अपने पीछे पत्नी सहित दो पुत्र एवं एक पुत्री को छोड़ गये।घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के प्रभारी वनपाल योगेंद्र कुमार, वनरक्षी मनीष कुमार शर्मा, दीपक सिंहा एवं निलेश पोद्दार पहुंचकर मृतक के परिजनों को तत्काल 25-25 हजार रुपये मुआवजा दिया गया। साथ ही शेष तीन लाख 75000 की राशि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद देने की बात कही गयी। साथ ही ईंट भट्ठा संचालक के द्वारा भी मृतक के परिजन को 40-40 हजार रुपये आर्थिक आर्थिक सहयोग देने की बात कही गयी।

झारखंड में आज से 8 अप्रैल तक आंधी पानी और बिजली गिरने की संभावना

मौसम विभाग ने 'येलो अलर्ट' किया जारी

रांची : झारखंड में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है. मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन और नमी के कारण 4 अप्रैल से 8 अप्रैल तक राज्यभर में मौसम अस्थिर रहेगा. 3 अप्रैल यानी शुक्रवार को आंशिक बादल छाये रहे और मौसम शुष्क रहा, लेकिन इसके बाद मौसम तेजी से बदलने लगा. 4 अप्रैल को राज्य के अधिकांश जिलों में घने बादल छाने की संभावना है. खासकर रांची, खूंटी, गुमला, लातेहार, पलामू, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह और धनबाद में दोपहर बाद तेज हवा के साथ गरज और बारिश हो सकती है. 5 अप्रैल को पूरे राज्य में गरज के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना है. इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है. मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गयी है. वहीं 6 और 7 अप्रैल को आंशिक बादल छाये रहेंगे और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. 8 अप्रैल को पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार को छोड़कर बाकी जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी. कुल मिलाकर अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदलता रहेगा और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है. मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है. इसके बाद बारिश और बादलों के प्रभाव से तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है. गुरुवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर और मेदिनीनगर में 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी

समुद्री सुरक्षा को मिलेगी नई ताकत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- ऊर्जा सुरक्षा के लिए मजबूत नौसेना अनिवार्य

विशाखापट्टनम,(ईएमएस)। भारत की समुद्री ताकत को एक बड़ा बल देते हुए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस तारागिरी को शुक्रवार को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। विश्शाखपट्टनम में आयोजित कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे देश की समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना आज की आवश्यकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक समुद्री मार्गों पर निर्भर करती है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न को साकार करने में समुद्री शक्ति की अहम भूमिका होगी। आईएनएस तारागिरी 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत विकसित चौथा युद्धपोत है, जिसका निर्माण एमडीएस लिमिटेड मुंबई द्वारा किया गया है। लगभग 6,670 टन वजनी यह युद्धपोत आधुनिक डिजाइन और अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस पोत की संरचना को विशेष रूप से इस तरह तैयार किया गया है कि यह रडार पर कम दिखाई दे, जिससे इसकी 'स्टील्थ' क्षमता बढ़ती है। जटिल समुद्री परिस्थितियों में भी इसकी संचालन क्षमता उच्च स्तर की है। यह युद्धपोत 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित है, जिसमें 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) का योगदान रहा है, जिससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आईएनएस तारागिरी में संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन प्रणाली (सीओडीओजी) लगी है, जो इसे उच्च गति और लंबी दूरी तक संचालन की क्षमता प्रदान करती है। यह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है, जिनमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और उन्नत पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

वन प्रमंडल द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया

रांची(ईएमएस)।वन प्रमंडल प्रचार प्रसार विभाग के द्वारा मनातू पंचायत और बाढ़ पंचायत के पतागाई में अवैध पेड़ों की कटाई एवं जंगली आग को लेकर ग्रामीणों के बीच में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से नुक्कड़ नाटक और लोकगीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर लोगों को संकल्प दिलाया गया कि वे अवैध पेड़ों की कटाई नहीं करेंगे। यदि कहीं ऐसा कुछ होता है तो वह वन विभाग को अवगत कराएंगे। इस जागरूकता अभियान में क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में राहुल राज मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे झारखंड की समृद्धि की पहचान है। इसको बचाना है। पेड़ों की अवैध कटाई एक अपराध है।इसको नहीं करना चाहिए।मौक पर कई क्षेत्र के गजेंद्र महतो, मनोज मुंडा,जयमंगल उरांव, कुणाल कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

सड़क पर पिस्तौल लहराने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने हाथ जुड़वाकर घुमाया

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।आजादनगर थाना अंतर्गत ओल्ड पुरुलिया रोड गणगौर स्वीट्स के पास सरेआम पिस्तौल लहराने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार करने के बाद शुक्रवार को पुलिस ने शेख सारिक इमाम उर्फ अमयान और उसके साथी मो. सलमान को ओल्ड पुरुलिया रोड में थाना से करीब दो किलोमीटर तक पुलिस ने पैदल घुमाया।ताकि लोगों ने इन अपराधियों का खौफ खत्म हो सके।शुक्रवार को केस का उद्भेदन करते हुये सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार युवक शेख सारिक इमाम कपाली बंधुगोड़ा का रहने वाला है,जबकि उसका साथी मो. सलमान कपाली गौसनगर फुटबॉल मैदान के पास रहता है। गिरफ्तार युवक के पास से एक पिस्तौल, आठ गोली बरामद किया गया है।गिरफ्तार शेख सारिक इमाम शातिर बदमाश है।उसके खिलाफ पूर्व में आजादनगर में तीन केस दर्ज है। गत एक अप्रैल को मानगो ओल्ड पुरुलिया रोड में पत्नी के साथ सड़क पर विवाद होने के बाद जब स्थानीय लोग जुट गये तो शेख सारिक इमाम उर्फ अयान पिस्तौल लहराने लगा। जिसके बाद वे लोग फरार हो गये।इस दौरान मो. सलमान भी साथ में था। सूचना मिलने पर पुलिस ने छापामारी कर उन्हें गिरफ्तार किया।इस मामले में आजादनगर थाना में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तार युवकों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गैस सिलेंडर नही मिलने से परेशान लोगों ने किया सड़क जाम

रांची(ईएमएस)।पश्चिमी देशों में पिछले 34 दिनों से हो रहीं युद्ध का असर भारत में दिखने लगा है। भारत में भी घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति में परेशानी हो रही है। घंटों खड़े रहने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिलने से गैस उपभोक्ताओं में आक्रोश है। सुबह से लाइन में लगें रहने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिलने पर चुटिया के लोगों का ग़ुस्सा फुटा।गैस उपभोक्ताओं ने देवी मंडा के सामने सड़क पर खाली सिलेंडर रखकर सड़क जाम कर दिया।जाम कर्ता छोटे बड़े सभी वाहनों को आने-जाने से रोक रहें हैं। जाम की वजह से दोनो ओर वाहनो की कतार लग गई है।सड़क जाम किए जाने की सूचना पर चुटिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची एवं समझाने में जुटी है।जानकारी के अनुसार युद्ध संकट उत्पन्न होने के बाद काफी संख्या में हर रोज उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेने देवी मंड़प पहुंचे। घंटों खड़े रहने के बाद एजेंसी वालें ने गैस खत्म होने की बात कही जिससे लोग आक्रोशित हो गए।हो-हल्ला करने के ब द सभी ने मिलकर सड़क पर खाली सिलेंडर रखकर जाम कर दिया। उपभोक्ताओं ने बताया कि पहले बुकिंग करने में कई परेशानी आ रही है। कई बार प्रयास करने पर बुकिंग हो रही है।बुकिंग होने के बाद एजेंसी वालें मनमानी कर रहे हैं।

उड़िया संस्था सागरिका ने धूमधाम से मनाया उत्कल दिवस

रांची(ईएमएस)।राजधानी में उड़िया समुदाय की प्रतिष्ठित सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था सागरिका ने सेल सैटेलाइट टाउनशिप स्थित सामुदायिक भवन में उत्कल दिवस का आयोजन किया।वर्ष 1971 से कार्यरत यह संस्था लगातार कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। संस्था के अध्यक्ष बीके परिडा ने अतिथियों का स्वागत किया। सागरिका की महिलाओं ने वंदे उत्कल जननी की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक श्रृंखला में ओडिशा की समृद्ध विरासत की झलक देखने को मिली। ओडिसी नृत्य और संबलपुरी लोक नृत्य रसा जम्मु डाली का प्रदर्शन किया गया। बच्चों द्वारा मो ओडिशा मो ओडिशा वाद्य संगीत और प्रसिद्ध गीत रंगबती की प्रस्तुति दी गयी।कांची अभियान गीतिनाट्य का मंचन किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी ने युवा पीढ़ी को उत्कल की गौरवशाली परंपराओं से परिचित कराने की जिम्मेदारी पर बल दिया।उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और सागरिका की स्मारिका का विमोचन भी किया।इस अवसर पर चित्रकला एवं संगीत प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।समाज सेवा के लिए पवित्र कुमार चौधरी और गुरु अशोक कुमार मलिक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

हाइवा के धक्के से भाई की मौत, बहन गंभीर रूप से घायल, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

चतरा(ईएमएस)।सिमरिया टंडवा रोड स्थित मुरवे मांडर के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गयी।वही उसकी बहन नेहा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गयी। घायलवस्था में उठाकर परिजन रेफरल अस्पताल ले गये।वही मृतक युवक चंदन कुमार राणा टंडवा थाना क्षेत्र के लेम्बुआ कसियाडीह गांव का रहने वाला था। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। युवक अपने गांव से शादी का कार्ड छपवाने के लिए सिमरिया जा रहा था। इस दौरान एक हाइवा ने अपने चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गयी।

अमृत फार्मा में अधिक दवा उपलब्ध कराने की मांग,सीसीएल सीएमडी से मिले यूनियन अध्यक्ष

रांची। कोल फील्ड्स मजदूर यूनियन के अध्यक्ष पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह से मुलाकात की।इस दौरान उनसे अमृत फॉर्मा में अधिक दवा उपलब्ध कराने सहित कई मांग की सीएमडी से आग्रह किया कि मजदूरों के क्वार्टर रिपेयरिंग का भुगतान वेलफेयर कमेटी की अनुशंसा के बाद करने की मांग की गयी। क्षेत्रीय स्तर पर वेलफेयर कमेटी गठित करने, कैशलेस सुविधा को और सुचारू करने की मांग की गयी।मिलने वालों में यूनियन के महामंत्री चंदेश्वर सिंह, केंद्रीय सचिव उदय कुमार सिंह, भीम सिंह, जगरनाथ साहु, अनिल कुंवर, संजय यादव, रमाकांत दुबे आदि मौजूद थे।

दामाद संग फरार हुई सास, पुलिस ने गुरुग्राम से पकड़ा, थाने में हाई-वोल्टेज ड्रामा

दुमका(ईएमएस)।सरैयाहाट थाना क्षेत्र के माथाकेसो गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सास अपने ही दामाद के साथ फरार हो गई।जानकारी के अनुसार, सिकंदर मंडल की 30 वर्षीय पत्नी कृपा कुमारी बीते 5 मार्च को अपने दामाद विजय कुमार साह के साथ गुपचुप तरीके से घर से निकल गई थी। परिवार के लोग पहले तो रिश्तेदारी में तलाश करते रहे, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो 10 मार्च को सिकंदर मंडल ने थाना में सनहा दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हरकत में आई और एएसआई जय प्रकाश तिवारी ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर हरियाणा के गुरुग्राम में दबिश दी। हरियाणा पुलिस के सहयोग से दोनों को बरामद कर सरैयाहाट थाना लाया गया। थाने में पहुंचते ही मामला और गरमा गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस और हंगामा हुआ, जिससे घंटों तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चलता रहा।थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने बताया कि महिला अपने दामाद के साथ घूमने जाने का बहाना बनाकर घर से निकली थी और बाद में फरार हो गई।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को सकुशल पकड़ा है।

बी कॉम करने के बाद युवा किसान नितेश ने बदली तकदीर

ड्रिप इरिगेशन से की वृहद पैमाने पर तरबूज व खीरा की खेती

चतरा(ईएमएस)। सिमरिया प्रखण्ड के शिला गांव का युवा किसान नितेश कुमार यादव ने बी कॉम तक पढ़ाई करने के बाद खेती को जीविका का साधन बनाया।उसने खेती से अपनी तकदीर बदली है।खेती ही नितेश का जीने का जरिया बन गया है।नितेश खेती को व्यवसायिक रूप देने का काम कर रहा है।नितेश ने बेरोजगारी को दूर करने के लिए कृषि क्षेत्र को अपनाया। इस क्षेत्र में उसने कदम रखा और खेती करना शुरू किया। खेती के माध्यम से नितेश अच्छी आमदनी कर रहा है।नितेश ने शिला चौक के समीप व ओपी के पीछे कई वर्षो से बंजर पड़ी आठ एकड़ भूमि पर हरियाली लाकर मिशाल कायम की है।उसने इस बंजर भूमि को हरा भरा करने में कोई कसर नही छोड़ी है।उसने बंजर भूमि पर वृहद पैमाने पर तरबूज व खीरा की खेती की है। जिसमें पांच एकड़ भूमि पर तरबूज व तीन एकड़ भूमि पर खीरा की फसल लहलहा रही है। उक्त फसल की खेती उसने ड्रीप इरिगेशन(टपका पानी) के माध्यम से की है। जहां वृहद पैमाने पर फैले हुए है।इस भूमि से हरेक दिन तरबूज व खीरा बड़े पैमाने पर निकल रहा है। साथ ही स्थानीय मंडियों के साथ दूसरे प्रदेश भेजा जा रहा है।इस बंजर भूमि पर खेती कर हरियाली लाने में उसके परिवार के सदस्यों के साथ साथ एक दोस्त ने भरपूर सहयोग किया है। नितेश ने इसकी खेती लोन पर लेकर की है। नितेश ने इन फसलो के अलावा दूसरे जमीन पर गरमा फसल करेला, कद्दू, भिंडी, मिर्च, टमाटर आदि की भी फसल की है।नितेश को इस फसल में आठ लाख रुपये की पूंजी लगी है।साथ ही 20 लाख रुपये तक आमदनी होने की संभावना जतायी है। नितेश ने बताया कि खेती करने का प्रशिक्षण कही से नही लिया। पिता जी से खेती करने की शिक्षा प्राप्त की है। उसने बताया कि इसकी खेती में गांव व आसपास के 80 बेरोजगार मजदूरो को काम देकर रोजगार से जोड़ा गया।उनसे बताया कि इस बंजर भूमि पर खीरा तरबूज समाप्त होने के बाद टमाटर, फूलगोभी, बैगन व खीरा की खेती की जायेगी।बाज़ारो में खीरा 20 रुपये किलो तो तरबूज 40 रुपये किलो बिक रहा है।

नितेश द्वारा की गयी बंजर भूमि लगी तरबूज व खीरा बड़े पैमाने पर निकल रहा है। यहां हरेक दिन खीरा तीन टन व तरबूज 12 टन निकल रहा है।खीरा व तरबूज ट्रकों से बिहार, बंगाल व झारखंड के मंडियों में भेजा रहा है।व्यापारी खेत मे आकर खीरा व तरबूज की खरीदारी कर ले जा रहे है।युवा किसान नितेश ने कहा कि खेती जीने का सबसे बड़ा साधन है। इसके माध्यम से बेरोजगारी को दूर किया जा सकता है।नितेश ने बताया कि वर्ष 2015 में मार्खम कॉलेज हज़ारीबाग़ से बी कॉम करने के बाद कई बार कंपीटिशन की तैयारी की।नौकरी के लिए परीक्षा दी।परीक्षा निकाल लेता था, लेकिन गरीबी व पैसा के अभाव काफी था। जिसके कारण नौकरी नही कर पाया।इसके बाद बेरोजगारी का दंश झेलने लगे। घर परिवार का जीविकोपार्जन करना मुश्किल हो रहा था।उसके बाद अपनी सोच को बदली और खेती की तरफ रुख अपनाया।खेती करना शुरू कर दिया। तीन साल से खेती कर करते आ रहे है।धीरे धीरे खेती से आमदनी होने लगी तो वृहद पैमाने पर खेती करने लगे।आज बंजर पड़ी भूमि पर तरबूज व खीरा लगाकर हरा भरा किया।लोन लेकर खेती की है।इस खेती अच्छी आमदनी होने की उम्मीद है।इसके माध्यम से घर परिवार का जीविकोपार्जन होगा। साथ ही आनेवाली भविष्य को संवारने के अवसर मिलेगा। उन्होंने युवाओ को खेती से आगे बढ़ने का प्रेरणा दी। साथ ही सरकार किसानों को प्रशिक्षित कर उन्हें कृषि यंत्र उपलब्ध कराने की बात कही।

बेंगलुरु में आयोजित आईपीएल मैच में साहिबगंज के मोबाइल चोर गिरोह ने 29 मोबाइल फोन उड़ाए

नाबालिग सहित 9 चढ़े पुलिस के हत्थे

साहिबगंज(ईएमएस)।आईपीएल 2026 के उद्घाटन मैच के दौरान बेंगलुरु पुलिस ने एक बड़े मोबाइल चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है।इसका तार झारखंड के साहिबगंज जिला के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबुपुर व तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर से जुड़ा है इस मामले में 8 नाबालिगों और एक अंतराज्यीय चोर गिरोह का मास्टरमाइंड पुलिस के हत्थे चढ़ा है।पुलिस के जांच में सामने आया है कि ये सभी झारखंड के साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबुपुर व तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर इलाके से होने की बात बेंगलुरु पुलिस के माध्यम से बताई गई। इसमें कुछ लोग के फरार होने की भी बात बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार इस गिरोह का तरीका बेहद सुनियोजित था।नाबालिग बच्चों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर मोबाइल चोरी करने के लिए भेजा जाता है। 28 मार्च को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच के दौरान इस गिरोह ने 29 किमती मोबाइल फोन चोरी किए।जिनमें 14 आईफोन शामिल है।पुलिस के मुताबिक गिरोह स्टेडियम के अंदर ही नहीं बल्कि बाहर, मेट्रो स्टेशन और आसपास की भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी सक्रिय था।पूरे गिरोह को साहिबगंज के 26 वर्षीय शुभम कुमार उर्फ 'मुखिया' चला रहा था। वही नाबालिगों को बेंगलुरु लेकर आया और पूरे नेटवर्क को कंट्रोल कर रहा था। बच्चों को अलग-अलग रास्तों से लाया गया कुछ को पटना से फ्लाइट से तो कुछ को ट्रेन और सड़क मार्ग से लाया गया। इवेंट और भीड़भाड़ वाले आयोजन इनके मुख्य निशाने होते हैं।पुलिस को शक है कि यह गिरोह आईपीएल 2025 में भी सक्रिय था जहां बेंगलुरु और चेन्नई में कुल 74 मोबाइल चोरी हुए थे।पुलिस का कहना है कि चोरी किए गए मोबाइल फोन का इस्तेमाल आगे साइबर अपराध में किया जा सकता है। इसलिए मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है।बेंगलुरु पुलिस अब इस गिरोह के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और दूसरे राज्यों में इसके कनेक्शन तलाश रही है। चेन्नई में हुई घटनाओं से लिंक जोड़ने के लिए एक टीम वहां भी भेजी गई है।बेंगलुरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल फोन चुराने वाले गिरोह में ज्यादातर नाबालिग थे, जो झारखंड से आए थे और बेंगलुरु में रुके थे। ये स्टेडियम की पी थ्री गैलरी में एक्टिव थे। ये सभी आरसीबी की जर्सी पहने थे।मैच के दौरान ही उन्होंने लोगों को शिकार बनाया, इसके अलावा एमजी रोड, मेट्रो स्टेशन और चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास भी मोबाइल चोरी हुए हैं।

भाजपा धूमधाम से मनाएगी स्थापना दिवस

रांची(ईएमएस)।भाजपा कार्यकर्ता धूमधाम और उल्लास के साथ राज्यभर में पार्टी का स्थापना दिवस मनायेंगे। पार्टी ने इसके लिए कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी है।पार्टी अध्यक्ष आदित्य साहू ने नेताओं को दिशा-निर्देश दिये हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्री साहू ने कहा है कि दुनिया की सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस छह अप्रैल को है। पूरे देश सहित झारखंड में भी पार्टी का स्थापना दिवस पूरे धूमधाम और उल्लास से मनाया जायेगा।उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है।यह राजनीति पर नहीं बल्कि राष्ट्रनीति पर चलती है। श्री साहू ने कहा कि झारखंड में स्थापना दिवस मनाने के लिए पार्टी द्वारा तिथिवार रूपरेखा तैयार की है। इस बाबत सभी जिलों को निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पांच सदस्यीय प्रदेश टोली के अलावा जिलावार टोली का गठन किया गया है।स्थापना दिवस के सिलसिले में पांच अप्रैल को बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई और सजावट किया जायेगा।महिला मोर्चा के द्वारा कार्यालय में मुख्य द्वार पर

फुल एवं रंगोली से सजावट करने किया जायेगा।छह व सात अप्रैल को सभी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने घरों पर पार्टी का नया ध्वज फहराने, सभी बूथों पर पार्टी का झंडा फहराने का निर्देश वहीं जिला मुख्यालय में झंडोत्तलन करेंगे। इस दौरान पार्टी की विकास यात्रा पर मुख्य वक्ता के द्वारा संबोधन दिया जायेगा।साथ ही कार्यकर्ताओं द्वारा सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है।आठ व नौ अप्रैल को जिला मुख्यालय में सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन किया जायेगा। 10 से 12 अप्रैल को गांव-बस्ती चलो अभियान के तहत बूथ से लेकर वार्ड सदस्य, मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद् सदस्य, नगर परिषद्, महापौर, उप महापौर, सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी सभी चुने गये प्रतिनिधि, विधानसभा के 50 गांव पहुंचेंगे।

अति उग्रवाद प्रभावित रहे बूढ़ा पहाड़ पहुंचे वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर

कहा साल भर में बदल देंगे इस दुर्गम क्षेत्र की तस्वीर

गढ़वा(ईएमएस)।वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने शुक्रवार को गढ़वा जिले के अति उग्रवाद प्रभावित रहे बूढ़ा पहाड़ का दौरा कर विकास और सुरक्षा का जायजा लिया।तीन दशकों तक नक्सलियों का सुरक्षित गढ़ रहे इस क्षेत्र में पहुंचे मंत्री ने सुरक्षा बलों के जवानों का उत्साहवर्धन किया और स्पष्ट किया कि सरकार अब इस इलाके को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है। पत्रकारों से रूबरू होते हुए मंत्री ने कहा कि 21 साल पहले वे कुल्ही आए थे, तब से बूढ़ा पहाड़ पहुंचना उनका सपना था।उन्होंने विश्वास दिलाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विजन के अनुरूप आगामी एक वर्ष के भीतर इस क्षेत्र की पूरी तस्वीर बदल दी जाएगी।दौरे के दौरान मंत्री ने दुर्गम परिस्थितियों में तैनात जवानों के जज्बे को सलाम किया।मंत्री श्री किशोर ने कुल्ही पिकेट प्रभारी प्रदीप सिंह और बूढ़ा पहाड़ पिकेट प्रभारी

वीरेंद्र पासवान के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए मंत्री ने अपने निजी कोष से प्रदीप सिंह को पांच हजार रुपये और वीरेंद्र पासवान को दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण ही आज बूढ़ा पहाड़ उग्रवाद के काले साये से लगभग मुक्त हो चुका है।मंत्री ने टेहरी पंचायत की मुखिया बिनको टोप्पो के साथ प्रभावित 11 गांवों का बारीकी से निरीक्षण किया।उन्होंने बीडीओ अमित कुमार और सीओ राकेश भूषण सिंह को कड़ा निर्देश दिया कि बूढ़ा पहाड़ के लिए घोषित सभी विकास योजनाओं की तत्काल समीक्षा कर उन्हें धरातल पर उतारें।महिला सशक्तिकरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड देश का इकलौता राज्य है जहां मईया सम्मान योजना के तहत महिलाओं के लिए 1300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

आदिवासी-मूलवासी के सम्मान के साथ खिलवाड़ निंदनीय, पुलिस करे सख्त कार्रवाई : संजय मेहता

रांची(ईएमएस)। रांची के कोकर, भाभा नगर में आदिवासी महिलाओं के साथ हुई शर्मनाक घटना पर आजसू पार्टी ने तीखा विरोध जताया है। पार्टी ने कहा है की यह घटना निंदनीय है। सभ्य समाज में ऐसी घटना को स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। झारखंड की मिट्टी पर रहने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय महिला, व्यक्ति, संस्कृति, गरिमा और कानून का सम्मान करना चाहिए। ज्ञात को की रांची के कोकर में एक आदिवासी महिला को कालिख पोत कर जूते की माला पहनाकर घुमाया गया था। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं केंद्रीय प्रवक्ता संजय मेहता ने रांची के कोकर क्षेत्र के भाभा नगर रोड नंबर-5 में हुई निंदनीय घटना पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना पूरे झारखंड की इंसानियत को शर्मसार करने वाली है। मेहता ने कहा कि झारखंड में निवास करने वाले हर व्यक्ति में राज्य के लोगों और यहाँ की मिट्टी के प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। लेकिन रांची में जो हुआ, वह अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सदर थाना क्षेत्र के भाभा नगर में एक झूठे चोरी के आरोप में आदिवासी महिला को चार दिनों तक बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। उनके चेहरे पर कालिख पोती गई, जूते-चप्पलों की माला पहनाई गई, 'चोर' लिखे पोस्टर लगाए गए और सरेआम घुमाया गया। इलाके के लोगों को धमकाया गया ताकि कोई विरोध न कर सके। यह मामला घृणित और चौंकाने वाला है। स्थानीय महिलाओं के विरोध के बाद ही पुलिस हरकत में आई है। किसी को भी कानून अपने हाथ में

लेने का अधिकार नहीं है। पुलिस इस घटना की निष्पक्षता से जाँच करे और दोषियों पर शीघ्र कठोर कार्रवाई हो। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाए। दोषी चाहे किसी भी समुदाय का हो, उसे बख्शा न जाए। झारखंड में स्थानीय आदिवासी-मूलवासियों के अधिकारों, गरिमा और सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है की भोले-भाले आदिवासियों के सम्मान और गरिमा का ख्याल रखना हम सबका सामाजिक-राजनीतिक दायित्व है।

पुलिस की जांच पर अंबा प्रसाद ने उठाया सवाल

सीबीआई जांच की मांग

रांची(ईएमएस)। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने विष्णुगढ़ में हुई 12 वर्ष की बच्ची के हत्याकांड की जांच को लेकर राज्य पुलिस पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रांची प्रेस क्लब में उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पूरी जांच प्रक्रिया में कई अहम पहलुओं की अनदेखी की गयी है, जिससे सच्चाई सामने नहीं आ पा रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि डीजीपी तदाशा मिश्रा के निर्देश पर जारी विज्ञप्ति में मृतका की मां को ही आरोपी और सूचक बताया गया, जो बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला है।अंबा प्रसाद ने कहा कि 26 तारीख को

एसआईटी का गठन हुआ, लेकिन अब तक कोई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा।उन्होंने पूछा कि आरोपियों से पूछताछ कब और कैसे की गयी।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि क्राइम सीन को सुरक्षित नहीं रखा गया और साक्ष्यों के साथ लापरवाही बरती गयी।जहां शव मिला, वहां तक पुलिस की कहानी ही नहीं पहुंचती।प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने पुलिस की कहानी को कच्ची और अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस भूमि विवाद की बात कर रही है, जबकि संबंधित परिवार के पास जमीन ही नहीं है।

अंबा प्रसाद ने धार्मिक पहलुओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अष्टमी के शुभ मुहूर्त से पहले कथित बलि कैसे दी गयी।उन्होंने पूछा कि पुलिस को बताना चाहिये कि अभियुक्तों से पूछताछ कब की गयी। छापेमारी दल ने कब और कहां कार्रवाई की।पीड़ित परिवार की स्थिति और तथ्यों की जांच कैसे की गयी। उन्होंने यह भी कहा कि मामले में कोई फोरेंसिक जांच नहीं कराई गयी, जिससे साक्ष्यों की अनदेखी हुई है।अंबा प्रसाद ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी भीम राम एक दबंग व्यक्ति है और उसका राजनीतिक संबंध भी है।उन्होंने कहा कि पूरे मामले में निष्पक्ष जांच नहीं हुई है।पूर्व विधायक ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान जांच के आधार पर अदालत में कुछ साबित नहीं हो पाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री और न्यायालय से मामले का संज्ञान लेने की अपील करते हुए कहा कि सटीक जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जानी चाहिए।

भाजपा नेता पर दुष्कर्म व हत्या का आरोप

झामुमो ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर की फांसी की मांग

पूर्वी सिंहभूम (ईएमएस)। झामुमो के पूर्वी सिंहभूम जिला संयोजक प्रमुख बाघराय मार्डी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर हजारीबाग में 13 वर्षीय बच्ची के साथ भाजपा नेता द्वारा किये गये कथित बलात्कार और हत्या के मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराया। झामुमो कार्यकर्ताओं ने इस जघन्य अपराध के लिए दोषी भाजपा नेता को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द से जल्द फांसी की सजा देने की मांग की।इस दौरान आंदोलनकारी नेता प्रमोद लाल ने कहा कि इस तरह के घिनौने कृत्य किसी भी कीमत पर बरदाश्त नहीं किये जायेंगे। दोषी को सख्त से सख्त सजा मिलना चाहिए। विपक्षी दल अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं, जबकि उनके अपने लोग इस तरह की वारदातों में संलिप्त पाये जा रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गयी कि इस संवेदनशील मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाये ताकि पीड़ित परिवार को इंसाफ मिल सके. झामुमो ने चेतावनी दी है कि बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए, चाहे वे किसी भी रसूखदार दल से जुड़े क्यों न हों।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग में 'कोक, आयरन एवं स्टील ज़ोन' के कर्मियों हेतु लीन मैन्युफैक्चरिंग कार्यशाला का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स (CO&CC) के एचआरडी हॉल में 'लीन मैन्युफैक्चरिंग एवं 5एस/क्यूसी जागरूकता' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'कोक, आयरन एवं स्टील ज़ोन' के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों जैसे कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स, आरएमएचपी, आरएमपी, स्टील मेल्टिंग शॉप 2 एवं सीसीएस, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप (न्यू) तथा ओजी (OG) विभाग के लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.प्रशिक्षण सत्र का विधिवत उद्घाटन महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स) श्री के. एन. झा तथा महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी द्वारा किया गया. कार्यशाला के प्रारंभ में सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जो संयंत्र की कार्य-संस्कृति में सुरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता को रेखांकित करता है. अपने संबोधन के दौरान महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी ने लीन मैन्युफैक्चरिंग के सिद्धांतों पर विस्तृत प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि किस प्रकार इन तकनीकों को अपनाकर परिचालन लागत (Operational Cost) में प्रभावी कमी लाई जा सकती है और कार्य निष्पादन के समय (Lead Time) को कम किया जा सकता है. महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स) श्री के. एन. झा ने भी प्रशिक्षण में शामिल नए एवं संभावित सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए संयंत्र की प्रगति में उनके योगदान का आह्वान किया. इस संपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का प्रभावी संचालन बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की वरीय प्रबंधक सुश्री सागरिका साहू द्वारा किया गया. कार्यक्रम का सफल समन्वय उप महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स) श्री एस. के. प्रधान और बिजनेस एक्सीलेंस टीम द्वारा सुनिश्चित किया गया. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र में लीन मैन्युफैक्चरिंग की कार्य-संस्कृति को व्यापक स्तर पर विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इस प्रकार के प्रशिक्षण सत्र न केवल कार्यस्थल पर संसाधनों के इष्टतम उपयोग और उत्पादकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि यह परिचालन उत्कृष्टता और निरंतर सुधार के प्रति कार्मिकों की सजगता को भी सुदृढ़ करते हैं, जो संयंत्र के भविष्योन्मुखी लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा.

पांच अप्रैल को रांची आएंगे तेजस्वी यादव

दस हजार कार्यकर्ताओं को करेंगे संबोधित:जयप्रकाश नारायण यादव

रांची(ईएमएस)। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पांच अप्रैल को राजधानी रांची आयेंगे। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद श्री यादव पहली बार झारखंड पहुंच रहे हैं।राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के स्वागत के लिए राज्यभर से कार्यकर्ता जुटेंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मंत्री, विधायक व प्रदेश के नेता जुटे हैं।पूर्व केंद्रीय मंत्री व पार्टी के प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश नारायण ने पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद तेजस्वी पहली बार झारखंड आ रहे हैं।कार्यकर्ता, नेता और समर्थक उत्साहित है।पार्टी नेता तेजस्वी का जोरदार स्वागत किया जायेगा और सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि संगठन धारदार, बेहतर और समावेशी बनेगा।पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद की सोशल जस्टिस, सांप्रदायिक सौहार्द की धारा मजबूत होगी।

प्रदेश में राजद का जनाधार है. पार्टी की ताकत को बढ़ाना है, बेहतर करना है। पार्टी नेता तेजस्वी आगे की रणनीति बनायेंगे।राज्य में सदस्यता अभियान चलाकर समाज के सभी वर्गों को जोड़ा जायेगा।पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाना है।राजद प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र की हत्या हुई है।मतों का अपहरण हुआ है। लालू-तेजस्वी के जनाधार की हत्या की गयी है।बिहार में निष्पक्ष चुनाव नहीं हुआ है।बिहार में सही तरीके से चुनाव होता, तो तेजस्वी मुख्यमंत्री होते। जनविश्वास के साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहा है, वहां भाजपा का सफाया होगा।पार्टी नेता तेजस्वी भाजपा को हराने के लिए गठबंधन के दलों के साथ हैं।प्रभारी श्री यादव ने कहा कि झारखंड सहित पूरे देश में इंडिया गठबंधन एकजुट है।कोई दल कहीं चुनाव लड़े, इससे गठबंधन कमजोर नहीं होता है।झारखंड में कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया जायेगा।सरकार में बैठक कर बात करेंगे।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली, (ईएमएस)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (ईएमएस)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नईदिल्ली,(ईएमएस)।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दियाहै।उन्होंनेकहाकिराष्ट्रीयहितकोप्राथमिकतादेकरस्थितिसेनिपटनेकेलिएराष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता। यह दृष्टिकोण कांग्रेस की सामान्य नीति से अलग है। कांग्रेस पार्टी ने एलपीजी आपूर्ति संकट के लिए मोदी सरकार की आलोचना की है और पश्चिम एशिया विवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने इस घटनाक्रम को प्रधानमंत्री मोदी की "व्यक्तिगत विदेश नीति" बताकर कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में दरकिनार हो गया है और इसका परिणाम सबके सामने है। उन्होंने इसे "सर्वव्यापी मजाक" करार दिया। इस तरह, आनंद शर्मा का बयान मामले में पार्टी के सामान्य रुख से भिन्न दिखाई देता है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय हित और एकजुटता को प्राथमिकता देकर मोदी सरकार की कूटनीति की सराहना की। उन्होंने वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

वेतन विवादः लखनऊ में 1076 से जुड़े कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ में 1076 से जुड़े कर्मचारियों का प्रदर्शन अब तेज हो गया है। साइबर टॉवर में हुए हंगामे के बाद कई कर्मचारी पुलिस कार्रवाई के डर से छिपते नजर आए। बताया जा रहा है कि एक महिला कर्मचारी खुद को बचाते हुए कामता बस स्टैंड तक पहुंची गई, जबकि अन्य कर्मचारी अलग-अलग जगहों पर छिपकर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। दूसरे दिन प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को पुलिस ने बसों में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों का कहना था कि 15 हजार रुपए की सैलरी का वादा करके 7000-8000 रुपए दिए जा रहे हैं। सैलरी भी रोक दी है। प्रदर्शन कर रही एक महिला कर्मी ने कहा कि पुलिस उनके साथ मारपीट कर रही है। प्रशासन ने उनकी मांगों को पूरा करने के लिए 10 घंटे का समय दिया था, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। करीब 50 से ज्यादा कर्मचारी अब भी विरोध के मैदान में डटे हैं और प्रशासन पर लगातार आरोप लगा रहे हैं कि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका आरोप है कि न सिर्फ वेतन कम दिया जा रहा है, बल्कि भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा। 60 दिन बाद भी पूरी सैलरी नहीं दी गई और कई महीनों का भुगतान अब भी बाकी है।

स्टील मेल्टिंग शॉप -II एवं सीसीएस विभाग ने मार्च 2026 में दर्ज किया ऐतिहासिक उत्पादन

तोड़े कई पुराने कीर्तिमान

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-II एवं सीसीएस विभाग ने मार्च 2026 में 3,45,608 टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. मार्च माह के लिए निर्धारित 3,45,000 टन के लक्ष्य को पार करते हुए विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक का सर्वाधिक मासिक उत्पादन दर्ज किया है. यह उपलब्धि विभाग की परिचालन दक्षता और कार्मिकों के उत्कृष्ट तालमेल का परिणाम है. उत्पादन के इस ऐतिहासिक शिखर तक पहुँचने के क्रम में विभाग ने कई अन्य श्रेणियों में भी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त किए हैं. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 62 दिन ऐसे रहे जब प्रतिदिन 40 से अधिक हीट का उत्पादन किया गया, जो विभाग के इतिहास में एक नया कीर्तिमान है. इसके अतिरिक्त, वर्तमान वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (Q4) में 9,74,129 टन का उत्पादन किसी भी वित्त वर्ष की तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. मार्च 2026 के दौरान विभाग ने 16.7 हीट की सबसे लंबी औसत सीक्वेंस लंबाई और प्रतिदिन 39.4 हीट का औसत बनाए रखते हुए कुल 1221 हीट तैयार किए, जो विभाग की उच्च उत्पादन क्षमता को प्रमाणित करता है.परिचालन और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी विभाग ने कई महत्वपूर्ण आंतरिक पहल की हैं. सी3-सी5 (C3-C5) कन्वेयर बेल्ट के बीच स्क्रीन को आंतरिक संसाधनों के माध्यम से सफलतापूर्वक क्रियाशील बनाया गया है, जिससे अब स्क्रीन किए गए चूने (Lime) को पुनः उपयोग हेतु सिन्टर प्लांट भेजा जा रहा है. इसके साथ ही, कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से सीसीएस के क्रेन संख्या-4 में 'स्टॉप लोगो प्रोजेक्टर' लाइट, टिमिंग एवं मिक्सर क्रेनों में 'एवी अलार्म' (AV Alarm) तथा चार्जिंग क्रेन-2 में 'न्यूट्रल पोजीशन इंडिकेटर' स्थापित किए गए हैं.यह शानदार उपलब्धि स्टील मेल्टिंग शॉप-II एवं सीसीएस टीम की तकनीकी दक्षता और नवाचार के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है. इस प्रकार का रिकॉर्ड उत्पादन न केवल संयंत्र की कुल उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान देता है, बल्कि यह बोकारो इस्पात संयंत्र की संचालनात्मक उत्कृष्टता और भविष्य के चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में संगठन के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाता है.

फ्लाइट में महिला को सीने में हुआ तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ तभी भगवान बनी डॉ. लिरीना

नई दिल्ली (ईएमएस)। टोक्यो से नई दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में एक महिला यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। महिला को सीने में तेज दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। फ्लाइट में मौजूद क्रू मेंबर्स भी घबराए हुए थे, और स्थिति गंभीर लग रही थी। तभी मणिपुर की डॉ. लोनी लिरीना, जो इंफाल के बाबिना स्पेशलिटी हॉस्पिटल में क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट हैं, ने तुरंत मदद के लिए कदम बढ़ाया। युवती की हालत गंभीर थी हृदय गति लगभग 160 बीट्स प्रति मिनट, ब्लड प्रेशर कम और ऑक्सीजन सैचुरेशन केवल 80 प्रतिशत था। डॉ. लिरीना ने ऑक्सीजन सपोर्ट, नेबुलाइजेशन और आवश्यक दवाइयां तुरंत प्रदान की। उनके त्वरित और प्रभावशाली कदमों से करीब 30 मिनट में महिला यात्री की स्थिति स्थिर हो गई। इस वजह से फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग की जरूरत नहीं पड़ी और विमान अपने निर्धारित समय पर सुरक्षित रूप से नई दिल्ली में उतरा। डॉ. लिरीना ने कहा कि यह स्थिति उनके पेशेवर अनुभव की वजह से संभाली जा सकी और विमान में उपलब्ध दवाओं का सही इस्तेमाल किया। उनका कहना था कि यह ईश्वर की कृपा और पेशेवर जिम्मेदारी का मिश्रण था, जिसने इस गंभीर स्थिति में जीवन बचाया। सोशल मीडिया पर घटना की खूब प्रशंसा हो रही है। यूजर्स ने डॉ. लिरीना को असली हीरो बताया, और लिखा कि असली हीरो हमेशा वर्दी में नहीं होते, वे बस तब मौजूद होते हैं जब जरूरत होती है। कई लोगों ने कहा कि यह मणिपुर के लिए गर्व का क्षण है और जीवन बचाने के प्रति समर्पण की कोई सीमा नहीं होती। इस घटना ने साबित कर दिया कि कभी-कभी हीरो बनने के लिए सिर्फ तत्परता, ज्ञान और साहस ही काफी होते हैं। डॉ. लिरीना ने न केवल एक जीवन बचाया, बल्कि यह भी दिखाया कि निस्वार्थ सेवा और पेशेवर काबिलियत का संयोजन असली प्रेरणा बन सकता है।

हथियार डाल दो, घर लौट आओ, गढ़चिरौली के जंगल में छिपे नक्सली बेटे से पिता की अपील

गढ़चिरौली,(ईएमएस)। महाराष्ट्र सहित पूरे देश में माओवादी दौर अब खत्म होने के करीब है। इसी बीच, एक पिता ने अपने नक्सली बेटे जयराम उर्फ नंदू मोंगे गावड़े से भावुक अपील की है कि वहां हथियार डालकर घर लौट आए। जयराम करीब 14 साल पहले 17 साल की उम्र में घर छोड़कर जंगल में चला गया था। उसके पिता ने कहा कि वह घर छोड़ने से पहले उसे कुछ कामों में लापरवाही के कारण डांट चुके थे। अब जयराम महाराष्ट्र पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज आखिरी छह माओवादियों में से एक है। गढ़चिरौली का यह जिला कभी माओवादी गतिविधियों का गढ़ हुआ करता था, लेकिन अब सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में अभियान तेज कर दिया है। जयराम का पिता मोंगे गवाडे ने एटापल्ली के गिलंगुडा गांव से वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने स्थानीय माडिया गोंड भाषा में कहा, "अब दलम में तुम्हारे सभी सीनियर कॉमरेड्स और नेता जा चुके हैं। तुम अकेले जंगल में इतनी तकलीफ क्यों उठा रहे हो? अपनी बंदूक नीचे रख दो और अपने लोगों के पास लौट आओ।" सुरक्षा बलों के अनुसार, जयराम माओवादी संगठन की कंपनी नंबर 10 का सदस्य है। राज्य में बचे छह माओवादी में चार महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं, जिसमें से पांच छत्तीसगढ़ के हैं। गढ़चिरौली में सुरक्षा बलों के तेज अभियान के चलते कई माओवादी मारे जा चुके हैं या सरेंडर कर चुके हैं। अप्रैल 2018 में दो बड़े अभियानों में 40 से अधिक माओवादी मारे गए। केंद्र सरकार ने 31 मार्च को महाराष्ट्र को 'नक्सल मुक्त' घोषित किया। अब जयराम का परिवार और राज्य सुरक्षा बल उसकी सुरक्षित वापसी के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, ताकि वह अपने जीवन को सामान्य रास्ते पर लौटाकर परिवार के साथ मिल सके। यह कहानी न केवल नक्सलियों की गिरती शक्ति को दिखाती है, बल्कि एक पिता की भावनात्मक अपील और परिवार के महत्व को भी उजागर करती है।

5 दिन में दूसरी बार पीएम मोदी से मिली प्रियंका चतुर्वेदी सियासी मिजाज बदले-बदले दिखे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के सियासी मिजाज बदले-बदले दिख रहे हैं। दरअसल गुरुवार को उन्होंने पीएम मोदी से एक बार फिर मुलाकात की थी। इस मुलाकात के फोटो शेयर कर पीएम मोदी को 5 दिन में दो बार धन्यवाद देकर उनकी तारीफ कर दी है। हालांकि 5 दिन में इस दूसरी मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी भविष्य की राजनीति को लेकर सियासी अटकलों पर विराम लगा दिया है। शिवसेना नेता चतुर्वेदी ने कहा है कि वे विपक्ष की मुखर सदस्य बनी रहेंगी, क्योंकि देश को मजबूत विपक्ष की जरूरत है। उन्होंने पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में मेरे अनुभवों को सुना और अपने विचार को साझा किए। प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि यह मुलाकात उनके लिए काफी मायने रखती है। साथ ही उन्होंने साफ किया कि वे आगे भी विपक्ष की एक मुखर आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि देश के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी है। मैं विपक्ष में एक मुखर सदस्य बनी रहूंगी, क्योंकि देश को एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर लगातार बोलती रहेंगी और देश के लिए काम करती रहेंगी। पोस्ट के अंत में उन्होंने जय महाराष्ट्र, जय हिंद लिखा। इसके पहले प्रियंका चतुर्वेदी ने पीएम मोदी के साथ तस्वीर शेयर की थी। जिसमें उन्होंने राज्यसभा से सम्मानजनक विदाई क्षण का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा कि जब खुद प्रधानमंत्री संसद से विदाई देते हैं, तब यह उनके लिए बेहद खास और यादगार पल बन जाता है। इससे पहले भी करीब 7 महीने पहले शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी, उन्होंने मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी। प्रियंका चतुर्वेदी की पीएम मोदी से बार-बार मुलाकात और सोशल मीडिया मैसेज को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह कुछ बड़ा सियासी उलटफेर कर सकती हैं।

मोदी के खिलाफ आवाज नहीं निकलती है, जनहित के मुद्दे उठाने से डरते हो

आम आदमी पार्टी नेताओं ने सांसद राघव चड्ढा की कार्यशैली पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा पर पार्टी नेता संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनुराग ढांडा ने सांसद राघव चड्ढा पर सीधा हमला करते हुए उनकी कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है जब देश के तमाम मुद्दों पर संसद में प्रस्ताव आता है आप साइन नहीं करते हैं। मोदी के खिलाफ आवाज नहीं निकालती है...तमाम जो मुद्दे जनहित से जुडे हैं, पार्टी के कार्यकर्ताओं को गुजरात में पीटा जाता है आप उस पर नहीं बोलते...जब विपक्ष मुद्दों पर सदन से वॉकआउट करता है तो आप वॉकआउट नहीं करते हैं ये तमाम चीजें हैं जिसका जवाब देश आपसे चाहता है, देश के लोग आपसे चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आप नेता सौरभ भारद्वाज ने भी चड्ढा पर निशाना साधा और पूछा कि क्या उन्होंने गुजरात में गिरफ्तार किए गए पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन में संसद में आवाज उठाई? उन्होंने पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र पर कथित हमलों के मुद्दे पर कोई ठोस पहल क्यों नहीं की. भारद्वाज ने कहा कि संसद में सीमित समय का उपयोग गंभीर मुद्दों को उठाने के लिए होना चाहिए, लेकिन राघव चड्ढा उस भूमिका में सक्रिय नहीं दिखे। यह भी आरोप लगाया कि जब पार्टी सांसद वॉकआउट करते हैं, तब भी चड्ढा सदन में मौजूद रहते हैं। वहीं अनुराग ढांडा ने राघव चड्ढा पर पीएम मोदी से डरने और पार्टी के संघर्षों से किनारा करने के गंभीर आरोप लगाए। ढांडा ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर राघव चड्ढा की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राघव, तुम पिछले कुछ सालों से डर गए हो।

मोदी के खिलाफ बोलने से घबराते हो, जो डर गया वो देश के लिए क्या लड़ेगा? ढांडा ने तंज कसते हुए कहा कि संसद में पार्टी को बोलने के लिए जो सीमित समय मिलता है, उसका उपयोग देश बचाने के लिए होना चाहिए, न कि एयरपोर्ट कैंटीन में समोसे सस्ते करवाने जैसे मुद्दों के लिए। ढांडा ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में वोट का अधिकार छीना जा रहा है। सदन में प्रस्ताव आया चुनाव आयोग के खिलाफ तो राघव ने साइन करने से मना कर दिया। पार्टी ने सदन से वाकआउट किया तो मोदीजी की हाज़िरी लगाने के लिए बैठे रहते हैं। पिछले कुछ सालों से तुम डर गए हो राघव। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत ने राघव चड्ढा को लेकर कहा कि पार्टी का संसदीय बोर्ड का नेता बदलता रहता है। उन्होंने कहा कि मैं भी जब संसद में था तब भी कुछ बदलाव किए गए थे। ये बदलाव होते रहते हैं। कई मुद्दे ऐसे होते हैं संसद में जब संसद में वॉकआउट करना होता है लेकिन जब कोई सांसद नहीं करता है तो ये व्हिप का उल्लंघन होता है। इसलिए उसके बाद कार्रवाई की जाती है।

सही वोटों को काटे जाने का मुद्दा हो या गुजरात में हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। ऐसे मुद्दों को न उठाकर जब कैंटीन में समोसे का मुद्दा उठाया जाता है डिलीवरी कितने समय में होगी ये मुद्दा उठाया जाता है तो मुझे लगता है वो कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। इस विवाद की शुरूआत उस समय हुई जब आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को एक पत्र लिखकर सांसद राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के उप-नेता के पद से हटाने का आग्रह किया था। उनके स्थान पर पंजाब के सांसद अशोक मित्तल का नाम प्रस्तावित किया।

पत्र में कहा गया है कि चड्ढा को सदन में बोलने के लिए 'आप' के तय कोटे से समय आवंटित नहीं किया जाना चाहिए। इसके बाद आज राघव चड्ढा ने भी एक वीडियो जारी कर कहा कि मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना।

जोधपुर नगर निगम का कारनामा, मृत और रिटायर्ड लोगों की ड्यूटी जनगणना में लगाई

जोधपुर,(ईएमएस)। 27 मार्च को कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी और निगम कमिश्नर ने 2084 लोगों की सूची जारी की। इसमें जनगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई। इस सूची में जिन लोगों का निधन हो चुका है या जो रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम भी शामिल हैं। सूची में एक नाम अब्दुल वाहिद है। उनका जोधपुर के लाला लाजपत राय कॉलोनी में घर है उनकी पत्नी नसीम बानो ने बताया कि 10 मई 2024 को पति अब्दुल वाहिद का निधन हो चुका है। वे जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में यूडीसी थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नसीम बानो ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी कैसे एक मृत व्यक्ति की ड्यूटी लगा सकते हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि 15 मई 2024 को नगर निगम की ओर से ही मृत्यु प्रमाण-पत्र भी जारी किया जा चुका है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी की पेंशनर्स कमेटी के संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि वह अगस्त 2024 में विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हो गया था। इसके बावजूद उनकी ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्थापित किए उत्पादन एवं बिक्री के ऐतिहासिक कीर्तिमान

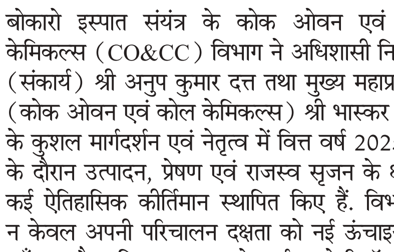

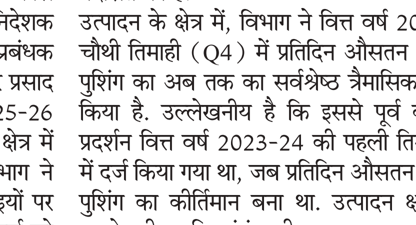

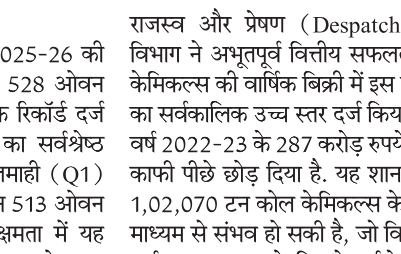

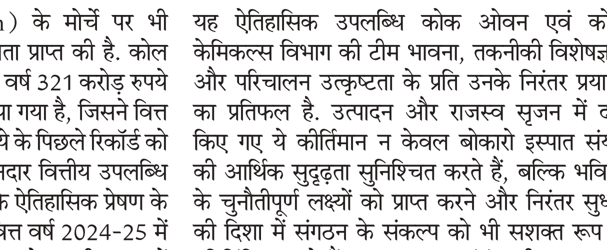

बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स (CO&CC) विभाग ने अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त तथा मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स) श्री भास्कर प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उत्पादन, प्रेषण एवं राजस्व सृजन के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किए हैं. विभाग ने न केवल अपनी परिचालन दक्षता को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है, बल्कि अब तक के कई पुराने रिकॉर्ड्स को ध्वस्त करते हुए संगठन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है.

उत्पादन के क्षेत्र में, विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (Q4) में प्रतिदिन औसतन 528 ओवन पुशिंग का अब तक का सर्वश्रेष्ठ त्रैमासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है. उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (Q1) में दर्ज किया गया था, जब प्रतिदिन औसतन 513 ओवन पुशिंग का कीर्तिमान बना था. उत्पादन क्षमता में यह उल्लेखनीय वृद्धि संयंत्र की समग्र उत्पादकता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई है.

राजस्व और प्रेषण (Despatch) के मोर्चे पर भी विभाग ने अभूतपूर्व वित्तीय सफलता प्राप्त की है. कोल केमिकल्स की वार्षिक बिक्री में इस वर्ष 321 करोड़ रुपये का सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया गया है, जिसने वित्त वर्ष 2022-23 के 287 करोड़ रुपये के पिछले रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है. यह शानदार वित्तीय उपलब्धि 1,02,070 टन कोल केमिकल्स के ऐतिहासिक प्रेषण के माध्यम से संभव हो सकी है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में दर्ज 84,600 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रेषण की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है.

यह ऐतिहासिक उपलब्धि कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग की टीम भावना, तकनीकी विशेषज्ञता और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति उनके निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है. उत्पादन और राजस्व सृजन में दर्ज किए गए ये कीर्तिमान न केवल बोकारो इस्पात संयंत्र की आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित करते हैं, बल्कि भविष्य के चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने और निरंतर सुधार की दिशा में संगठन के संकल्प को भी सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करते हैं. यह सफलता संयंत्र की उत्पादकता बढ़ाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी श्रेष्ठता.

संक्षिप्त खबरें

सोलर क्रांति से बदल रही बिहार की तस्वीर, किसान और गांव बन रहे विकास के केंद्रः जद (यू0)

पटना, (ईएमएस)। जद (यू0) के प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं मीडिया पैनलिस्ट डॉ.मधुरेंदु पांडेय ने जारी बयान में कहा कि बिहार आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सतत विकास, हरित ऊर्जा और समावेशी प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बिहार की बढ़ती उपलब्धियां न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, बल्कि यह कृषि, सिंचाई और जल संकट जैसे गंभीर मुद्दों के स्थायी समाधान का आधार भी बन रही हैं। आज सोलर पावर बिहार के विकास का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों ने ग्रामीण और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। जहां पहले किसानों को बिजली की अनिश्चित आपूर्ति और डीजल आधारित सिंचाई पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई व्यवस्था उन्हें सस्ती, सुगम और भरोसेमंद सुविधा प्रदान कर रही है। इससे किसानों की लागत में कमी आई है, उत्पादन क्षमता बढ़ी है और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हुई है। बिहार में सोलर पावर का विस्तार केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जल संकट के समाधान में भी अहम भूमिका निभा रहा है। सौर ऊर्जा आधारित पंप, जल आपूर्ति तंत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा-सक्षम संसाधनों के माध्यम से सरकार ने यह सिद्ध किया है कि आधुनिक तकनीक और संवेदनशील शासन मिलकर स्थायी विकास का मजबूत मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं। जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा और ऊर्जा उपलब्धता-इन तीनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा एक साथ परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में ''आशा मॉडल'' नए बिहार की मजबूत नींव रख रहा है। यह मॉडल केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि गांव, किसान, महिला, युवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आशा मॉडल उस सोच का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें आत्मनिर्भरता, सतत संसाधन प्रबंधन, सामाजिक भागीदारी और तकनीकी नवाचार को एक साथ जोड़ा गया है। यह मॉडल बिहार को केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित, सक्षम और समृद्ध बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

बिहार में एलपीजी को लेकर कांग्रेस का विरोध, बीजेपी हटाओ-देश बचाओ के लगे नारे

पटना,(ईएमएस)। बिहार में एलपीजी गैस क्राइसिस को लेकर पटना में कांग्रेस नेता प्रदर्शन कर रहे हैं। महिलाओं ने सिलेंडर सड़क पर रखकर उसे माला पहनाकर विरोध किया। कुछ महिलाएं चूल्हा लेकर पहुंची रहीं। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बीजेपी हटाओ-देश बचाओ जैसे नारे लगाए जा रहे हैं। खाली सिलेंडर-खोखले वादे लिखे पोस्टर लहराए जा रहे हैं। नाम-नरेंद्र, काम-सरेंडर... इस तुकबंदी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डफली और झाल के साथ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता ढोल-मंजीरे के साथ सड़क पर बैठ गए। महंगाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। महंगाई डायन खाय जात है, गाना गा रहे हैं। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम भी शामिल हुए। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मैं यूं ही गरीबों को ठगने नहीं दूंगा। 1 अप्रैल से बिहार सरकार द्वारा बिजली बिल के दरों में बढ़ोतरी कर दी गई है। वहीं, एलपीजी क्राइसिस चल रहा है। पहले एलपीजी का मतलब लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस होता था और अब इसका मतलब ले पाओगे है। कड़ी धूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार और बीजेपी, पीएम मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूर्व विधायक ने कहा कि पीएम मोदी के कारण आज महिलाएं चूल्हे पर खाना बना रहीं और उनकी आंखों में आंसू हैं। कांग्रेस के प्रदर्शन में अलग-अलग तस्वीर देखने को मिली। एक ओर जहां पूर्व विधायक ने सिलेंडर को माला पहनाई, वहीं दूसरी ओर कुछ कार्यकर्ता सिर और कंधे पर सिलेंडर रखकर प्रदर्शन में शामिल हुए। राजेश राम ने कहा कि जब भी देश में क्राइसिस होती है, केंद्र सरकार कुछ नहीं करती है। नीतीश सरकार ने 125 यूनिट बिजली माफ करने की बात कही थी, लेकिन अब पिक ऑवर में बिजली महंगी कर दी गई। यानी लोग बिजली पर खाना भी नहीं बना सकते हैं। ये सरकार आपदा में अपने लिए अवसर तलाश कर धंधा कर रही है।

बिहार में फिर जहरीली शराब पीने से चार की मौत, 15 की हालत गंभीर

-6 की आंखों की रोशनी गई, चौकीदार गिरफ्तार, एसएचओ को किया सस्पेंड

मोतिहारी,(ईएमएस)। बिहार में फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में जहरीली शराब से 4 लोगों की जान ले ली, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान परीक्षण मांझी (46) और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत गुरुवार सुबह और दूसरी रात को हुई। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया एसएचओ को सस्पेंड किया गया है, जबकि चौकीदार भरत राय को गिरफ्तार कर लिया है। तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाने में मामले को लेकर हत्या का केस दर्ज कराया गया है। ये केस मृतक प्रमोद यादव और हीरालाल भगत के परिवार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। पुलिस के मुताबिक गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने बिना किसी को सूचना दिए जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। शराब से मौत का खुलासा तब हुआ जब रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा निवासी लोहा ठाकुर की तबीयत बिगड़ी और उनकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। परिजन उन्हें इलाज के लिए नर्सिंग होम ले गए, जहां लोहा ठाकुर ने बताया कि उन्होंने शराब पी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आए। शराब पीने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

रक्षा निर्यात में रिकॉर्ड उछाल, 38,000 करोड़ के पार– आत्मनिर्भर भारत की बड़ी जीत- प्रेम पटेल

पटना, (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रेम पटेल ने देश के रक्षा निर्यात में हुई ऐतिहासिक वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की बढ़ती ताकत, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साख का स्पष्ट प्रमाण है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत का रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है, जो अब तक का सर्वोच्च स्तर है। प्रेम पटेल ने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी "आत्मनिर्भर भारत" सोच का परिणाम है। साथ ही मेक इन इंडिया अभियान ने देश में रक्षा उत्पादन को नई दिशा और गति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि पहले भारत रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी देशों पर निर्भर था, लेकिन आज भारत मिसाइल, हथियार और अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का निर्यात कर विश्व मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह परिवर्तन देश की नीतिगत दृढ़ता और निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है। प्रवक्ता प्रेम पटेल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं, जिससे उत्पादन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भी इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

शादी समारोह में हुई दोस्ती, मांग भरकर युवती से बनाए शारीरिक संबंध

गोपालगंज,(ईएमएस)। तीन सालों तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद युवक ने शादी से इनकार कर दिया। पीड़ित युवती ने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक कुचायकोट थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती की मुलाकात तीन साल पहले मांझागढ़ क्षेत्र में एक शादी समारोह में युवक से हुई थी। दोस्ती के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे यह संबंध प्रेम में बदल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युवती ने बताया कि वह शहर के स्टेशन रोड स्थित एक किराए के मकान में रहकर पढ़ाई के साथ निजी संस्था में काम करती है। इसी दौरान युवक का उसके यहां आना-जाना बढ़ा और दोनों लिव-इन में रहने लगे। युवती का आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

अंतर्राष्ट्रीय महादंगल में पहुंचे जेडीयू विधायक अनंत सिंह, व्यवस्था का लिया जायजा

पटना,(ईएमएस)। बिहार के मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह की ओर से नदवां गांव में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महादंगल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन बाहुबली विवेका पहलवान की पुण्यतिथि पर हो रहा है। अनंत सिंह दंगल देखने के लिए पहुंच गए हैं। उनके साथ उनके छोटे बेटे अभिनव सिंह मौजूद रहे। अनंत सिंह ने सिर पर साफा बांध रखा है। अखाड़े में कुश्ती शुरू हो चुकी है। लोगों का कहना है कि वहां कुश्ती नहीं अनंत सिंह को देखने आए हैं। अनंत सिंह अखाड़े के चारो तरफ घूमकर कुश्ती देख रहे हैं। अनंत का दावा है कि महादंगल में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। बाहर से आए दर्शकों के लिए भोज का भी इंतजाम किया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश, उनके बेटे निशांत समेत कई नेता, विधायक और मंत्रियों को निमंत्रण दिया गया है। महादंगल में भारत के कई राज्यों के अलावा विदेशों से भी पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। ईरान के हामिद, इरफान और जलाल जैसे नामी पहलवान महादंगल में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। वहीं, जॉर्जिया से टेड्डू पहलवान के आने की भी चर्चा है। इसके अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई चर्चित पहलवान भी इस दंगल में कुश्ती के मैदान में उतरने वाले है। यह पूरा आयोजन अनंत सिंह की देखरेख में हो रहा है। दुलारचंद यादव हत्याकांड में पटना हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद वे पिछले सप्ताह ही बेऊर जेल से बाहर आए हैं। जेल से बाहर आने के बाद यह उनका पहला बड़ा सार्वजनिक आयोजन माना जा रहा है, इसलिए इसकी चर्चा और भी ज्यादा हो रही है। अनंत सिंह खुद तैयारियों का जायजा लेते नजर आए हैं।।

पटना नगर निगम शहर के छह अंचलों में बना रहा हाइटेक गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन

पटना,(ईएमएस)। शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में नगर निगम ने शहर के छह अंचलों अजीमाबाद, बांकीपुर, कंकड़बाग, न्यू कैपिटल, पाटलिपुत्र और पटना सिटी में अत्याधुनिक गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। करीब 53 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इन स्टेशनों के शुरू होने के बाद कचरा प्रबंधन की व्यवस्था अंचल स्तर पर ही सुदृढ़ हो जाएगी।

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग,लाखों का सामना खाक

पटना,(ईएमएस)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

दिनदहाड़े ज्वेलर्स की दुकान से 20 लाख रूपये के गहनों की लूट

दरभंगा, (ईएमएस)। बिहार के दरभंगा में चार अज्ञात अपराधियों ने ज्वेलर्स की दुकान में घूसकर 15 से 20 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के गहने लूटकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई लूटपाट की घटना से व्यापारियों के बीच भय का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार लूटपाट की यह वारदात नगर थाना क्षेत्र के बड़ा बाजार में हुई है। चार अपराधियों ने मनोज कुमार शाह के प्रेम ज्वेलर्स में लूटपाट की घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने हथियार के बल पर दुकान में मौजूद लोगों को बंधक बना लिया और जमकर लूटपाट की। इसके बाद वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नगर थाना की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला जा रहा है। बहरहाल दिनदहाड़े हुई लूट की इस घटना से स्थानीय व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

बिहार राज्य महिला आयोग के दफ्तर में भारी विरोध के बीच प्रेमी ने प्रेमिका की भरी मांग

पटना, (ईएमएस)। पटना में शुक्रवार को राज्य महिला आयोग का दफ्तर करीब दो घंटे तक रणक्षेत्र बना रहा, जहां प्यार, तकरार और अंत में मिलन का जबरदस्त क्लाइमेक्स दिखा। भारी विरोध और हंगामे के बीच सबके सामने एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी स्वीकार किया। हालात इतने बेकाबू हुए कि सुरक्षा के लिए डायल 112 की टीम को भी बुलाना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खाजेकला निवासी रौशन कुमार और संपतचक की विजया शेखर के बीच ढाई साल पहले प्यार हुआ। विजया, रौशन के घर में बतौर किराएदार रह रही थीं और यहीं से दोनों का प्यार परवान चढ़ा। दोनों ने जुलाई 2025 में छिपकर कोर्ट मैरिज कर ली थी, लेकिन लड़के के परिवार ने इस रिश्ते का कड़ा विरोध किया। रौशन की मां को जब शादी करने की खबर मिली तो उन्होंने बेटे को संपत्ति से बेदखल कर दिया और विजया को धमकाना शुरू कर दिया। आख़िरकार जोड़ा महिला आयोग पहुंचा। आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा मिश्रा ने लड़के की मां और परिजनों को घंटों समझाने की कोशिश की, लेकिन वे अपनी बात पर अड़े रहे। लड़के की मां का कहना था कि उन्हें यह 'लव मैरिज' किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है। करीब दो घंटे तक चले हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद, जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होने लगी, तो डायल 112 की टीम मौके पर बुलाई गई। इसी दौरान रौशन ने हिम्मत दिखाई और महिला आयोग के सदस्यों की मौजूदगी में विजया की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी मान लिया।

कांग्रेस 30 वर्षों तक महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने में असफल रही थीः संजय सरावगी

– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मात्र दो दिनों के भीतर पारित कर दिया गया- संजय सरावगी

– पीएम मोदी विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध- संजय सरावगी

– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नारी शक्ति को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला- संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने शुक्रवार को महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों तक कांग्रेस महिला आरक्षण विधेयक पारित करने में असफल रही थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह विधेयक मात्र दो दिनों के भीतर पारित कर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विधायी निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिलने में देरी न हो। साथ ही यह भी बताया कि इस बिल को संसद में लाकर 2029 के चुनावों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का उद्देश्य महिलाओं को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण से जुड़े फैसले लगातार लिए गए हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य महिलाओं को आगे बढ़ाना, सशक्त करना और स्वावलंबी बनाना है। प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे विधेयक पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में आधी आबादी भी अहम भूमिका निभा रही है। निश्चित तौर पर आधी आबादी का आगे बढ़ना भारत के लिए शुभ संकेत है। आने वाले समय में जब संसद पहुंचकर 33 फीसदी महिलाएं देश का प्रतिनिधित्व करेंगी, तो वह दृश्य विकसित और सशक्त भारत की पहचान होगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि हमारी विरासत, संस्कृति और परंपराएं सदियों से महिलाओं को देवी और शक्ति के रूप में पूजती रही हैं। हम सभी को महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी होना चाहिए, जिन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व में नारी शक्ति को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला।

जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2026 व्यापार और जीवन को सुगमता की ओर बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदमः संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किए जाने पर भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह व्यापार और जीवन को सुगमता की ओर बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इससे व्यापार सुगम, सरल और पारदर्शी बनेगा। इससे छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और युवाओं को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने इस विधेयक को दोनों सदनों में पारित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और विश्वास आधारित शासन को नई मजबूती मिल रही है, जो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि जन विश्वास विधेयक रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है जहां शासन का आधार दंड नहीं, न्याय और विश्वास था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कल्पना है कि यह देश विश्वास के आधार पर आगे बढ़े और उसी विश्वास से विकसित भारत 2047 का रास्ता तैयार हो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने राम राज्य की चर्चा करते हुए कहा कि उस दौर में हर व्यक्ति को सुना जाता था, हर नागरिक को सम्मान मिलता था, और लोग बिना भय के जीवन जीते थे। जन विश्वास विधेयक उसी दिशा में एक और कदम है। यह एक ऐसा प्रयास है जिसमें सरकार जनता पर भरोसा कर रही है, उन्हें परेशान करने के बजाय सुविधा देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, यह विधेयक नए भारत को एक नए प्रकार के रामराज्य की ओर ले जाने का प्रयास है जहां शासन सेवा करे, भरोसा करे और जनता के जीवन को आसान बनाया जाए, जहां विश्वास और भरोसा हो। उन्होंने बताया कि इस संशोधन विधेयक के जरिए सैकड़ों पुराने कानूनों में सुधार किया गया है। इनमें से कई कानून तो ऐसे हैं जो ब्रिटिश राज के समय से चले आ रहे थे। ये कानून आज के समय में अप्रासंगिक भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा, जन विश्वास विधेयक 2026 देश के व्यापारियों और छोटे उद्यमियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। अब छोटी-छोटी कागजी या प्रक्रियात्मक गलतियों के लिए जेल नहीं होगी। पहली बार गलती होने पर सिर्फ चेतावनी दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर मामूली जुर्माना लगाया जाएगा।

विश्वकर्मा बन राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनेंगी बिहार की नारी शक्तिः डॉ प्रीति शेखर

– प्रशिक्षण एवं तकनीक से सशक्त और कुशल बनेगीं नारी शक्ति- डॉ. प्रीति शेखर

– बहनों को मिलेगा रोजगार, आत्मनिर्भर बनेगा बिहार- डॉ. प्रीति शेखर

पटना, (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रीति शेखर ने बयान जारी कर कहा कि बिहार सरकार अब जीविका दीदियों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। इस योजना के तहत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य की ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा परिवार की एक महिला सदस्य को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ.प्रीति ने कहा कि जो महिलाएं 18 प्रकार के पारंपरिक कार्यों जैसे हस्तशिल्प, कारीगरी आदि से जुड़कर अपनी आजीविका चलाना चाहती हैं, लेकिन आधुनिक संसाधनों के अभाव में पीछे रह गई हैं, उन्हें अब इस योजना के माध्यम से नया अवसर मिलेगा। उनके उत्पादों को स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में सरकार सक्रिय भूमिका निभाएगी।

डॉ. शेखर ने इसे ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि 'आत्मनिर्भर बिहार' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को भी सशक्त करेगी।उन्होंने आगे कहा कि जीविका दीदियों को कौशल आधारित रोजगार से जोड़ने से पारंपरिक कारीगरी को नई पहचान और सम्मान मिलेगा। सरकार द्वारा प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग एवं विपणन सहायता से महिलाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा। डॉ. प्रीति शेखर ने कहा कि कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा जहां महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी, वहीं रोजगार से जुड़कर वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति देंगी। भारतीय जनता पार्टी इस योजना को गरीब और वंचित वर्ग के लिए परिवर्तनकारी पहल मानती है, जो महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से जुड़कर महिलाएं घर बैठे अपने पारंपरिक कार्यों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। डॉ. शेखर ने ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि बिहार की एनडीए सरकार महिलाओं को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है, जिसकी सराहना देशभर में हो रही है।

सीएम नीतीश के नेतृत्व में सुशासन और सर्वांगीण विकास का सशक्त मॉडल बना बिहार- उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जद (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार ने बीते दो दशकों में 'बीमारू राज्य' की छवि को पीछे छोड़ते हुए सुशासन और सर्वांगीण विकास का एक सशक्त मॉडल स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार, कानून-व्यवस्था में व्यापक सुधार, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सेवाओं की सुदृढ़ता ने विकास को नई गति प्रदान की है। इसके साथ ही गरीब, वंचित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान हेतु संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक विकास की किरणें पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार आज परिवर्तन और प्रगति की नई कहानी गढ़ रहा है। जो समाज दशकों तक विकास से वंचित रहा, उसे मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है।

बिहार में कर संग्रह में रिकॉर्ड वृद्धि, सुशासन की जीतः नीरज कुमार

पटना, (ईएमएस)। बिहार में कर संग्रह में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में वाणिज्य कर विभाग ने रिकॉर्ड 43,324 करोड़ रुपये का संग्रह किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.09 प्रतिशत अधिक है। राज्य जीएसटी संग्रह में 9.20 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है, जबकि कुल नकद संग्रह में 10.60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो राष्ट्रीय औसत 6.40 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

पूर्व मध्य रेल लगातार दूसरे वर्ष 200 मिलियन टन से ज्यादा माल लदान करने का गौरव हासिल कियाःमहाप्रबंधक छत्रसाल सिंह

– माल ढुलाई के क्षेत्र में भारतीय रेल के 04 प्रथम क्षेत्रीय रेल में शामिल होने का गौरव हासिल किया

– माल लदान एवं यात्री यातायात से प्राप्त आय को मिलाकर पूर्व मध्य रेल को कुल 30 हजार 330 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ

– महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पूर्व मध्य रेल की उपलब्धियों पर मीडिया को दी जानकारी

पटना, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों एवं निकट भविष्य में पूरे किए जाने वाले परियोजनाओं का विस्तारपूर्वक जानकारी दी। शुक्रवार दिनांक 03 अप्रैल को पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा, पटना में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवाददाता को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि पूर्व मध्य रेल माल ढुलाई के क्षेत्र में रिकॉर्ड कायम करते हुए समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 203.42 मिलियन टन माल ढुलाई कर माल ढुलाई के क्षेत्र में भारतीय रेल के 04 प्रथम क्षेत्रीय रेल में शामिल होने का गौरव हासिल किया है। ज्ञातव्य हो कि पूर्व मध्य रेल लगातार दूसरे वर्ष 200 मिलियन टन से ज्यादा माल लदान करने का गौरव हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी पूर्व मध्य रेल द्वारा 202.63 मीलियन टन माल लदान की गयी थी। विदित हो कि एक ओर जहां पूर्व मध्य रेल का धनबाद मंडल माल लदान के क्षेत्र में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय रेल के समस्त मंडलों में प्रथम स्थान पर रहा वहीं दूसरी ओर माल अनलोडिंग के क्षेत्र में समस्तीपुर मंडल भारतीय रेल के समस्त मंडलों में प्रथम स्थान पर रहा। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्व मध्य रेल द्वारा कई कदम उठाए गए हैं । इनमें बिहार के सुदूर इलाकों तक रेल सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से कोसी क्षेत्र के लौकहा बाजार, ललितग्राम, राघोपुर जैसे रिमोट एरिया के स्टेशनों से देश की राजधानी एवं बिहार की राजधानी के लिए पहली बार रेल सेवा प्रारंभ की गयी है। इसके साथ ही हसनपुर रोड, पूर्णिया कोर्ट आदि स्टेशनों से दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया गया है। इससे इन क्षेत्रों के साथ ही नेपाल के लोगों को भी लाभ मिल रहा है। पूर्व मध्य रेल अपने क्षेत्र के हर कोने से रेल सेवा प्रारंभ करने के उद्देश्य से पिछले वर्ष आरा एवं राजगीर से कई ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया गया है। साथ ही धनबाद स्टेशन से भी मुंबई, दिल्ली, चंडीगढ, भुवनेश्वर, कोयंबटूर आदि शहरों के लिए सीधी रेल सेवा प्रारंभ की गयी है। पूर्व मध्य रेल वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से कुल 45 जोड़ी नई ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया गया जिनमें 17 जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस, 02 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, 01 जोड़ी नमो भारत एक्सप्रेस तथा 25 जोड़ी नई मेल/एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। इसके साथ ही 20 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन विस्तार बिहार के रिमोट एरिया के विभिन्न स्टेशनों तक किया गया। ग्रीष्मकालीन अवकाश, दशहरा पूजा, दीपावली, छठ एवं होली जैसे अवसरों पर स्पेशल ट्रेनों द्वारा 14,559 फेरे लगाए गए। इससे त्योहारों के दौरान लोगों को बिहार आने एवं त्योहारों के उपरांत अपने-अपने कार्य स्थल पर जाने में काफी सुविधा हुई है जिसका आम लोगों द्वारा काफी स्वागत भी किया गया है। लंबे समय से लंबित जनआकांक्षाओं को पूरा करते हुए पूर्व मध्य रेल द्वारा कई ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर कुल 313 ठहराव प्रदान किए गए हैं। 16 आईसीएफ रेकों को एलएचबी रेकों में परिवर्तित किया गया है जिससे संरक्षा एवं स्पीड में बढ़ोत्तरी हुई है।

पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु उठाए गए इन कदमों के फलस्वरूप यात्री संख्या में लगातार पिछले दो वर्षों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गयी है। जहां 2024-25 के दौरान 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23.09 करोड़ यात्रियों ने पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से यात्रा की वहीं 2025-26 के दौरान 5.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25.3 करोड़ यात्रियों ने रेल यात्रा की । इससे पूर्व मध्य रेल को यात्री यातायात से अबतक का सर्वाधिक राजस्व लगभग 07 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 05 हजार करोड़ हो गया है। इसी तरह कैटरिंग रेवेन्यू में 88.31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91.50 करोड़ रुपए तथा सैंड्री रेवेन्यू में 19.58 प्रतिशत के साथ 401.50 करोड़ रुपए रहा। टिकट चेकिंग से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू में भी 22.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए टिकट चेकिंग से 232.61 करोड रुपये प्राप्त हुए जो भारतीय रेल के सभी क्षेत्रीय रेलों में तीसरा सबसे ज्यादा टिकट चेकिंग से प्राप्त होने वाला रेवेन्यू है। उन्होंने कहा कि माल लदान एवं यात्री यातायात से प्राप्त आय को मिलाकर पूर्व मध्य रेल को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 30 हजार 330 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है जो भारतीय रेल के सभी क्षेत्रीय रेलों में तीसरा सर्वाधिक राजस्व है। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिशन रफ्तार के तहत दिल्ली-हावड़ा रूट पर 160 किमी प्रतिघंटे की गति से ट्रेनों के परिचालन किया जाना है। इसी क्रम में पूर्व मध्य रेल दिल्ली-हावड़ा रूट के डीडीयू से प्रधानखांटा तक पिछले वर्ष 160 किमी प्रतिघंटे की गति से एवं इस वर्ष 180 किमी प्रतिघंटे की गति से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल किया गया है। डीडीयू-प्रधानखांटा रेलखंड के 294 किमी रेलखंड पर कवच लगाने की प्रक्रिया काफी तीव्र गति से जारी है तथा 93.3 किमी लंबे मानपुर-सरमाटांडा रेलखंड पर कवच द्वारा ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ भी कर दिया गया है। विदित हो कि पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों के कुल 4232 किमी पर कवच लगाने की स्वीकृति मिल चुकी है तथा 1526 किमी पर कवच लगाने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-झाझा के मध्य लगभग 400 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेल लाईन का निर्माण किया जाना है जिसमें वर्तमान में डीडीयू से किउल तक तीसरी और चौथी रेल लाईन जबकि किउल से झाझा तक तीसरी रेल लाईन का निर्माण किया जाना है। इस पूरी परियोजना को कई हिस्सों में बांटा गया है तथा रेलवे बोर्ड द्वारा चरणबद्ध तरीके से इसकी स्वीकृति प्रदान की जा रही है। निर्माण कार्य सुगमतापूर्वक तेजी से पूरा करने के लिए इसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-दानापुर, दानापुर-फतुहा, फतुहा-बख्तियारपुर, बख्तियारपुर-पुनारख, पुनारख-किऊल तथा किऊल- झाझा जैसे छोटे-छोटे रेलखंडों में बांटा गया है। विदित हो कि प्रथम चरण में फतुहा से बख्तियारपुर (24 किमी), बख्तियारपुर से पुनारख (30 किमी) तथा पुनारख से किऊल (50 किमी) की स्वीकृति रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान कर दी है। शेष रेलखंडों की स्वीकृति विभिन्न स्तर पर प्रक्रियाधीन है। मोकामा में गंगा नदी पर राजेन्द्र पुल के समानांतर एक दोहरी लाइन वाली नए पुल का निर्माण किया जा रहा है जिसका कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा जून के मध्य तक इस पर परिचालन प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके चालू हो जाने से दानापुर और सोनपुर मंडलों में रेल परिचालन में अत्याधिक सुधार होगा। साथ ही झाझा-डीडीयू मेन लाइन से इस पुल को जोड़ने के लिए झाझा एवं पटना छोर की दोनों तरफ आरओआर का निर्माण किया गया है जिससे मेन लाइन पर भी ट्रेनों के परिचालन में सुधार आएगा क्योंकि अब मेन लाइन से उत्तर बिहार जाने/आने वाली पैसेंजर या मालगाडियां मेन लाइन को बिना बाधित किए हुए आरओआर से अपने गंतव्य को चली जाएंगी। इस प्रकार इस नए पुल के साथ आरओरआर के के चालू हो जाने से ट्रेनों के परिचालन में काफी सुधार आएगा जो भविष्य में परिचालन की दिशा में एक गेम चेंजर साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

ममता की बढ़ेगी चिंता, भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

एआईएमआईएम ने शुक्रवार को अपनी पहली सूची जारी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने की पहल, 30 चाय बागान श्रमिकों का समूह अयोध्या और काशी के दौरे के लिए रवाना

डिब्रूगढ़,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 1 अप्रैल 2026 को डिब्रूगढ़ के मनोहरी चाय बागान के दौरे के बाद, 30 चाय बागान श्रमिकों का समूह अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर और वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की तीर्थयात्रा पर निकल पड़ा है। इस पहल के बारे में स्वर्गीय झबरमल लोहिया चैरिटेबल ट्रस्ट के न्यासी राजन लोहिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चाहते थे कि चाय बागान श्रमिक देश के अन्य हिस्सों का दौर करे। इस पहल के तहत, 30 चाय बागान श्रमिक अयोध्या और काशी के लिए रवाना हो रहे हैं। यह घटना प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान का दौरा करने, श्रमिकों से बातचीत करने और चुनाव वाले राज्य में चाय की पत्तियां तोड़ने के कुछ ही दिनों बाद हुईः है। डिब्रूगढ़ में श्रमिकों से बातचीत के बाद, पीएम मोदी ने चाय बागान श्रमिकों की कड़ी मेहनत और योगदान की सराहना करते हुए चाय को असम की आत्मा बताया। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हमें प्रत्येक चाय बागान परिवार के प्रयासों पर बहुत गर्व है। उनकी कड़ी मेहनत और लगन ने असम के गौरव को बढ़ाया है। डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान से कुछ और झलकियाँ यहाँ प्रस्तुत हैं।

पोस्ट में लिखा था कि चाय असम की आत्मा है! यहाँ की चाय पूरी दुनिया में पहुँच चुकी है। आज सुबह मैं डिब्रूगढ़ में चाय बागान गया और वहाँ काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बेहद यादगार अनुभव था। प्रधानमंत्री मोदी ने अन्य पोस्ट में लिखा कि चाय की पत्तियाँ तोड़ने के बाद महिलाओं ने अपनी संस्कृति के बारे में बताया और हाँ, हम लोगों ने एक सेल्फी भी ली!

उपराज्यपाल सिन्हा ने अरहामा में हुई मुठभेड़ की निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले के अरहामा में हुई मुठभेड़ की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। यह कदम तब उठाया गया जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफती सहित कई नेताओं ने घटना पर सवाल उठाए। उपराज्यपाल ने कहा कि जांच के जरिए सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी और न्याय सुनिश्चित होगा। घटना 1 अप्रैल 2026 की रात हुई, जब अरहामा गांव में संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर सेना और पुलिस ने संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया। सेना ने बताया कि जवानों पर गोलीबारी हुई और जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया। मृतक राशिद अहमद मुगल के परिजनों ने दावा किया कि उसका आतंकवाद से कोई संबंध नहीं था और वह स्थानीय ग्रामीणों की सरकारी योजनाओं व बैंक ऋण में मदद करता था। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने जांच की पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया पर जोर दिया, ताकि सभी तथ्य सार्वजनिक हों और विश्वसनीयता बनी रहे। उपराज्यपाल के आदेश के बाद जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने जिलाधिकारी को सात दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया। गांदरबल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खलील अहमद पोसवाल सहित 82 अधिकारियों का तबादला किया। सेवानिवृत्त होने वाले पोसवाल को 12वीं इंडिया रिजर्व बटालियन में कमांडेंट नियुक्त किया गया, जबकि 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधांशु धामा को गांदरबल का नया एसएसपी बनाया गया।

राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाने पर सीएम मान ने कहा, पार्टी से बगावत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जरुरी

चंडीगढ़,(ईएमएस)। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाने के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पार्टी लाइन से बाहर जाने वाले सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होना चाहिए। मुख्यमंत्री मान ने स्पष्ट किया कि चड्ढा को उच्च सदन में उनके पद से हटाना पार्टी की नियमित प्रक्रिया है। इसके पहले, आम आदमी पार्टी के नेता अनुराग ढांडा ने चड्ढा की बर्खास्तगी पर की गई टिप्पणी का जवाब दिया। आप नेता ढांडा ने दावा किया कि चड्ढा कई वर्षों से डरे हुए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलने से घबराते हैं। ढांडा ने कहा कि पार्टी के पास संसद में बोलने के लिए सीमित समय है, जिसका उपयोग या देश को बचाने के लिए किया जा सकता है या फिर 'हवाई अड्डे पर समोसे सस्ते करने' की मांग उठाने के लिए हो सकता है। ढांडा ने आरोप लगाया कि चड्ढा ने संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध करने वाले आप के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इंकार किया और जब गुजरात पुलिस ने आम आदमी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया, तब वह चुप रहे। पार्टी के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर चड्ढा ने पोस्ट में अपनी बर्खास्तगी पर बात कर कहा कि संसद में उनकी चुप्पी को हार नहीं समझा जाना चाहिए।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

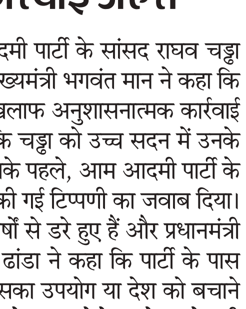

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुनः बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलपति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बावू को कोलाथुर से उतारा गया है। बावू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है। चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़ डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है। पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

सुपरस्टार से राजनीतिक नेता बनने की प्रक्रिया में विजय ने युवा मतदाताओं और विभिन्न समुदायों का ध्यान आकर्षित किया है। चेन्नई उत्तर न केवल टीवीके के लिए अपनी ताकत आज़माने का मैदान है, बल्कि यह पार्टी की व्यापक स्वीकार्यता और राजनीतिक उभर का प्रतीक भी बन सकता है। डीएमके और एआईएडीएमके दोनों के लिए यह चुनौती नई है, क्योंकि अब सत्ता विरोधी लहर के बजाय एक करिश्माई और सक्रिय नेता के खिलाफ सीधी लड़ाई हो रही है। इस चुनावी रणनीति से विजय ने साबित किया है कि वे केवल अभिनेता नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव लाने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस तरह, टीवीके की चेन्नई में रणनीति और थलपथि विजय की लोकप्रियता आगामी विधानसभा चुनावों में डीएमके की बढ़त को चुनौती दे सकती है, और राज्य की राजनीतिक तस्वीर को पूरी तरह बदलने की संभावना रखती है।

बंगाल में कैसे ममता दीदी की "नॉन वेज पॉलिटिक्स" में फंस गई बीजेपी

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की "नॉन-वेज पॉलिटिक्स" ने बीजेपी को चुनावी मोर्चे पर फंसाया है। बीजेपी को मांसाहार के मुद्दे पर बचाव की मुद्रा अपनानी पड़ी, और स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि उनके उम्मीदवार हाथों में मछली लेकर वोट मांगते नजर आए। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि अगले मुख्यमंत्री का खान-पान मांसाहारी ही होगा, ताकि ममता बनर्जी के हमलों को न्यूनतम किया जा सके। बंगाल में यह बहस बिहार सरकार के आदेश से शुरू हुई, जिसमें डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने मांस और मछली की खुले में बिक्री पर पाबंदी लगाई। तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला करने का मौका मान लिया। ममता ने रैलियों में चेतावनी दी कि बीजेपी सत्ता में आएगी, तब मछली, मांस और अंडे खाने पर प्रतिबंध लगेगा, और बंगाली पहचान खतरे में होगी। उन्होंने कहा, "ये लोग आपको मछली नहीं खाने देने वाले और बांग्लादेशी घोषित कर देने वाले है। बीजेपी को अपने उत्तर भारतीय शाकाहारी समर्थकों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मानकों के बीच संतुलन बनाना कठिन हुआ। उत्तर भारत में शाकाहारी होने का सामाजिक दबाव रहता है, जबकि बंगाल में मतदाता अधिकतर मांसाहारी हैं। इसकारण बंगाल में बीजेपी ने डिफेंसिव पोजिशन अपनाई और स्थानीय नेताओं को मांसाहारी होने का उदाहरण देना पड़ा। बीजेपी की स्थानीय रणनीति में शारद्वत मुखर्जी जैसे उम्मीदवार घर-घर जाकर हाथ में मछली लेकर प्रचार करते नजर आए, वहीं समिक भट्टाचार्य, स्वप्न दासगुप्ता और रुद्रनील घोष को मछली खाते हुए मीडिया में दिखाया गया। इसका मकसद था लोगों को यह विश्वास दिलाना कि बीजेपी बंगाली संस्कृति और खान-पान की स्वतंत्रता का सम्मान करती है। बीजेपी नेताओं की रणनीति ने विरोधी दलों के आरोपों का जवाब दिया, लेकिन पार्टी की राष्ट्रीय छवि में असंगति उजागर हो गई। उत्तर भारत में शाकाहारी एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रचार करती बीजेपी बंगाल में मांसाहार के समर्थन में आ गई, जिससे विरोधियों ने इसे वोट बैंक और चुनावी रणनीति के रूप में पेश किया। इस बीच, ममता बनर्जी की "नॉन-वेज पॉलिटिक्स" ने चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया। टीएमसी ने अपने कार्यकर्ताओं को बीजेपी परिवर्तन यात्रा में चाय और अंडे के साथ स्वागत करने का निर्देश दिया, ताकि स्थानीय लोगों में बीजेपी की असहमति और आलोचना का प्रभाव बढ़ाया जा सके। कुल मिलाकर, मांस-मछली का विवाद पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। उत्तर भारतीय शाकाहारी समर्थन और बंगाली मांसाहारी मतदाताओं के बीच संतुलन बनाना पार्टी के लिए कठिन साबित हो रहा है, जबकि ममता बनर्जी ने इसे अपने चुनावी लाभ में बदल दिया। इस विवाद ने यह स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में सांस्कृतिक और खान-पान के मुद्दे राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुके हैं। यहां तक कि केंद्रीय नेताओं के बयान और स्थानीय प्रचार के प्रयासों के बावजूद, बीजेपी बंगाल में अपने आप को लगातार डिफेंसिव स्थिति में पाती रही, जिससे ममता बनर्जी की चुनावी छवि और मजबूत हुई।

भारत ने संकट में इन अफ्रीकी देशों को भेजा कई मैट्रिक टन चावल

ये देश सोना और हीरे के बड़े उत्पादक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की रणनीतिक कूटनीति और अफ्रीका में बढ़ती भूमिका को दिखाती एक खबर सामने आई है। वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत ने अपनी आर्थिक और भौगोलिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अफ्रीकी देशों के साथ मजबूत गठजोड़ किया है। इसी कड़ी में भारत ने बुर्कीना फासो को 10 लाख किलो यानी 1000 मैट्रिक टन चावल भेजा। बुर्कीना फासो अफ्रीका का एक ऐसा देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था हालिया प्राकृतिक संकटों और अस्थिरता के कारण कमजोर हुई थी, लेकिन इसके पास खनिज संपदा विशेषकर सोने के बड़े भंडार हैं। भारत ने मानवीय और रणनीतिक दृष्टि से बुर्कीना फासो को चावल भेजकर सहयोगी के रूप में मजबूत संबंध बनाए।

बुर्कीना फासो ने पहले ही भारत को सोना बेचता आया है, लेकिन हालिया मदद के बाद यह सहयोग और भी लाभकारी हो सकता है। सोना वैश्विक स्तर पर सुरक्षित निवेश और मुद्रा की तरह काम करता है। भारत का यह कदम केवल मानवीय सहायता नहीं है, बल्कि भविष्य की रणनीतिक सुरक्षा और आर्थिक लाभ के लिए भी महत्वपूर्ण है। बुर्कीना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम त्रावरे का रूस और अन्य वैश्विक नेताओं के साथ भी संबंध है, जो भारत के लिए भू-राजनीतिक लाभ को और बढ़ाता है। भारत ने अफ्रीका में अपनी बढ़ती भूमिका को और मजबूत किया है। पहले जब एलपीजी संकट हुआ, तब अंगोला ने भारत को एलपीजी आपूर्ति करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, नाइजीरिया ने पेट्रोल संकट के समय भारत को तेल उपलब्ध कराया। यह दिखाता है कि अफ्रीकी देशों के साथ मजबूत साझेदारी भारत के लिए भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद साबित हो रही है। बुर्कीना फासो को चावल भेजने से पहले भारत ने सियरा लियोन को भी 10 लाख किलो चावल मदद के रूप में दिया।

सियरा लियोन हीरे का बड़ा उत्पादक देश है और भारत का डायमंड सेक्टर, विशेषकर सूरत से, वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा निर्यातक है। इससे करोड़ों भारतीयों को रोजगार मिलता है। भारत द्वारा हीरे और सोने के इन देशों को मदद देने का उद्देश्य केवल मानवीय नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक हितों को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब कांग्रेस के युवा नेता खुशबाज सिंह जटाना और उनके ड्राइवर की मौत

खड़ी एसयूवी को तेज रफ्तार ट्रक ने ज़ोरदार टक्कर मारी

चंडीगढ़,(ईएमएस)। पंजाब से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। हरियाणा के सोनीपत जिले में कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में पंजाब कांग्रेस के दिग्गज युवा नेता खुशबाज सिंह जटाना और उनके ड्राइवर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उनकी खड़ी एसयूवी में ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस घटना में उनके ड्राइवर परमिंदर सिंह की मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेसवे पर हुआ, जब एसयूवी का एक टायर पंक्चर हो गया था और टायर ठीक करने के लिए गाड़ी रोकी गई थी। तभी पीछे से आ रहे एक तेज़ रफ़्तार ट्रक ने गाड़ी को ज़ोरदार टक्कर मार दी। 45 साल के जटाना ने 2017 और 2022 में तलवंडी साबो से पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वह बठिंडा ग्रामीण में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जटाना और उनके ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके गनमैन को चोटें आई हैं और जिसका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल में रखा गया है। कुंडली थाना प्रभारी ने बताया, हमें कांग्रेस नेता जटाना की गाड़ी के बारे में जानकारी मिली। गाड़ी में जटाना, उनके ड्राइवर और गनमैन सवार थे। बताया गया कि जब वे टायर बदल रहे थे, तभी एक अज्ञात ट्रक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में खुशबाज़ जटाना और उनके ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि गनमैन घायल हो गया और उसका इलाज चल रहा है। वे दिल्ली से बठिंडा जा रहे थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। हम जल्द ही ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार करने वाले है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने बताया कि गाड़ी की पहचान हुई है और आरोपी को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

ईरान से 6 लाख बैरल तेल लेकर आ रहा पिंग शुन जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ा

अभी तक साफ नहीं है किस भारतीय रिफाइनरी ने यह कार्गो खरीदा था

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान से करीब 600,000 बैरल कच्चे तेल की खेप लेकर आ रहा जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ गया। ये जहाज गुरुवार रात तक अरब सागर में भारत के रास्ते पर था लेकिन अब ये चीन की तरफ मुड़ गया है। इस जहाज का नाम पिंग शुन है और इसके गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद थी। तेल बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसी ने इस कच्चे तेल के जहाज के भारत से चीन की तरफ रास्ता बदलने की पुष्टि की है।

वैश्विक व्यापार डेटा इंटेलिजेंस में रिफाइनरी और तेल बाजारों की मॉडलिंग के मैनेजर ने शुक्रवार को बताया है कि एक ईरानी कच्चे तेल का जहाज पिंग शुन जो पिछले तीन दिनों से भारत के वाडिनार की तरफ जा रहा था उसने अपने मंजिल के करीब पहुंचने से ठीक पहले अपना रास्ता बदल लिया और चीन की तरफ मुड़ गया। उन्होंने बाजार के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि चीन की तरफ जहाज के मुड़ने के पीछे ईरानी तेल को लेकर पेमेंट की शर्तों में आया बदलाव है।

कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट कांड में खुल गई कुंडली

रोहित बेहोश तो अली करता था सर्जरी, गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियन राजेश और कुलदीप ने पुलिस पूछताछ में खोले राज

कानपुर,(ईएमएस)। कानपुर में सामने आए किडनी ट्रांसप्लांट कांड में अब एक-एक कर ऐसे राज खुल रहे हैं जो हैरान कर रहे हैं। गाजियाबाद से गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियन राजेश कुमार और उसके साथी कुलदीप से पूछताछ में पुलिस को इस पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली। दोनों ने बताया कि यह कोई एक-दो लोगों का काम नहीं था, पूरी तरह संगठित टीम इसमें शामिल थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि एक डॉक्टर, जिसे वे 'डॉ. रोहित' के नाम से जानते थे, एनेस्थीसिया का काम संभालता था यानी मरीज को बेहोश करना उसकी जिम्मेदारी थी। इसके बाद दिल्ली के द्वारका से आने वाला एक अन्य डॉक्टर 'डॉ. अली' सर्जरी करता था। पूरी टीम तय समय पर पहुंचती, ऑपरेशन करती और फिर अलग-अलग गाड़ियों से रवाना होती थी। एक गाड़ी गाजियाबाद की ओर जाती, तो दूसरी लखनऊ के लिए निकलती। इस तरीके से उनकी ट्रैकिंग करना पुलिस के लिए मुश्किल था।

राजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि करीब तीन साल पहले उसकी मुलाकात डॉ. रोहित से एक मेडिकल सेमिनार में हुई थी1 वहीं से इस नेटवर्क की शुरुआत मानी जा रही है। राजेश की तकनीकी समझ और काम करने के तरीके से प्रभावित होकर रोहित ने उसे अपने साथ काम करने का प्रस्ताव दिया। धीरे-धीरे कुलदीप सिंह राघव भी इस चेन में जुड़ गया और फिर यह पूरा नेटवर्क सक्रिय हो गया। राजेश के मुताबिक जनवरी से अब तक पांच किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा उस अस्पताल को लेकर हुआ, जहां ऑपरेशन किए जाते थे।

जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन शुरू होने से ठीक पहले अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते थे। इससे साफ है कि इस नेटवर्क ने पहले से ही हर कदम की प्लानिंग कर रखी थी, ताकि कोई सबूत न बचे। पुलिस ने जब उन टैक्सी ड्राइवरों से पूछताछ की, जो डॉक्टरों को लाते-ले जाते थे, तो एक और चौंकाने वाली बात सामने आई। ड्राइवरों ने बताया कि डॉक्टर अपने चेहरे को इस तरह ढक लेते थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। गाजियाबाद जाने वाली गाड़ी का किराया नकद दिया जाता था, जिससे उसकी ट्रैकिंग मुश्किल हो जाती थी।

संपादकीय

ईरान ने सारी दुनिया को बताई अपनी ताकत

ईरान ने यूएई में स्थापित अमेजॉन का सर्विस डाटा सेंटर चेतावनी देने के दूसरे दिन ही उड़ा दिया। ईरान ने यह हमला ड्रोन से किया था, जो बिल्कुल सटीक था। इसमें कंपनी को काफी नुकसान हुआ। सरवर नष्ट हो जाने के कारण कंपनी की सारी सेवाएं प्रभावित हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में घोषणा कर चुके हैं कि वह युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से ईरान के ऊपर हमले हो रहे हैं उसको लेकर ईरान ने काफी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। जहां-जहां पर अमेरिकी सेवाएं संचालित हो रही हैं वहां-वहां पर ईरान ड्रोन से हमले कर रहा है। ईरान की इस कार्यवाही से सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान का शाहिद नामक ड्रोन इस समय चर्चाओं में है। इस ड्रोन को लेकर सारी दुनिया के देशों में जिज्ञासा बनी हुई है। इसने वेब सेंटर में घुसकर जिस तरह से सटीक निशाने पर हमला किया वह आश्चर्यजनक था। ईरान अब खुलकर चेतावनी देकर जिस तरह से हमले कर रहा है उसके सामने अमेरिका और इजरायल का सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। सारी दुनिया के देशों में तेल संकट के साथ-साथ अब खाद्य संकट की भी चर्चा हो रही है। करीब 96 देश अभी तेल संकट से जूझ रहे हैं। जो खबरें आ रही हैं उसमें 125 से अधिक देशों में हार्मोज से जहाजों की आवाजाही में रुकावट से जो संकट पैदा हुआ है उससे अब तेल के साथ-साथ खाद्य संकट भी देखने को मिल रहा है। रही सही कसर जिस तरह से ईरान अमेरिकी कंपनियों पर हमला कर रहा है उससे खाड़ी देशों के साथ-साथ अन्य देशों को भी उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिस तरह के समाचार आ रहे हैं उसमें 100 से अधिक देश अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण बुरी तरह से परेशान हैं। अमेरिका और इजरायल ने अपनी सभी शक्तियों का प्रदर्शन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बी-2 बंबर से सेकड़ों स्थानों पर हमला करके ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। अब ईरान खुलकर इसका बदला ले रहा है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल जिस तरह से सटीक निशाना लगाकर खाडी के देशों में अमेरिका और इजरायल के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब उनके महत्वपूर्ण कारोबार को नष्ट कर रहे हैं इसके कारण सारी दुनिया के देशों में एक नई दहशत फैल गई है। ईरान ने जिस तरह से अमेरिका के संचार माध्यमों को नष्ट किया है तथा जिस तरह से ईरान हमले करके तकनीकी आधार पर अमेरिका और इजरायल को धता बता रहा है उससे सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान की तकनीकी जिस तरह से इजरायल और अमेरिका का मुकाबला करते हुए जो ईरानी नवीन प्रयोग हो रहे हैं उससे सबसे ज्यादा परेशानी टेक कंपनियों को हो रही है। उनके सुरक्षित कंप्यूटर नेटवर्क को हैक करते हुए ईरान द्वारा हमले किए जा रहे हैं, जिसके कारण ईरान का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है जिस तरह से ईरान ने अब सरवर और इंटरनेट के जरिए सेवाओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया है उसके कारण सभी देशों की परेशानी बढ़ती चली जा रही है। वर्तमान में बैंकिंग एवं अन्य सेवाएं इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। एक बहुत बड़ा डाटा सर्वर से जुड़ा हुआ है। यदि उसमें कोई खराबी आती है तो करोड़ों लोगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। ईरान ने पिछले एक माह में जिस तरह से इस युद्ध को लड़ा है उसने सारी दुनिया के देश हैरानी में हैं। ईरान के सस्ते ड्रोन और मिसाइलें अत्याधुनिक संचार माध्यमों से लैस स्थलों को जिस तरह से वह अपने निशाने पर लेकर नुकसान पहुंचा रहे हैं उसने पूरी दुनिया के युद्ध समीकरण को बदल दिया है। तकनीकी क्षेत्र में इजराइल और अमेरिका को चुनौती, ईरान द्वारा दी जा रही है। इसकी कल्पना भी इस युद्ध के पहले किसी देश ने नहीं की थी। पिछले एक माह में ईरान ने जिस तरह से वैश्विक राजनीति और सोच को परिवर्तित किया है उसके बाद ऐसा लगता है सारी दुनिया में अब नए समीकरण बनना शुरू हो गए हैं। इसमें अमेरिका अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। हार्मोज को खुलवाने के लिए भारत, फ्रांस, ब्रिटेन इत्यादि लगभग 45 देश जिस तरह से ईरान के साथ बात कर रहे हैं उससे एक बात स्पष्ट है भविष्य में अमेरिका का जो एकाधिकार था वह अब नहीं रहेगा। अमेरिका और इजरायल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु के खिलाफ जनता सड़कों पर आ रही है, यूरोप और नाटो देश जिस तरह से अमेरिका से दूरियां बना रहे हैं, ईरान के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ रही हैं। ऐसी स्थिति में अभी तक अमेरिका का जो वर्चस्व सारी दुनिया में था, वह वर्चस्व अब समाप्त होते हुए दिख रहा है। ईरान भी एक प्रमुख राष्ट्र के रूप में अपनी जगह बनाता हुआ नजर आ रहा है।

ट्रंप की मज़बूर एग्जिट चाल, ईरान का भीषण प्रहार और इज़रायल की अग्निपरीक्षा

दिलीप कुमार पाठक

आज मध्य-पूर्व के तपते और बारूद की गंध से भरे रेगिस्तान में इतिहास की सबसे खतरनाक पटकथा लिखी जा रही है और दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ अमेरिका जैसी महाशक्ति की हेकड़ी ईरान के फौलादी इरादों के सामने पस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो व्हाइट हाउस की कुर्सी संभालते ही ईरान को पत्थर युग में भेजने की गर्जना कर रहे थे, आज उसी ईरान की अभूतपूर्व सैन्य दृढ़ता और अचूक मिसाइल तकनीक के सामने खुद को बुरी तरह फंसा हुआ पा रहे हैं। ट्रंप का हालिया और चौंकाने वाला बयान, जिसमें उन्होंने अगले 2 से 3 हफ्तों के भीतर ईरान से अपनी सेना को बाहर निकालने की बात कही है, दरअसल कोई सोची-समझी कूटनीतिक जीत नहीं बल्कि एक हारी हुई बाजी से सुरक्षित निकलने की छटपटाहट है क्योंकि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी अब ईरान के आत्मसम्मान और उसकी मज़बूत सैन्य घेराबंदी के सामने धराशायी हो चुकी है। ट्रंप जो खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डील मेकर कहते थे, आज ईरान की शर्तों के सामने बेबस और लाचार नज़र आ रहे हैं और उनकी शांति की बात दरअसल उनकी अपनी सैन्य विफलता और रणनीतिक हार को छिपाने का एक पारदर्शी पर्दा मात्र है। वे भली-भांति जानते हैं कि अगर वे अब इस युद्ध के मैदान से बाहर नहीं निकले, तो अमेरिका को एक ऐसे क्षेत्रीय महायुद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी तबाही की आंच सीधे वाशिंगटन की दहलीज तक पहुँचेगी, क्योंकि ईरान ने साफ़ कर दिया है कि मध्य-पूर्व अब अमेरिका की जागीर नहीं है। ईरान का पक्ष आज इस संघर्ष में एक अजेय विजेता की तरह उभरा है जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि वह अब केवल रक्षात्मक मुद्रा में नहीं रहेगा बल्कि आक्रामक रक्षा की नीति अपनाते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह करेगा। हाल ही में तेल अवीव की अभेद्य कही जाने वाली सुरक्षा दीवारों को भेदती ईरानी मिसाइलों और जॉर्डन स्थित अमेरिकी अड्डों पर हुए अचूक हमलों ने यह साबित कर दिया है कि ईरान की सैन्य शक्ति को कम आंकना ट्रंप की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल थी। ईरान ने न केवल अमेरिकी धमकियों को कूड़ेदान में डाल दिया है बल्कि अपनी सैन्य श्रेष्ठता के दम पर युद्ध का भूगोल बदलने की ऐसी चुनौती दी है जिससे ट्रंप अंतरराष्ट्रीय मंच पर पूरी तरह अलग-थलग और लाचार पड़ गए हैं। इस बीच, ट्रंप के पीछे हटने के फैसले ने मध्य-पूर्व की बिसात पर एक ऐसा पावर वैक्यूम पैदा कर दिया है जिसे भरने के लिए रूस और चीन भूखे भेड़ियों की तरह घात लगाकर बैठे हैं और जैसे ही अमेरिकी सेना के कदम पीछे हटेंगे, पुतिन अपनी सैन्य साख और शी जिनपिंग अपनी असीमित आर्थिक शक्ति के ज़रिए इस तेल-समृद्ध क्षेत्र को पूरी तरह अपने प्रभाव में ले लेंगे।

ट्रंप की यह एग्जिट चीन के लिए वह सुनहरा रास्ता खोल रही है जहाँ वह बिना एक भी गोली चलाए मध्य-पूर्व का नया आर्थिक और रणनीतिक महाबली बनकर उभरेगा, जो सीधे तौर पर अमेरिकी वैश्विक वर्चस्व के अंत का औपचारिक एलान होगा। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज़्यादा बेचैनी, गुस्सा और असुरक्षा इज़रायल के खेमे में दिखाई दे रही है, जिसके लिए ट्रंप का यह एग्जिट प्लान किसी बड़े कूटनीतिक विश्वासघात और सीधे तौर पर मौत के वारंट से कम नहीं है क्योंकि इज़रायल का स्पष्ट मानना है कि अमेरिका का पीछे हटना ईरान को पूरे क्षेत्र का बेताज और अनियंत्रित बादशाह बना देगा।

इज़रायल आज खुद को इस युद्ध में ठगा हुआ और अकेला महसूस कर रहा है और उसने अपने सैन्य बजट में $10 बिलियन की जो ऐतिहासिक और भारी वृद्धि की है, वह दुनिया को यह जताने के लिए काफी है कि वह अब अकेले ही इस महायुद्ध में उतरने को तैयार है।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है। पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं। आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ। ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। "स्वाइप संस्कृति" ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं। विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल "नागरिक देवो भव" की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है—जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विकसित भारत 2047" के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित "विकसित भारत 2047" केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए "निरंतर सीखना" अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी "कहीं भी,कभी भी" सीख सकते हैं। iGOT जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम-आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निर्माता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में "कर्मयोगी" का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - iGOT प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की "अंतिम मील डिलीवरी" मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।इसी उद्देश्य से 'कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट' और 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं।सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए।

कर्मयोगी साधना सप्ताह का "प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम" पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है।

आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।निरंतर सीखने, नवाचार और सेवा-भाव के आधार पर निर्मित यह सिविल सेवा न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहचान बना सकती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।यह पहल प्रशासनिक व्यवस्था में उस ऊर्जा और दृष्टि का संचार करती है, जो भारत को एक सक्षम,संवेदनशील और विश्व-स्तरीय राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

यदि इस मिशन की भावना को सही रूप में आत्मसात किया गया, तो भारत की सिविल सेवा न केवल दक्षता और पारदर्शिता का प्रतीक बनेगी,बल्कि मानवीय संवेदना और सेवा-भाव का भी वैश्विक आदर्श प्रस्तुत करेगी,ऐसे में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा ।

बड़ा बजट छोटा खर्च

भूपेन्द्र गुप्ता

- मध्य प्रदेश में विकास का भ्रम और हकीकत

मध्य प्रदेश में इन दिनों "रिकॉर्ड बजट" का शोर सेगुजर रहा है। सरकार 4.38 लाख करोड़ से अधिक के बजट को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। लेकिन इस चमकदार आंकड़े के पीछे एक ऐसी सच्चाई छिपी है, जिसे जानना और समझना हर नागरिक के लिए जरूरी है—सरकार अपने ही बजट का बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं कर पा रही।

यह केवल एक तकनीकी कमी नहीं, बल्कि शासन की गंभीर विफलता है।

बजट बढ़ाना आसान, खर्च करना कठिन

पिछले कुछ वर्षों में राज्य का बजट तेज़ी से बढ़ा है। 2022-23 में जहां बजट लगभग 2.24 लाख करोड़ रूपये था, वहीं 2025-26 में यह 4.38 लाख करोड़ रूपये तक पहुँच गया। यह वृद्धि पहली नजर में प्रभावशाली लगती है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह पैसा जनता तक पहुँच रहा है?

वास्तविकता यह है कि कई विभाग अपने आवंटित बजट का 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक खर्च ही नहीं कर पाते। यानी सरकार के पास पैसा है, लेकिन उसे उपयोग करने की क्षमता नहीं है।

विकास के नाम पर कटौती

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि पूंजीगत व्यय—यानी सड़क, सिंचाई, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं पर होने वाला खर्च—घट रहा है। 2024-25 में पूंजीगत व्यय 61,633 करोड़ रूपये प्रस्तावित किया गया था, जो पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान से लगभग 8 प्रतिशत कम है। यह वही खर्च है जो सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करता है। जब यही घटेगा, तो विकास की गति कैसे बढ़ेगी यह विचारणीय है?

आधा बजट वेतन और कर्ज में कैद

राज्य का लगभग 45 प्रतिशत राजस्व वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में चला जाता है। यानी सरकार का आधा खजाना पुराने दायित्वों में ही खत्म हो जाता है।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब हम राज्य के कर्ज को देखते हैं, जो 4.5 लाख करोड़ रूपये से अधिक हो चुका है—लगभग पूरे वार्षिक बजट के बराबर।

यह एक खतरनाक समीकरण है:
कर्ज बढ़ रहा है, लेकिन खर्च नहीं हो रहा।

घोषणाओं की राजनीति बनाम जमीन की हकीकत

सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 70,000 करोड़ रूपये और महिलाओं की योजनाओं के लिए 1.23 लाख करोड़ रूपये जैसी बड़ी घोषणाएँ करती है। लेकिन जब बजट खर्च ही नहीं हो पाता, तो ये घोषणाएँ कागज से बाहर नहीं निकल पातीं।

यह स्थिति बताती है कि प्राथमिकता विकास नहीं, बल्कि उसकी छवि बनाना है।

क्या यह जानना जरूरी नही कि जनता को क्या मिला?

इस "अनखर्चे बजट" का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है।अधूरी सड़कें और लटकी परियोजनाएँ,सिंचाई के अभाव में जूझते किसान, संसाधनों की कमी से जूझते अस्पताल,रोजगार के घटते अवसर इस विफलता के साक्षी हैं।

यह ध्रुव सत्य है कि सरकारी खर्च अर्थव्यवस्था को गति देता है। जब सरकार खुद खर्च नहीं करती, तो निजी निवेश भी धीमा पड़ जाता है। इसका असर पूरे राज्य की आर्थिक सेहत पर पड़ता है।

क्या यह वित्तीय अनुशासन है?

सरकार इस स्थिति को "वित्तीय अनुशासन" का नाम दे सकती है। लेकिन यह तर्क वास्तविकता से दूर है।

जरूरी योजनाओं पर खर्च न करना अनुशासन नहीं, बल्कि लापरवाही है।

जनता के लिए आवंटित धन को खर्च न करना बचत नहीं, बल्कि उनके अधिकारों का हनन है।

जवाबदेही का अभाव ही मूल जड़ है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है?

क्या किसी विभाग पर अब तक कार्रवाई हुई है?

क्या किसी अधिकारी को जवाबदेह ठहराया गया है?

क्या सरकार ने जनता को बताया कि उनका पैसा क्यों खर्च नहीं हुआ?

जब जवाब नहीं मिलते, तो यह साफ हो जाता है कि समस्या केवल क्षमता की नहीं, बल्कि जवाबदेही की भी है।

हमें यह समझना होगा कि आंकड़ों का जाल से विकास की सच्चाई जुदा है ?

मध्य प्रदेश आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ आंकड़े और वास्तविकता के बीच की दूरी खतरनाक रूप से बढ़ चुकी है।

बजट बढ़ाना आसान है, लेकिन उसे सही दिशा में खर्च करना ही असली शासन है।

जब तक सरकार अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट नहीं करती, प्रशासनिक क्षमता नहीं बढ़ाती और जवाबदेही तय नहीं करती—तब तक करोड़ों का बजट भी जनता के जीवन में बदलाव नहीं ला पाएगा।

और यह सवाल जीवित रह जायेगा कि क्या यह विकास है, या केवल विकास का भ्रम?

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, दोइज, शनिवासरे, स्वाति नक्षत्रे, हल योगे, गर करणे, तुला की चंद्रमा, सिद्ध योग, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी, लाभकारी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, अग्रसोची, बोलने में निपुण, लेखक, राजनेता, मंत्री, प्रसिद्ध-ख्याति प्राप्त व्यक्ति होगा, नीति निपुण, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल होगा।

मेष राशि :- तनाव व उदर रोग विकार, मित्र लाभ, राजभय तथा परिवारिक समस्या होगी।

वृष राशि :- अनुभव सुख, मंगल कार्य विरोध, मामले-मुकदमें में जीत की सम्भावना है।

मिथुन राशि :- कुसंगति से हानि, विरोधी भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में सावधान रहें।

कर्क राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि :- तनाव, विवाद से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकीय कार्य में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, कार्य प्रगति, स्थान में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि :- प्रगति, वाहन का भय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि :- माता से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय में सुधार होगा, आवश्यक कार्य बनें।

मकर राशि :- शुभ कार्य, वाहन आदि भय, रोग, धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- अभिष्ट सिद्धी, राजभय, कार्यबाधा, राजकार्य में कष्ट का अनुभव होगा।

मीन राशि :- अल्प हानि, रोग भय, सम्पर्क लाभ, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी होगी।

अब विवेक अग्निहोत्री बना रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' पर फिल्म

निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और निर्माता भूषण कुमार मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम की फिल्म बना रहे हैं। यह फिल्म पूर्व आर्मी चीफ केजेएस ढिल्लन की किताब ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान से प्रेरित है, जिसमें भारत की सीमाओं के भीतर और बाहर हुई महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाइयों का विवरण दिया गया है।

यह फिल्म आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े वास्तविक घटनाक्रमों पर आधारित होगी। विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि यह कहानी सिर्फ एक फिल्मी प्रस्तुति नहीं, बल्कि उन सच्चाइयों को सामने लाने का प्रयास है, जिन्हें आमतौर पर व्यापक रूप से नहीं जाना जाता। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उपमहाद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर आधारित है और इसमें उन पहलुओं को दिखाया जाएगा, जिन्होंने भारत की रणनीतिक सोच को नई दिशा दी। निर्देशक के अनुसार, फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों और उसके जवाब में की गई कार्रवाइयों पर केंद्रित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के विभिन्न विभागों के साथ गहन शोध किया गया है, ताकि घटनाओं को यथासंभव तथ्यात्मक और प्रामाणिक तरीके से दर्शाया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि सिनेमा के माध्यम से वास्तविक घटनाओं को स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना है। इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले किया जाएगा। हालांकि, फिल्म की कास्ट, शूटिंग शेड्यूल और रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों और फिल्म उद्योग में उत्सुकता बढ़ती जा रही है, खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय को छूती है।

विवेक अग्निहोत्री इससे पहले भी कई गंभीर और सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्में बना चुके हैं। उनकी चर्चित फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था और देशभर में व्यापक चर्चा का विषय बनी थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्म द बेंगाल फाइल्स भी सुर्खियों में है, जिसमें पश्चिम बंगाल से जुड़े मुद्दों

को दिखाया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए अग्निहोत्री एक बार फिर वास्तविक घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

लॉफिंग ज़ोन

पिता (पुत्र से)- बेटा दो बिस्तर क्यों लगाये हैं?

पुत्र (पिता से)- घर पर दो मेहमान आने वाले हैं।

पिता- कौन?

पुत्र- मम्मी का भाई और मेरा मामा।

पिता- फिर एक बिस्तर और लगा मेरा साला भी आ रहा है।

□ □ □

मां- मैं तो तंग हो गई हूं तुमसे। एक के बाद एक गलतियां करते रहते हो। कब सुधरोगे?

बेटा- सुधरने के लिए क्या करना होगा मां?

मां- मम्मी-पापा और टीचर की हर बात माननी होगी।

अगले दिन जब मां कमरे में आई तो बेटे पर नजर पड़ते ही गुस्से से चिल्ला उठी।

मां (डांटते हुए)- किताब के पन्ने क्यों खा रहे हो?

बेटा (मासूमियत से)- सुधरने के लिए मां। तुम्हीं ने तो कहा था सुधरने के लिए टीचर की बात माननी होगी। मैडम ने कहा है, खाते-पीते-सोते बस किताबों में ही लगे रहो। वही तो कर रहा हूं।

□ □ □

आज का इतिहास 4 अप्रैल

1783 वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए.

1858 हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से काल्पी और ग्वालियर गई.

1889 साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म.

1904 प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म.

1912 चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई.

1942 बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया.

1942 वाशिंगटन में उत्तर अटलांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा ने हस्ताक्षर किये.

1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया.

1964 आर्क बिशप मकारियोस ने यूनान, तुर्की और साइप्रस के बीच हुई संधी को रद्द कर दिया.

1984 प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा सोयूज टी-11 यान से अंतरिक्ष में गए.

1986 इसरायल ने राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव कुर्त वाल्दहीम से संबंधित फाइलों को देखने की मांग की.

1994 भारतीय उपग्रह स्त्रोससी-2-का श्रीहरिकोटा में सफल परीक्षण.

2005 राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का शुभारंभ.

सान्या मल्होत्रा , आदित्य रावल फिल्म 'सुंदर पूनम' में नजर आयेंगी

बॉलीवुड में इन दिनों मजबूत कंटेंट और नई कहानियों वाली फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दर्शक अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ऐसी फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ सकें। इसी ट्रेंड के बीच सान्या मल्होत्रा और आदित्य रावल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। उन्होंने शूटिंग शुरू होने से पहले पारंपरिक मुहूर्त पूजा की और उसकी झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आता है, वहीं कुछ कैंडिड फोटोज में वह अपने सह-कलाकारों के साथ दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में सान्या पूजा के दौरान आरती करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा कि 'सुंदर पूनम' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं, जबकि इसमें सान्या के साथ आदित्य रावल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म प्राइम वीडियो के 2026 के प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिससे इसकी पहुंच वैश्विक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन के रूप में नजर आईं। वीडियो में उनका किरदार पूनम एक रहस्यमयी स्थिति में दिखाई देता है, जहां उसका फोन लगातार बजता रहता है और 'सुंदर' व 'राजू' नाम से कॉल आते हैं। अंत में एक खबर सुनाई देती है कि कश्मीर में एक शादीशुदा जोड़ा लापता हो गया है, जो कहानी में सस्पेंस को और गहरा बना देता है। फिल्म की कहानी रोमांस, क्राइम और थ्रिलर का मिश्रण बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक वास्तविक घटना से प्रेरित है और इसमें एक नवविवाहित जोड़े की कहानी दिखाई जाएगी, जो हनीमून के लिए कश्मीर जाता है। इसी दौरान उनके अचानक गायब होने की खबर सामने आती है, जिसके बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होते हैं। खास तौर पर दुल्हन पूनम के किरदार से जुड़ा रहस्य कहानी को और दिलचस्प बनाता है। कुल मिलाकर 'सुंदर पूनम' एक ऐसी फिल्म के रूप में सामने आ रही है, जो दर्शकों को भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ रहस्य और रोमांच का अनुभव भी देगी।

प्रकाश राज को मिली तमिल फिल्मों से पहचान

'आली रे आली, आता तुमची बारी आली'यह डायलॉग सुनते ही जयकांत शिकरे का खौफनाक चेहरा सामने आ जाता है, जिसे प्रकाश राज ने फिल्म सिंघम में जीवंत किया था। अपने किरदार को और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने बॉडी लैंग्वेज में बदलाव करते हुए गुस्से को हाथों की खास हरकतों से जाहिर किया, जो स्क्रिप्ट का हिस्सा नहीं था। यही समर्पण उन्हें हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा का दमदार विलेन बनाता है। प्रकाश राज का असली नाम प्रकाश राय है, लेकिन फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना सरनेम बदलकर 'राज' कर लिया, जो आज उनकी पहचान बन चुका है। फिल्मी बैकग्राउंड से न होने के कारण उनके लिए शुरुआत आसान नहीं थी। काम की तलाश में वे एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो तक पैदल जाते थे। फिल्मों और टीवी में आने से पहले वे थिएटर कलाकार थे, जहां उन्हें महीने के लगभग 300 रुपये मिलते थे। थिएटर के बाद उन्हें दक्षिण भारतीय टीवी सीरियल्स में काम मिलने लगा। कन्नड़ भाषी होने के बावजूद उन्होंने तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषाओं में भी काम किया। शुरुआती दिनों में भाषा उनके लिए चुनौती रही, लेकिन उन्होंने मेहनत से सभी भाषाएं सीखीं और आज वे खुद अपनी फिल्मों की डबिंग करते हैं। तमिल सिनेमा में उन्हें पहचान डूएट से मिली, जहां बड़े कलाकारों के बीच भी उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी। इसके बाद घिल्ली, पोकिरी और ओक्काडू जैसी फिल्मों में उनके खलनायक किरदारों ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री वान्टेड से हुई, जिसके बाद सिंघम रिटर्न, दबंग 2 और हीरोपंती जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी विलेन की छवि को और मजबूत किया। हालांकि, उन्होंने खुद को सिर्फ नकारात्मक किरदारों तक सीमित नहीं रखा। अभिउम नानम, आकाशमंथा और धोंनी जैसी फिल्मों में उन्होंने एक संवेदनशील पिता का किरदार निभाकर दर्शकों को भावुक कर दिया। अपने अभिनय से हर भावना को पर्दे पर उतारने वाले प्रकाश राज आज भी इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

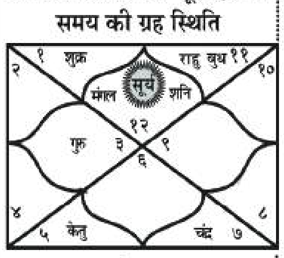

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.24 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.04 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	10.02 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.32 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.44 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.54 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.09 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.25 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	01.30 बजे से
		कुंभ	03.17 बजे से
		मीन	04.50 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 10.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 21.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 14.17 बजे को समाप्त।
करण गर 10.10 बजे तदनन्तर वणिज 23.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872669
जूलियन दिन 2461134.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 15

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बेहतर अभिनेता बनने पर रहता है मेरा ध्यान : सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी का मानना है कि दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को दी जानी चाहिए और वही उनकी असली पहचान है। अभिनेता ने साफ कहा कि उन्हें फैशन को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। उनके अनुसार, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम एक अभिनेता बनने के लिए रखा था और अब जब उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है, तो वही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका पूरा ध्यान अपने अभिनय कौशल को बेहतर बनाने पर रहता है, न कि बाहरी दिखावे पर। सिद्धांत ने फैशन को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि वह इसे अलग से करने वाली चीज नहीं मानते। फिल्मों में जो किरदार निभाते हैं, उसी के मुताबिक उन्हें कपड़े पहनने का मौका मिलता है और वही उनका स्टाइल बन जाता है। उनका मानना है कि फैशन को लेकर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है और न ही 'परफेक्ट' दिखने के दबाव को खुद पर हावी होने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली स्टाइल कपड़ों से नहीं, बल्कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी से झलकता है। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति सहज और आत्मविश्वासी होता है, वही सबसे ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। सिद्धांत का मानना है कि जब इंसान खुद जैसा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास ही उसका सबसे बड़ा 'स्वैग' बन जाता है। फैशन के ट्रेंड्स को लेकर उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा इसके बारे में सोचने लगता है, तो वह दूसरों की नकल करने लगता है। इससे उसकी अपनी पहचान खो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फैशन में सबसे जरूरी है खुद को नेचुरल तरीके से पेश करना और अपनी असलियत को बनाए रखना, न कि किसी ट्रेंड के पीछे भागना। सिद्धांत चतुर्वेदी की यह सोच आज के दौर में खास मायने रखती है, जहां सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण लोग अक्सर अपनी असली पहचान से दूर होते जा रहे हैं। उनका यह नजरिया न केवल नए कलाकारों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सफलता के लिए सबसे जरूरी है अपने हुनर और आत्मविश्वास पर भरोसा रखना। मालूम हो कि आज के डिजिटल दौर में जहां सोशल मीडिया ने हर किसी की जिंदगी को प्रभावित किया है, वहीं फिल्मी सितारों पर 'परफेक्ट' दिखने का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

निर्देशक आदित्य धर की धुरंधर 2' जबरदस्त कमाई कर ही

हाल ही में रिलीज हुई धुरंधरः द रिवेंज (धुरंधर 2) बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसको लेकर बॉलीवुड फिल्म निर्देशक आदित्य धर की 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी जबरदस्त चर्चा में है। रिकार्ड तोड कमाई कर रही इस फिल्म में रणवीर सिंह के 'हमजा' किरदार को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। उनके साथ संजय दत्त, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कमाई की रफ्तार को देखते हुए यह साफ है कि 'धुरंधर 2' अब नए रिकॉर्ड बनाने की ओर तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि यह फिल्म अब एस. एस. राजामौली की ब्लॉकबस्टर बाहुबली 2ः द कंक्लूजन के नौ साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'धुरंधर 2' ने नॉर्थ अमेरिका में जबरदस्त कमाई करते हुए अब तक लगभग 19.33 मिलियन डॉलर का आंकड़ा छू लिया है। वहीं 'धुरंधर' के पहले पार्ट ने इस क्षेत्र में करीब 19.7 मिलियन डॉलर कमाए थे, जबकि 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड 20.19 मिलियन डॉलर से ज्यादा का है। ऐसे में ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए यह फिल्म जल्द ही यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है। फिल्म की सफलता पर 'बाहुबली 2' के प्रोड्यूसर शोबू यारलागड्डा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा कि उन्होंने 'धुरंधरः द रिवेंज' देखी और उन्हें यह बेहद पसंद आई।

उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि फिल्म भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। 'धुरंधर 2' 2025 में आई हिट फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है, जिसने दुनियाभर में करीब 1300 करोड़ रुपये की कमाई की थी। पहली फिल्म की सफलता के बाद इसके सीक्वल को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था, जो अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में साफ दिखाई दे रहा है। फिल्म की कहानी हमजा के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें उसके अतीत और परिस्थितियों को दिखाया गया है कि कैसे जसकीरत हमजा बनता है।

संक्षिप्त खबरें

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

हिंदुस्तान जिंक का खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन बढ़ा

चांदी और पवन ऊर्जा में मामूली गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है, जबकि चांदी और पवन ऊर्जा उत्पादन में थोड़ी गिरावट देखी गई। जनवरी से मार्च तक खनन धातु उत्पादन 3,15,000 टन रहा जो पिछले साल की इसी अवधि से 2 फीसदी अधिक रहा। परिष्कृत धातु उत्पादन 2,82,000 टन, जो 5 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। खनन धातु में कच्चे अयस्क से संकेंद्रित धातु तैयार की जाती है, जबकि परिष्कृत धातु 99 फीसदी से अधिक शुद्धता तक पहुंचती है। चौथी तिमाही में चांदी का उत्पादन 176 टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 0.2 फीसदी कम है। वहीं, पवन ऊर्जा उत्पादन 11 फीसदी घटकर 5.6 करोड़ यूनिट रह गया। एचजेडएल भारत में जस्ता बाजार में लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में शामिल है। कंपनी अपने उत्पादों को 40 से अधिक देशों में आपूर्ति करती है।

गुड फ्राइडे पर चांदी के भाव में 5,000 रुपये की गिरावट

दिल्ली और दक्षिण भारत में कीमतों में अंतर

नई दिल्ली (ईएमएस)। गुड फ्राइडे के अवसर पर भारत के बुलियन मार्केट में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी और मध्यप्रदेश में एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,49,100 रुपये पर रहा, जबकि दक्षिण भारत में यह 2,54,900 रुपये तक पहुंच गया। बाजार में क्षेत्रीय अंतर और मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, लखनऊ और चंडीगढ़ में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,491 रुपये और 1 किलोग्राम 2,49,100 रुपये रहा। निवेशकों ने बताया कि पिछले दिन की तुलना में शुक्रवार को लगभग 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली। दिल्ली के सर्राफा बाजार में एक दिन पहले चांदी का भाव 2,37,000 रुपये था, जो अब थोड़ा सुधारते हुए 2,49,100 रुपये तक आ गया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी का भाव उत्तर भारत से अधिक रहा। यहां 10 ग्राम चांदी का भाव 2,549 रुपये और 1 किलोग्राम 2,54,900 रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिण भारत में मांग और वितरण लागत के कारण यहां चांदी की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं। गुड फ्राइडे के चलते शुक्रवार को एमसीएक्स और शेयर बाजार दोनों बंद रहे। इस दौरान निवेशक और व्यापारी बाजार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगले खुलने वाले दिन के लिए रणनीति बनाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का हाजिर भाव 69.57 डॉलर प्रति औंस है। इस साल जनवरी में चांदी की कीमत 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर चुकी थी। इसके बाद बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी सप्ताह में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजार की स्थितियां चांदी के रेट को प्रभावित करेंगी।

टायर कंपनियों पर बढ़ती लागत का दबाव, कीमतों में तेजी संभव

मुंबई (ईएमएस)। मार्च 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक रबर की कीमतों में तेजी से टायर कंपनियों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे एमआरएफ, अपोलो, जेके टायर और सीएट टायर की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। टायर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत से सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और प्रोसेसिंग ऑयल 15 -40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्राकृतिक रबर, जो टायर लागत का लगभग 40-45 फीसदी हिस्सा है, 18,500 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति 100 किलो हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस लागत वृद्धि से कंपनियों के मार्जिन पर लगभग 4 फीसदी तक असर पड़ सकता है। इसलिए कई कंपनियां अप्रैल 2026 से 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। बाइक और स्कूटर के टायर 200-500 रुपए, कार के टायर 1,000-3,000 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। ट्रक-बस और ट्रैक्टर टायर महंगे होने से ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत भी बढ़ सकती है।

अमेरिका में पेटेंट दवाओं पर भारी टैरिफ का खतरा, ट्रंप का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेटेंट दवाओं के आयात को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिससे वैश्विक फार्मा उद्योग में हलचल मच गई है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अहम कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आदेश के तहत उन फार्मा कंपनियों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है, जो अमेरिकी सरकार के साथ "मोस्ट फेवर्ड नेशन" प्राइसिंग समझौता नहीं करेंगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जो कंपनियां अमेरिका में पेटेंट दवाओं और उनके कच्चे माल का उत्पादन शुरू करेंगी और कीमत समझौते पर सहमत होंगी, उन्हें टैरिफ से छूट दी जाएगी। वहीं, जो कंपनियां उत्पादन तो शुरू करेंगी लेकिन समझौता नहीं करेंगी, उन पर शुरुआती 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार वर्षों में बढ़कर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। कंपनियों को समझौते के लिए समय भी दिया गया है, बड़ी कंपनियों को 120 दिन और अन्य को 180 दिन। बताया गया है कि कई कंपनियां पहले ही कई बड़ी कंपनियों के साथ समझौते कर चुकी है। इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया गया है, क्योंकि सरकार का मानना है कि दवाओं के आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा कर सकती है।

केंद्र सरकार के खातों में 12,754 करोड़ का गलत वर्गीकरण: सीएजी रिपोर्ट

4,011.91 करोड़ की प्राप्तियां और 8,742.56 करोड़ का व्यय प्रभावित हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्र सरकार के खातों पर अपनी रिपोर्ट में वित्तीय प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर किया है। रिपोर्ट में खातों के गलत वर्गीकरण, लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) और बजट प्रावधानों में कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया है। सीएजी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के खातों में कुल 12,754.47 करोड़ का गलत वर्गीकरण पाया गया। इसमें 4,011.91 करोड़ रुपए की प्राप्तियां और 8,742.56 करोड़ रुपए का व्यय प्रभावित हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि कई मामलों में राजस्व और गैर-कर प्राप्तियों को 'लघु मद 800 – अन्य प्राप्तियां' के तहत दर्ज किया गया, जबकि इनके लिए अलग मद उपलब्ध थे। व्यय के मामले में भी गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। राजस्व खर्च को पूंजीगत मद में और पूंजीगत व्यय को राजस्व मद में दर्ज किया गया। इसके अलावा, सब्सिडी को भी पूंजीगत संपत्तियों के लिए अनुदान के रूप में दिखाया गया। सीएजी ने कहा कि ऐसे गलत वर्गीकरण से खातों की पारदर्शिता प्रभावित होती है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 31 मार्च 2025 तक 33,973 उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित थे, जिनकी कुल राशि 54,282.32 करोड़ रुपए थी। इनमें से बड़ी संख्या तीन वर्ष से अधिक पुरानी है, जबकि सबसे पुराना मामला 1985-86 का है। वित्तीय प्रबंधन के अन्य पहलुओं में, ब्याज भुगतान कुल राजस्व व्यय का 29.2 प्रतिशत रहा। साथ ही, प्रतिबद्ध व्यय का हिस्सा बढ़ने से विवेकाधीन खर्च की गुंजाइश कम हो गई है। बजट अनुमान और वास्तविक व्यय के बीच भी बड़ा अंतर देखा गया। सीएजी ने सिफारिश की है कि उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर जमा कराने और सही मदों में लेखांकन सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र विकसित किया जाए।

आरबीआई ने एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल में 74 फीसदी हिस्सेदारी की मंजूरी दी

विदेशी निवेश से आरबीएल बैंक विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। यह कदम बैंक को विदेशी बैंक के रूप में संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि आरबीआई ने यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी थी, और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। अक्टूबर 2025 में ईएनबीडी ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव रखा था। मंजूरी के तहत, ईएनबीडी को बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत* बनाए रखना होगा। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, बैंक को फुल स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के नियमों के अनुसार संचालित करना होगा। आरबीआई ने कहा कि निदेशक मंडल में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त लागू नहीं होगी। बैंक को अपने आर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में आवश्यक संशोधन कर आरबीआइ से मंजूरी लेनी होगी। वेशक के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों का 26 प्रतिशत तक सीमित रखा जाएगा। 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त पर अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में शाखाओं का विलय या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। सके अलावा, इस प्रस्तावित निवेश को भारत सरकार फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू कानूनों के अनुपालन में पूरा करना होगा। जनवरी में, प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस निवेश के बाद, आरबीएल बैंक अब विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा और एमिरेट्स एनबीडी का बहुलांश स्वामित्व रहेगा, जो भारत में विदेशी निवेश और बैंकिंग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजेक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं। यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है, जो आरबीआई और इंडियन बैंक एसोसिएशन की पहल से संचालित है।

तेल संकट गहराया, भारत में कीमतें 4 साल के उच्च स्तर पर

- कच्चे तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है, जिसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिल रहा है। भारतीय ऑयल बास्केट की औसत कीमत मार्च 2026 में 113.49 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जो पिछले चार वर्षों का उच्चतम स्तर है। इससे पहले रसिया-यूक्रेन वार के दौरान मार्च 2023 में यह 112.87 डॉलर तक गई थी। रविवार को ओपेक देशों की बैठक होगी। इसमें ऑयल प्रोडक्शन बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। 1 अप्रैल को भारतीय रिफाइनरियों के लिए कच्चे तेल की कीमत 120.84 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई, जबकि ब्रेट क्रूड करीब 107 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी हुई हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इस तेजी की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में बाधा आने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, क्योंकि दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल का ट्रांजिट इसी रास्ते से होता है।

इसके अलावा सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई जैसे बड़े उत्पादकों द्वारा उत्पादन में कटौती और रूस में ड्रोन हमलों से सप्लाई और कमजोर हुई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशियामें जारी भारी तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी हुई है। दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। शुक्रवार 3 अप्रैल को भी देश में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। हालांकि इस राहत के पीछे तेल कंपनियों को भारी आर्थिक चोट सहनी पड़ रही है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें इस हफ्ते 115 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई थीं। होर्मुज जलडमरूमध्य जहां से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है वहां सप्लाई बाधित होने के डर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी अस्थिरता है। इसके बावजूद भारत सरकार और तेल कंपनियों ने घरेलू कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है ताकि आम जनता को महंगाई का झटका न लगे।

एयरटेल बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी, 650 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल ने 650 मिलियन ग्राहकों का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी होने का गौरव हासिल किया है। जीएसएमए इंटेलिजेंस की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, यह उपलब्धि हासिल करने वाली एयरटेल देश की एकमात्र भारतीय कंपनी बन गई है। भारत और अफ्रीका के 14 देशों में फैले अपने व्यापक नेटवर्क के साथ कंपनी ने कनेक्टिविटी और डिजिटल नवाचार के नए मानक स्थापित किए हैं।

भारत में 368 मिलियन से अधिक ग्राहकों को सेवा दे रही एयरटेल ने 5G प्लस, एक्सस्ट्रीम एयरफाइबर और दुनिया के पहले नेटवर्क-आधारित एआई स्पैम प्रोटेक्शन जैसे अत्याधुनिक समाधानों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं अफ्रीका में कंपनी 179 मिलियन ग्राहकों तक अपनी पहुंच बना चुकी है, जहाँ उसका मोबाइल वित्तीय प्लेटफॉर्म एयरटेल मनी 52 मिलियन से अधिक लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़कर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है।

भविष्य की तैयारियों को लेकर कंपनी अब स्पेसएक्स और यूटेलसैट वनवेब के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के क्षेत्र में कदम रख रही है, ताकि सुदूर ग्रामीण और समुद्री क्षेत्रों में भी निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध कराया जा सके। एयरटेल के एग्ज़िक्यूटिव वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने इस सफलता को एक बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि कंपनी का मूल उद्देश्य केवल विस्तार करना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वस्तरीय नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों का निरंतर विश्वास अर्जित करना है।

मार्च 2026 में बाजार की गिरावट के बीच आर्बिट्राज फंड ने दिखाया संतुलन

निफ्टी, मिडकैप और स्मॉलकैप में भारी गिरावट के बावजूद आर्बिट्राज सेगमेंट रहा स्थिर

नई दिल्ली (ईएमएस)। मार्च 2026 का महीना शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते बाजार में व्यापक गिरावट देखने को मिली। इस उथल-पुथल के बीच आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने अपेक्षाकृत स्थिर प्रदर्शन किया, हालांकि निवेशकों की सतर्कता साफ नजर आई। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी 50 में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी करीब 10 प्रतिशत तक कमजोरी देखी गई। बाजार के लगभग सभी सेगमेंट इस दबाव से प्रभावित रहे।

इसके बावजूद आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने संतुलन बनाए रखा। इस श्रेणी के फंड बाजार की दिशा पर दांव लगाने के बजाय कैश और फ्यूचर्स बाजार के बीच मूल्य अंतर का लाभ उठाते हैं, जिससे गिरावट के दौर में भी इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एडेलवेसिस आर्बिट्रेज फंड के डायरेक्ट प्लान ने 1 साल में 6.73 प्रतिशत और 3 साल में 7.72 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो इसकी स्थिरता को दर्शाता है। डेरिवेटिव डेटा भी मिश्रित संकेत देता है। सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स में रोलओवर करीब 93 प्रतिशत रहा, जो बताता है कि बड़े निवेशक बाजार में बने हुए हैं। हालांकि रोल स्प्रेड सीमित दायरे में रहे, जिससे कमाई के अवसर सीमित रहे। दूसरी ओर, अप्रैल सीरीज के लिए ओपन इंटरेस्ट में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल आर्बिट्राज निवेश घटकर लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रह गया।

विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने एक्सपोजर कम किया, जो घटती जोखिम लेने की क्षमता को दर्शाता है। कम वोलैटिलिटी के चलते आर्बिट्राज स्प्रेड भी सीमित रहे, जिससे रिटर्न पर दबाव बना। कुल मिलाकर, गिरते बाजार में आर्बिट्राज फंड ने स्थिरता तो दी, लेकिन ऊंचे रिटर्न की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

कई नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की तैयारी में एमजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजार में एमजी मोटर कंपनी अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए 2026 में कई नए प्रोडक्ट लॉन्च करने की तैयारी में है। भारत में कंपनी वुलिंग स्टारलाइट 560 के रीबैज्ड वर्जन को पेश कर सकती है। इस एसयूवी के पेटेंट दाखिल होने और टेस्टिंग के दौरान इसके मॉडल्स देखे जाने से इसके लॉन्च की संभावना और मजबूत हो गई है। डिजाइन की बात करें तो वुलिंग स्टारलाइट 560 का एक्सटीरियर इंटरनेशनल मॉडल जैसा ही नजर आता है। इसका बॉक्सी प्रोफाइल, शार्प लाइटिंग, मेश पैटर्न ग्रिल और मजबूत बंपर इसे आकर्षक बनाते हैं। साइड प्रोफाइल में चौकोर व्हील आर्च, रूफ रेल्स और ब्लैक-आउट पिलर्स दिए गए हैं, जबकि पीछे की ओर रैपअराउंड टेललाइट्स और स्टाइलिश डिजाइन देखने को मिलता है। 4,745 मिमी लंबाई और 2,810 मिमी व्हीलबेस के साथ यह एसयूवी फैमिली यूजर्स के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। इंजन और परफॉर्मेंस के मामले में यह एसयूवी कई विकल्पों के साथ आ सकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसका पेट्रोल, प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) और पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन उपलब्ध है। पेट्रोल इंजन 177 पीएस की पावर देता है, जबकि पीएचईवी वर्जन में कुल आउटपुट करीब 200 पीएस तक पहुंचता है और इसकी कुल रेंज 1100 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं, इलेक्ट्रिक वर्जन 500 से 540 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है, जो इसे लंबी दूरी के लिए भी उपयोगी बनाता है। फीचर्स की बात करें तो इसका इंटीरियर मिनिमलिस्ट डिजाइन के साथ आता है, जिसमें 12.8 इंच की टचस्क्रीन, 4जी कनेक्टिविटी, ओटीएस अपडेट और स्मार्टफोन ऐप कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा वायरलेस चार्जिंग, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग और आरामदायक सीटिंग जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम बनाते हैं। कीमत को लेकर अनुमान है कि इसे करीब 19 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है।

1.39 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में 27 मार्च तक करीब 1.39 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.31 लाख यूनिट्स से अधिक है। मौजूदा रफ्तार जारी रही तो यह आंकड़ा जल्द ही 1.45 लाख यूनिट्स के रिकॉर्ड को पार कर सकता है। साथ ही वित्तीय वर्ष के अंत में मिलने वाले ऑफर्स, सरकार द्वारा सब्सिडी को जुलाई 2026 तक बढ़ाना और कंपनियों के डिस्काउंट ने भी बिक्री को बढ़ावा दिया है।

इस ग्रोथ में टीवीएस मोटर कंपनी सबसे आगे रही, जिसने वित्त वर्ष 2026 में 3.3 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेचकर नया मुकाम हासिल किया। बजाज ऑटो ने 2.76 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जबकि अथेर एनर्जी ने करीब 2.3 लाख यूनिट्स के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। वहीं हीरो मोटोकार्प ने शानदार उछाल दिखाते हुए अपनी बिक्री तीन गुना बढ़ाकर 1.39 लाख यूनिट्स तक पहुंचा दी। हालांकि ओला इलेक्ट्रिक के लिए यह साल थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा और इसकी बिक्री में गिरावट देखी गई। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2026 में ईवी टू-व्हीलर की बिक्री 13.5 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल से करीब 17 प्रतिशत ज्यादा है।

मारुति सुजुकी ने वित्तीय वर्ष 2026 में हासिल की रिकॉर्ड बिक्री

नईदिल्ली। वित्तीय वर्ष 2026 में मारुति सुजुकी ने रिकॉर्ड बिक्री हासिल की है। इस दौरान मारुति सुजुकी ने कुल 24.22 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अब तक का सबसे उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी लगातार तीसरे वर्ष 20 लाख यूनिट्स से अधिक की वार्षिक बिक्री पार करने में सफल रही है। मार्च 2026 में कंपनी की कुल बिक्री 2,25,251 यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष के मार्च महीने की तुलना में 16.7 प्रतिशतकी बढ़ोतरी दर्शाती है। पिछले वर्ष मार्च में कंपनी ने 1,92,984 यूनिट्स बेची थीं। घरेलू बाजार में मार्च की बिक्री 1,69,428 यूनिट्स रही, जबकि अन्य ओईएम को 8,783 यूनिट्स की आपूर्ति की गई। इसके अलावा एक्सपोर्ट में भी मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जो साल-दर-साल आधार पर करीब 42.68 प्रतिशत बढ़ा है।

ऑटो बाजार में एसयूवी से लेकर लग्जरी कारों तक कई नए विकल्प

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार बाजार के लिए मार्च 2026 बेहद रोमांचक रहा, जहां कॉम्पैक्ट एसयूवी, सेडान और प्रीमियम सेगमेंट में कई नई गाड़ियों की एंट्री हुई। स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट को इस महीने लॉन्च किया गया, जिसकी कीमत 10.69 लाख से 18.99 लाख रुपये के बीच है। इसमें अपडेटेड डिजाइन, नए अलॉय व्हील्स, 10.25 इंच डिजिटल डिस्प्ले, वेंटिलेटेड और मसाजिंग सीट्स जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। इंजन ऑप्शन पहले जैसे ही हैं, लेकिन 1-लीटर इंजन में नया 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन शामिल किया गया है। हयूंदै एक्टर फेसलिफ्ट को भी नए डिजाइन और फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इसमें सनरूफ, 8-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस चार्जिंग और बेहतर सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं।

भारत में पहली स्वदेशी गैसीकरण परियोजना के जमीन पट्टे पर समझौता हुआ

- 25,000 करोड़ की मेगा परियोजना!

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में उतार-चढ़ाव के दौर में भारत में ऊर्जा सुरक्षा के लिए पहली स्वदेशी गैसीकरण परियोजना के जमीन पट्टे पर समझौता हुआ। भारत कोल गैसिफिकेशन ऐंड कैमिकल लिमिटेड (बीसीजीसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने समझौता किया। इसके तहत ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में कोयले से अमोनियम नाइट्रेट बनाने की पहली स्वदेशी परियोजना के लिए समझौता हुआ। इससे आयात पर निर्भरता भी घटेगी। सूत्रों के अनुसार इस परियोजना की क्षमता 2,000 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है। परियोजना के लिए अनुमानित निवेश करीब 25,000 करोड़ रुपये है। यह समझौता महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) की स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। कोयला गैसीकरण तकनीक कोयले को सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में बदलती है। फिर सिनगैस से अमोनिया, मेथनॉल, यूरिया, हाइड्रोजन, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और तरल ईंधन सहित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इस क्रम में लखनपुर परियोजना विशेष रूप से अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह प्रमुख औद्योगिक रसायन है और इसका उपयोग उर्वरकों और खनन में व्यापक रूप से होता है। दरअसल, कोयला मंत्रालय ने ऊर्जा उत्पादों के आयात को कम करने के लिए सात कोयला परियोजनाओं के लिए 64,000 रुपये मंजूर किए हैं। इन सात परियोजनाओं में से एक लखनपुर परियोजना है। इस क्रम में सात परियोजनाओं में से चार महाराष्ट्र, दो ओडिशा और एक पश्चिम बंगाल में होगी। लखनपुर परियोजना एमसीएल की 350 एकड़ से अधिक भूमि पर स्थापित की जाएगी। दरअसल, कोयलना मंत्रालय ने हाल ही में नीति में बदलाव किए हैं। इसके तहत कोयला युक्त क्षेत्र में गैसीकरण परियोजना की अनुमति दी गई है। इस नीतिगत बदलाव से लखनपुर परियोजना को प्रोत्साहन मिला। इस कदम से भारत के विशाल कोयला भंडार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है। भारत में कोयले का दुनिया में पांचवां (करीब 400 अरब टन) का भंडार है। यह भंडार कम से कम 70 वर्षों तक रहेगा।

बैंकों की ऋण वृद्धि तेज, जमा पीछे- वित्त वर्ष 2025-26 में असंतुलन उभरा

पीएनबी, सेंट्रल बैंक और एसएफबी में लोन ग्रोथ दो अंकों में

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में ऋण वृद्धि ने तेज रफ्तार पकड़ी, जबकि जमा वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रही। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंकों के आंकड़े इस प्रवृत्ति को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का ऋण सालाना आधार पर 12.17 प्रतिशत बढ़कर 11.96 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जमा केवल 9.14 प्रतिशत बढ़कर करीब 16.5 लाख करोड़ रुपये रहा। इसी तरह, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया का ऋण 18.9 प्रतिशत बढ़कर 3.45 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि जमा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 4.68 लाख करोड़ रुपये रहा। बैंक का सीडी अनुपात 355 आधार अंक बढ़कर 73.88 प्रतिशत हो गया, जो बढ़ते ऋण वितरण को दर्शाता है। निजी क्षेत्र में सीएसबी बैंक का प्रदर्शन भी मजबूत रहा। बैंक का कुल ऋण 27 प्रतिशत बढ़कर 40,364 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें गोल्ड लोन 53 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21,567 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। लघु वित्त बैंकों में भी यही रुझान देखने को मिला। उज्जीवन स्माल फायनेंस बैंक का ऋण 26.6 प्रतिशत और जमा 21.3 प्रतिशत बढ़ा। इक्विटीज स्माल फायनेंस बैंक का ऋण 21.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि जमा वृद्धि लगभग 8 प्रतिशत रही। वहीं कैपिटल स्माल फायनेंस बैंक का ऋण 20.9 प्रतिशत और जमा 20.4 प्रतिशत बढ़ा। विशेषज्ञों के अनुसार, ऋण की तेज मांग आर्थिक गतिविधियों में सुधार का संकेत है, लेकिन जमा वृद्धि में सुस्ती से बैंकों पर तरलता का दबाव बढ़ सकता है।

संक्षिप्त खबरें

इजराइली सेना का दावा, हिज़्बुल्लाह के करीब 40 लड़ाकों को हवाई हमलों में मार गिराया

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने हाल ही में जारी वीडियो और थर्मल इमेज में दावा किया है कि लेबनान में हिज़्बुल्लाह के करीब 40 लड़ाकों को हवाई हमलों में मार गिराया है। आईडीएफ के मुताबिक इन हमलों में कई कमांड सेंटर, हथियार भंडार, रॉकेट लॉन्चर और एंटी-टैंक मिसाइल पोस्ट नष्ट किए गए। (यूज़र-प्रदान विवरण) इस तरह के हमले लगातार जारी हैं क्योंकि इज़राइल हिज़्बुल्लाह के ढांचे को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। हिज़्बुल्लाह ने इस जवाबी संघर्ष में पिछले 24 घंटों में 60 से अधिक हमलों का दावा किया, जिसमें उत्तरी इजराइल में कई बस्तियों, सैनिकों और सैन्य वाहनों को निशाना बताया गया। समूह के अनुसार, उन्होंने किरयात शमोना, मेट्टुला, एवेन मेनाकेम, बेत हिलेल और नाहारिया जैसी बस्तियों पर भी हमले किए हैं। हिज़्बुल्लाह ने रॉकेट और मिसाइल हमलों के अलावा इज़राइली हेलीकॉप्टर के ऊपर सतह-से-हवा मिसाइल से हमला करने और कई टैंकों तथा एक बुलडोज़र को निशाना बनाने का भी दावा किया है। बीते महीनों में दोनों ओर से हमला-जवाब के दौर ने भारी मानवीय संकट और विस्थापन को जन्म दिया है। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार पिछले हवाई हमलों में अब तक हजारों लोग मारे गए और हजारों घायल हुए हैं, और लाखों लोग अपने घरों से पलायन कर चुके हैं। यह संघर्ष 28 फरवरी से चल रहे ईरान-इज़राइल युद्ध के विस्तारित चरण का एक हिस्सा है, जिसमें यूएस-इज़रायली हमलों के जवाब में ईरान ने मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए हैं और हिज़्बुल्लाह ने इज़राइल को कई बार निशाना बनाया है। इस विस्तारित युद्ध ने लेबनान, इसराइल, ईरान और उनकी संबद्ध सेनाओं के बीच सीमा पार के कड़े संघर्ष को जन्म दिया है। इस क्षेत्र में हाल के हवाई हमलों के बीच हिज़्बुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं, और दोनों पक्षों द्वारा जारी हमलों से क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है, जिससे भारी मानवीय संकट और विस्थापन की स्थिति बनी हुई है।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस थाने पर आत्मघाती हमला, महिलाओं और बच्चे सहित 5 की मौत

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हिंसा का दौर थम नहीं रहा है। बन्नू जिले में एक भीषण आत्मघाती कार हमले ने पूरे इलाके को दहला दिया। आत्मघाती हमले में तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित करीब पांच निर्दोष लोगों की मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार, बन्नू जिले की दोमेल तहसील में एक कार सवार आत्मघाती हमलावर वाहन को लेकर थाने में जा घुसा जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट की तीव्रता और गूंज से स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। धमाके के तुरंत बाद गोलीबारी भी हुई, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। विस्फोट के कारण आसपास के कई घरों को नुकसान पहुंचा। कम से कम चार पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और बचाव एवं राहत अभियान जारी है। पुलिस के मुताबिक, बचाव दल ने घटनास्थल से पांच शव बरामद किए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद इलाके में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू हो गई। धमाके और फायरिंग के कारण स्थानीय निवासियों में भारी दहशत फैल गई। हमले की गंभीरता को देखकर सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। पुलिस और बचाव दल ने घटनास्थल से अब तक पांच शव बरामद किए हैं। हमले में घायल हुए चार पुलिसकर्मियों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि वे अभी भी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और मलबे के नीचे दबे अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश की जा रही है।

ईरान से अगर डील नहीं हुई तो उपराष्ट्रपति वैंस होंगे दोषी, हुई तो मैं लूंगा क्रेडिट

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग के बीच आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज के अलावा दो और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी पद से हटाने का फैसला किया है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हटाए गए अफसरों में आर्मी के ट्रांसफॉर्मेशन एंड ट्रेनिंग कमांड के चीफ जनरल डेविड होडने और आर्मी के चैपलिन कॉर्प्स के चीफ जनरल विलियम ग्रीन जूनियर शामिल हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से समझौते को लेकर कहा कि अगर यह डील नहीं हुई, तो वह उपराष्ट्रपति जेडी वैंस को दोषी ठहराएंगे। अगर यह हो जाती है, तो मैं इसका पूरा क्रेडिट लूंगा।' ट्रम्प ने यह बात व्हाइट हाउस में आयोजित इस्टर लंच के दौरान मजाक करते हुए कही। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग कल के लिए टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है।

ट्रंप की नई धमकी, अब ईरान के पुलों पर होंगे हमले, फिर बिजली प्लांट पर

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ट्रम्प ने ईरान को लेकर नई धमकियां दी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने अभी तक ईरान के बचे-खुचे इन्फ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह निशाना बनाना शुरू नहीं किया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- दुनिया की सबसे ताकतवर अमेरिकी सेना का अगला निशाना अब पुल होंगे, उसके बाद बिजली प्लांट। उन्होंने यह भी कहा कि नए नेतृत्व को पता है कि क्या करना है और उसे जल्दी करना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान में जिस पुल पर हमला किया गया, उसका मकसद ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की आवाजाही को रोकना था। ईरान का कहना है कि यह एक नागरिक पुल था और इसे नष्ट करना युद्ध अपराध है। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान अगर अमेरिका के 15 बिंदुओं वाले प्रस्ताव को नहीं मानता, तो अमेरिका ईरान के अंदर अपने सैन्य हमले और तेज कर देगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है। बहरीन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद दुनिया के बाजार को सुरक्षित रखना और सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक में रुकावट को रोकना है। ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं हो पा रहा है तो जंग आप ही रोक दो

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल जंग थमती नहीं दिख रही है। ट्रंप ईरान से पंगा लेकर फंस चुके हैं, युद्ध में सीजफायर हो नहीं पा रहा और ईरान लगातार मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य अड्डों और खाड़ी के सहयोगी देशों पर हमले कर रहा है साथ ही इजराइल पर भी अपनी मिसाइलें दाग रहा है और भारी नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसे वक्त में ईरान को ट्रंप स्टाइल में ट्रंप को काउंटर करने की सलाह मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के पूर्व विदेश मंत्री जावेद जरीफ ने ईरानी शासन को सलाह ही है कि ट्रंप से न हो पा रहा है तो जंग आप ही रोक दो। उन्होंने कहा कि ईरान को खुद को विजेता घोषित कर लड़ाई रोक देनी चाहिए, डील कर लेनी चाहिए और खुद अपनी ओर से सीजफायर का ऐलान कर देना चाहिए। ये ट्रंप के खिलाफ मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है। ज़रीफ़ ने अपने देश से गुजारिश की है कि वह जीत का ऐलान करे और एक ऐसा समझौता करे, जो इस संघर्ष को खत्म भी करे और अगले संघर्ष को रोके भी। अमेरिका स्थित एक अखबार में लेख में जरीफ ने एक ऐसी रूपरेखा पेश की है, जिसे उन्होंने ईरान के लिए अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने का एक खाका बताया। यह खाका तेहरान के लिए फायदेमंद शर्तों पर आधारित है। जरीफ कई सालों तक ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और दूसरे देशों के साथ बातचीत में ईरान का चेहरा रहे थे। उन्होंने लेख के जरिए कहा कि ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर सीमाएं लगाने और होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोलने का प्रस्ताव देना चाहिए, जिसके बदले में उस पर लगे सभी प्रतिबंध हटा दिए जाएं।

होर्मुज में सैन्य कार्रवाई की मांग को लेकर यूएनएससी में लाए गए प्रस्ताव

रूस-चीन और फ्रांस ने लगाया वीटो

जिनेवा,(ईएमएस)। मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को खोलने का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के केंद्र में आ गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बहरीन और अन्य खाड़ी देशों द्वारा समर्थित एक अहम प्रस्ताव को रूस, चीन और फ्रांस के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है। इस प्रस्ताव में ईरान द्वारा की गई नाकेबंदी को हटाने के लिए सदस्य देशों और बहुराष्ट्रीय नौसैनिक बलों को सभी आवश्यक साधनों यानी सैन्य बल के उपयोग की अनुमति देने की मांग की गई थी। सुरक्षा परिषद के इन तीन स्थायी सदस्यों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे सैन्य हस्तक्षेप को बढ़ावा देने वाली किसी भी शब्दावली के पक्ष में नहीं हैं, जिसके चलते यह प्रस्ताव फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सैन्य विकल्प को अवास्तविक करार देते हुए तर्क दिया है कि बल प्रयोग से तट पर तैनात ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और उनकी बैलिस्टिक मिसाइलों का खतरा और अधिक बढ़ जाएगा, जिससे स्थिति और भयावह हो सकती है। गौरतलब है कि 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के तुरंत बाद ईरान ने इस रणनीतिक समुद्री मार्ग को बंद कर दिया था। विश्व का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और गैस इसी मार्ग से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कतर जैसे देशों को उत्पादन बंद होने से सालाना 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही, शिपिंग और बीमा की लागत में भी भारी उछाल आया है। सुरक्षा परिषद की बैठक में बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल ज़यानी ने ईरान पर तीखा हमला बोलते हुए उसकी मंशा को आक्रामक और धोखेबाजी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए नागरिक संरचनाओं जैसे हवाई अड्डों, बंदरगाहों और जल संयंत्रों को निशाना बनाया है। खाड़ी देशों में स्थित ठिकानों पर हुए हमलों में अब तक कम से कम 18 नागरिकों की जान जा चुकी है। दूसरी ओर, ईरान ने संकेत दिए हैं कि युद्ध के बावजूद वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर अपना कड़ा नियंत्रण और निगरानी जारी रखेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संघर्ष ने ईरान और उसके पड़ोसी देशों, विशेषकर सऊदी अरब और कतर के बीच वर्षों से सुधर रहे संबंधों को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है। अब मध्यस्थता की कमान ओमान और कतर के हाथों से निकलकर पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र के पास जाती दिख रही है। सऊदी अरब के रणनीतिक विचारकों का कहना है कि भविष्य में किसी भी युद्धविराम समझौते में ईरान की खाड़ी देशों पर हमला करने और समुद्री यातायात को बाधित करने की क्षमता पर अंकुश लगाना अनिवार्य होना चाहिए। फिलहाल, सुरक्षा परिषद में आए इस गतिरोध ने होर्मुज संकट के तत्काल समाधान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

इजराइल ने किया ऐलान, दक्षिणी लेबनान छोड़कर भागे 6 लाख लोगों को प्रवेश नहीं देगा

उसकी सीमा से लेकर लितानी नदी तक के इलाके को कब्जा करेगा

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल ने ईरान के खिलाफ चल रही जंग के बीच अपने पड़ोस में ही खतरनाक प्लान पर काम शुरु किया है। इजरायल का कहना है कि वह दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर कब्जा करेगा और यहां से भागे 6 लाख लोगों को प्रवेश नहीं देगा। उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ पहले ही इजरायल सक्रिय है और दक्षिणी लेबनान पर हमले कर रहा है। इससे बचने के लिए ही ये लोग भागे हैं, लेकिन अब इजरायल इनकी वापसी किसी भी कीमत पर नहीं चाहता। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज का कहना है कि उनकी सेना इस इलाके में एक सिक्योरिटी जोन तैयार करेगी। इसके माध्यम से वह हिजबुल्लाह पर पकड़ रखेगी और पूरा लेबनान निगरानी में रहेगा। इजरायल का कहना है कि उसकी सीमा से लेकर लितानी नदी तक के इलाके को कब्जा करेगा। इससे उसकी मंशा समझ में आती है, क्योंकि उसकी सीमा से नदी की

दूरी 30 किलोमीटर है। इस तरह एक बड़ा इलाका वह कब्जा लेगा। रक्षा मंत्री काट्ज का कहना है कि यहां से भागे 6 लाख लोगों को फिर प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जब तक कि हालात नहीं सुधारते है। इसके अलावा इजरायल की सीमा पर स्थित घरों को भी ढहाने की बात कही गई है। इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान के साथ हुई जंग के बाद से ही हिजबुल्लाह को भी टारगेट किया है। इस ईरान समर्थित उग्रवादी समूह माना जाता है।

इसके खिलाफ अभियान छेड़ते हुए इजरायल ने राजधानी बेरूत सहित दक्षिणी हिस्से पर जमकर हमले किए हैं। इन हमलों में अब तक 1250 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 10 लाख लोगों को लेबनान से भागना पडा है। इनमें से 6 लाख उसी एरिया से हैं, जिस पर इजरायल कब्जा करना चाहता है। यह पूरा मसला तब शुरू हुआ था, जब अयातुल्लाह अली खामनेई के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह ने बदला लेने की कोशिश कर इजरायल पर हमले किए थे। फिर इजरायल ने जवाबी प्रतिक्रिया में लेबनान को टारगेट किया है। हिजबुल्लाह, हूती और हमास को ईरान के समर्थन वाले उग्रवादी समूह माना जाता है।

हूती का बेस यमन में है, वहीं हिजबुल्लाह लेबनान में सक्रिय है। हमास लंबे समय से गाजा पट्टी में सक्रिय ही है। गौरतलब है कि इजरायल ने ईरान के साथ ही इन तीनों को भी अपने लिए खतरा मानते हुए लगातार हमले किए है। हिजबुल्लाह का कहना है कि जंग के दौरान इजराइल के 44 ठिकानों पर हमले किए हैं। इस संघर्ष में इजरायल के 10 सैनिक भी मारे गए हैं। इजरायल डिफेंस फोर्सेज का कहना है कि हिजबुल्लाह ने उनके ऊपर करीब 5 हजार रॉकेट दागे हैं। इसके अलावा ड्रोन और मोर्टार के जरिए भी हमले किए गए हैं।

माऊंट एवररेस्ट पर चढ़ाई से जुड़ा इंश्योरेंस घोटाला आया सामने

काठमांडू,(ईएमएस)। माऊंट एवररेस्ट पर चढ़ाई से जुड़ा चौंकाने वाला इंश्योरेंस घोटाला सामने आया है, जिसमें शेरपाओं सहित कई संगठनों पर पर्वतारोहियों को जानबूझकर बीमार करने का आरोप लगा है। इस कथित स्कैम की कुल राशि लगभग 20 मिलियन डॉलर के करीब है।

रिपोर्ट के अनुसार एक जांच में खुलासा हुआ कि नेपाल पुलिस ने मामले में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों में ट्रेकिंग एजेंसियों के मालिक, हेलिकॉप्टर कंपनियों के संचालक और अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इन सभी पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

जांच में सामने आया कि कुछ शेरपा, जो ट्रेकिंग एजेंसियों के साथ काम करते थे, वे पर्वतारोहियों के खाने में चुपके से बेकिंग सोडा मिलते थे। अधिक मात्रा में बेकिंग सोडा लेने से पेट दर्द, उल्टी और कमजोरी जैसी समस्याएं होती हैं। ये लक्षण ऊंचाई पर होने वाली बीमारी जैसे ही लगते थे, जिससे किसी को शक नहीं होता था। जब पर्वतारोही बीमार पड़ जाते थे, तब उन्हें तुरंत हेलिकॉप्टर से नीचे लाने का दबाव बनाया जाता था। पहाड़ों पर हेलिकॉप्टर रेस्क्यू बेहद महंगा होता है, और यही स्कैम का मुख्य हिस्सा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर कंपनियां और अस्पताल मिलकर फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और बिल तैयार करते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर अंतरराष्ट्रीय इंश्योरेंस कंपनियों से भारी-भरकम क्लेम वसूला जाता था। बाद में इस रकम को सभी संबंधित पक्ष आपस में बांट लेते थे।

यह मामला तब उजागर हुआ जब जनवरी में तीन रेस्क्यू कंपनियों के छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि एक कंपनी ने 1,248 रेस्क्यू का दावा किया, जिसमें से 171 पूरी तरह फर्जी थे। इस कंपनी ने अकेले ही करीब 10 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। अन्य कंपनियों ने भी लाखों डॉलर के फर्जी क्लेम किए। इस घोटाले के कारण नेपाल के पर्यटन उद्योग की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है। कई अंतरराष्ट्रीय इंश्योरेंस कंपनियों ने नेपाल में यात्रियों का बीमा करना बंद कर दिया है। पुलिस का कहना है कि सख्त कार्रवाई के बिना इसतरह घोटालों पर रोक लगाना मुश्किल होगा।

अमेरिकी सैन्य नेतृत्व में फेरबदल, रक्षा मंत्री ने आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को पद से हटाया

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख (आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ) जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का कड़ा निर्देश दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण भू-राजनीतिक तनाव के बीच उठाए गए इस कदम ने पेंटागन और वैश्विक रक्षा गलियारों में खलबली मचा दी है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने अपना पद त्याग दिया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सेना के 41वें प्रमुख के पद से तत्काल रिटायर हो रहे हैं। विभाग ने उनकी दशकों की सेवा के लिए आभार व्यक्त किया है। जनरल जॉर्ज की जगह अब सेना के उप प्रमुख जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। वे तब तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे जब तक कि सीनेट द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। गौरतलब है कि जनरल जॉर्ज ने सितंबर 2023 में यह

पद संभाला था और उनके चार साल के कार्यकाल में अभी लगभग डेढ़ साल का समय शेष था। हेगसेथ के रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद जॉर्ज पद से हटाए जाने वाले सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई केवल एक पद तक सीमित नहीं है, जॉर्ज के साथ दो अन्य वरिष्ठ जनरलों को भी हटाया गया है, जो सेना के प्रशिक्षण और चैपलेंसी कार्यों की देखरेख कर रहे थे। इस आकस्मिक बदलाव पर अमेरिका के भीतर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जनरल जॉर्ज एक उत्कृष्ट जनसेवक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री केवल अपनी बातों में हां में हां मिलाने वाले अधिकारियों को सेना के शीर्ष पर देखना चाहते हैं। विंडमैन ने सीधे तौर पर रक्षा मंत्री हेगसेथ की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन अधिकारियों को किनारे करना गलत है जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया।

ईरान में स्टील प्लांट, ब्रिज-अस्पताल मेडिकल लैब को कर दिया ध्वस्त

तेहरान,(ईएमएस)। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष अब एक अत्यंत विनाशकारी और खतरनाक चरण में प्रवेश कर गया है। अमेरिका और इज़रायल की वायु सेनाओं ने ईरान के भीतर सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब सिविलियन और आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्फ़हान के एयरपोर्ट और होर्मोज़गान के बंदरगाहों सहित रणनीतिक महत्व के कई नागरिक क्षेत्रों पर भारी बमबारी की गई है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया कड़े रुख के बाद शांति की उम्मीदें पूरी तरह टूटती नजर आ रही हैं और जंग अब एक ऐसी दिशा में मुड़ गई है जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

जंग के इस नए फेज का सबसे भयावह पहलू रिहायशी और मानवीय सहायता से जुड़े ठिकानों पर हो रहे हमले हैं। तेहरान में एक सदी पुराने पाश्चर इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित मेडिकल रिसर्च सेंटर,

प्रमुख पुलों, अस्पतालों और स्टील प्लांटों को तबाह किया जा रहा है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा और जिनेवा कन्वेंशन का सीधा उल्लंघन बताते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और रेड क्रॉस से हस्तक्षेप की अपील की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन हमलों का उद्देश्य केवल सैन्य क्षमता घटाना नहीं, बल्कि ईरान की सप्लाई चेन और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर उसे पाषाण युग में धकेलना है। जमीनी हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी के अंत से अब तक ईरान में अमेरिकी और इज़रायली हमलों में करीब 2,076 लोग जान गंवा चुके हैं, जबकि 26,500 से अधिक घायल हुए हैं। उधर, इज़रायली सेना ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के 40 से अधिक लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है, जिसके जवाब में हिज़्बुल्लाह ने भी उत्तरी इज़रायल पर मिसाइलें दागी हैं।

भारत समेत अन्य देशों से समझौतों के चलते व्यापार घाटे में रिकॉर्ड कमी : अमेरिका

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी प्रशासन ने अपनी नई व्यापारिक और टैरिफ नीतियों के एक साल पूरे होने पर लिबरेशन डे के रूप में अपनी उपलब्धियों का ब्यौरा साझा किया है। व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत सहित दुनिया के कई प्रमुख देशों के साथ किए गए नए व्यापार समझौतों ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। प्रशासन के अनुसार, इन नीतियों के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था न केवल अधिक प्रतिस्पर्धी हुई है, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में भी खरबों डॉलर का निवेश वापस लौटा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026

के बीच अमेरिका का वस्तु व्यापार घाटा पिछले वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत तक घटा है, जो अमेरिका फर्स्ट नीति की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले एक साल में 20 से अधिक नए व्यापार समझौते किए गए हैं, जो वैश्विक जीडीपी के आधे से अधिक हिस्से को कवर करते हैं। इन समझौतों ने भारत, जापान, वियतनाम और अर्जेंटीना जैसे बड़े साझेदारों के साथ गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया है, जिससे अमेरिकी कृषि, ऊर्जा और औद्योगिक उत्पादों के लिए नए बाजार खुले हैं। विशेष रूप से चीन के साथ व्यापार घाटे में 32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। साल 2000 के बाद यह पहली बार हुआ है कि चीन अब वह देश नहीं रहा जिसके साथ अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापार घाटा हो। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ के साथ घाटा 40 प्रतिशत कम हुआ है और स्विट्जरलैंड के साथ व्यापार में सरप्लस दर्ज किया गया है। प्रशासन का तर्क है कि टैरिफ का बोझ विदेशी उत्पादक खुद उठा रहे हैं, क्योंकि प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए उन्होंने कीमतों में कटौती की है।

ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में मचाई तबाही, ड्रोन फैक्ट्री को उड़ाया

तेहरान,(ईएएमस)। अमेरिका-इजराइल लगातार ईरान पर हमले कर रहे हैं। इस जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुका है। दोनों ओर से मिसाइल हमले जारी हैं। ईरान ने इजराइल के पेटा टिकवा में एक ड्रोन फैक्ट्री को उड़ा दिया। ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल ने इजराइल में तबाही मचा दी है, पूरी फैक्ट्री खंडहर में तब्दील हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के सेंट्रल में पेटा टिक्वा वह जगह है, जहां ईरान की मिसाइल आकर गिरी। इस हमले से हुई भारी तबाही और विनाश साफ दिख रहा है, इजराइल में इस हमले की भयानक तस्वीरें सामने आई हैं उससे ईरान की सुपरसोनिक मिसाइल के असर का अंदाजा लगाया जा सकते हैं कि एक पूरा कारखाना खंडहर बन गया है। माना जा रहा है कि यह फैक्ट्री इज़राइल की रक्षा जरूरतों के लिए ड्रोन तकनीक से जुड़ी थी। यह मिसाइल जहां गिरी वहां बड़ा गड्ढा बन गया। पास में ही ऊंची-ऊंची रिहायशी इमारतें भी हैं. अगर यह मिसाइल इधर-उधर गिरती तो भारी जनहानि हो सकती थी। हालांकि, मिसाइल एक खुले इलाके में गिरी, जिससे नुकसान कुछ हद तक सीमित रहा, लेकिन इसके बावजूद फैक्ट्री पूरी तरह तबाह हो गई। मशीनें जल चुकी हैं, एसी यूनिट्स, वायरिंग और इंसुलेशन सब बाहर निकल आए हैं। यह दृश्य दिखाता है कि मिसाइल का असर कितना जबरदस्त था।

यह बड़ा सवाल है कि तमाम दावों के बावजूद इज़राइल का मिसाइल डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को रोक नहीं सका। यह मिसाइल कैसे इस सुरक्षा कवच को भेदते हुए यहां तक पहुंची, यह जांच का विषय है। वाहनों और इमारत के बाकी हिस्से इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑर्राउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी। **दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह : गुजरात टाइटंस** : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है। प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

मुंबई इंडियंस से जुड़े कीवी सैंटनर और जैक्स, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उतरने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के स्टार स्पिनर मिचेल सैंटनर मुंबई इंडियंस की अपनी टीम से जुड़ गये हैं। ऐसे में अब शनिवार को आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उतर सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग मैच से पहले गुरुवार को मुंबई इंडियंस की टीम से जुड़ गए। सैंटनर के अलावा इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स भी मुम्बई से जुड़ गये हैं। मुंबई इंडियंस ने अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया था। सेंटनर और जैक्स ने टी20 विश्वकप के बाद आईपीएल से देर से जुड़ने की अनुमति मांगी थी। वहीं टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा था कि इन दोनो ने ही निजी कारण बताये थे। इसी कारण इन दोनों खिलाड़ियों को निजी कारणों से कुछ और समय दिया।तब जयवर्धने ने कहा था, जो खिलाड़ी देर से टीम में शामिल होंगे वे सेंटनर और जैक्स हैं। दोनों ने निजी कारणों से थोड़ा और समय मांगा था और हमें इसमें कोई परेशानी नहीं थी पर बहुत जल्द टीम में शामिल हो जाएंगे। सैंटनर ने हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप में 6.60 की इकॉनमी से दो विकेट लिए और 142.85 के स्ट्राइक रेट से 120 रन बनाए। ऐसे में उनके शामिल होने से मुम्बई का स्पिन आक्रमण मजबूत होगा। वहीं जैक्स के टीम में आने से एक गेंदबाज के साथ ही अतिरिक्त बल्लेबाज भी मिलेगा।

पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और स्पिनर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकिं अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

61 पर पंजाब को पहला झटका, प्रियांश आर्या 39 रन बनाकर आउट, मैट हेनरी को मिली सफलता

चेन्नई । आज आईपीएल 2026 का सातवां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच चेन्नई के चेपॉक में खेला जा रहा है। इस मैच में सीएसके की नजरें पहली जीत दर्ज करने पर हैं, जबकि पंजाब लगातार दूसरा मुकाबला जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी है। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी है।पंजाब को पहला झटका मैट हेनरी ने दिया। उन्होंने प्रियांश आर्या को अपना शिकार बनाया। वह 11 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब प्रभसिमरन सिंह का साथ देने कूपर कोनोली आए हैं।पंजाब की पारी शुरू हो चुकी है। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह क्रीज पर मौजूद हैं।चेन्नई ने पंजाब के सामने 210 रनों का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 209 रन बनाए। उनके लिए आयुष म्हात्रे ने सर्वाधिक 73 रनों की पारी खेली। वहीं, पंजाब के लिए विजयकुमार विशक ने दो विकेट लिए जबकि जेवियर बार्टलेट, मार्को यानसेन और युजवेंद्र चहल ने एक-एक सफलता अपने नाम की।चेन्नई को पांचवां झटका विजयकुमार ने दिया। उन्होंने सरफराज खान को नेहाल वढेरा के हाथों कैच कराया। वह 32 रन बनाकर लौटे। अब शिवम का साथ देने प्रशांत वीर आए हैं।

15 ओवर का खेल पूरा हो चुका है और चेन्नई ने चार विकेट पर 145 रन बना लिए हैं। आयुष म्हात्रे 73 और कार्तिक शर्मा एक रन बनाकर आउट हुए। अब शिवम दुबे और सरफराज खान क्रीज पर मौजूद हैं। चेन्नई को दूसरा झटका चहल ने दिया। उन्होंने नेहल वढेरा के हाथों ऋतुराज गायकवाड़ को कैच कराया। वह 22 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। अब आयुष म्हात्रे का साथ देने शिवम दुबे आए हैं।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन (ईएमएस)। आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा , 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं। अभिषेक के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा। सनराइजर्स के लिए सबसे अधिक 143 छक्के ऑस्ट्रेलिया के वार्नर ने लगाये हैं। वहीं अभिषेक 101 छक्कों के साथ दूसरे जबकि दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन 89 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 64 छक्कों के साथ चौथे और ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रैविस हेड 50 छक्कों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

बार्सिलोना में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई बार्सिलोना और रियल मैड्रिड की टीमें।

मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप मुकाबले में खेलते हुए स्वीडन के टूल मोरगार्ड।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा। धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है।साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब नर्मिंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

पीटरसन ने की दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी की तारीफ

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बल्लेबाज समीर रिजवी की जमकर प्रशंसा की है। रिजवी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। पीटरसने पिछले साल कैपिल्स के मेंटर रहे थे। उनका कहना है कि पिछले सीजन में ही उन्होंने समीर की प्रतिभा देख ली थी। तभी से वह इस युवा बल्लेबाज के खेल से प्रभावित हैं। उन्होंने टीम प्रबंधन से अपील की है कि वह इस युवा का साथ देते रहे। जिससे उसका आगे भी इसी प्रकार खेलने के लिए मनोबल बढ़ता रहे। पीटरसन ने कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और इसमें मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था। उन्होंने एक अभ्यास मैच में भी शतक बनाया था पर टूर्नामेंट के पहले चरण में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सत्र के बाद के हिस्से में उन्हें अवसर मिला, तो उनकी क्षमताएं सभी ने देखीं। तब हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा इसमें काफी संभावनाएं नजर आती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप किसी युवा खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं, तो आपको यह विश्वास होना चाहिए कि वह खिलाड़ी आपके भरोसे पर खरा उतरेगा, और उसने इस मैच में ठीक वैसा ही किया है। उसने दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कोच के उस फैसले का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर से पहले ट्रिस्टन स्टब्स को बल्लेबाजी के लिए भेजा था।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा मैच

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की। दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल है । ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाभ में रहती है। इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी। दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं। अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं। पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष-5 गेंदबाजों में आरसीबी के जैकब डफी, दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन और गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं।

अभिषेक पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा

कोलकाता (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आचारसंहिता उल्लंघन के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर जुर्माना लगा है। अभिषेक पर जुर्माने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। अभिषेक ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में 21 गेंदों पर तेजी से 48 रन बना दिये। इस दौरान अभिषेक ने चार चौके और इतने ही छक्के लगाये। वह ब्लेसिंग मुजरबानी की गेंद पर कैच आउट हुए और माना जा रहा है इसी को लेकर हुए विवाद में माना जा रहा है कि उनपर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए जुमाना लगा है। अभिषेक का कैच वरुण चक्रवर्ती ने पकड़ा पर ये स्पष्ट नजर नहीं आ रहा था पर तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया जिससे वह नाराज थे। उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और एक नकारात्मक अंक भी उनके खाते में दर्ज किया गया है। अभिषेक ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध माना और मैच रेफरी द्वारा लगाई गई सज़ा को भी मान लिया। नियमों के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन पर फैसला रैफरी ही करते हैं। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 226 रन बनाये। ट्रैविस हेड 46 और अभिषेक 48 रन बनाकर आउट हुए।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

अमेरिका की टीम से खेल रहे भारतीय मूल के मिलिंद कुमार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की ओर से खेलने वाले मिलिंद कुमार आज अमेरिका की राष्ट्रीय टीम से खेल रहे हैं। मिलिंद कुमार ने एकदिवसीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं। उन्होंने केवल 21 पारियों में 1016 रन 67.73 के शानदार औसत से बनाये हैं। वह 155 रन बनाकर पारी समाप्त (नाबाद) करने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इसके अलावा 21 पारियों में तेजी से रन बनाकर 1000 का आंकड़ा भी उन्होंने हासिल किया था पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी क्योंकि उनका मुकाबला विराट कोहली जैसे खिलाड़ी से था। विराट भी तब दिल्ली से खेलते थे।

दुमका में छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

दुमकाःवीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर दुमका के सरदार पटेल चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सिविल सोसायटी, पटेल सेवा संघ और शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच दुमका के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शिवाजी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति को याद किया। वक्ताओं ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों और संघर्षों से प्रेरणा लेनी चाहिए।इस अवसर पर डॉ. बीके पीयूष, सिविल सोसायटी दुमका के उपाध्यक्ष प्रेम केसरी, विविध सचिव संदीप कुमार, जय बमबम, राजेश कुमार चौरसिया, पवन कुमार झा, रुद्रांश, इंदु चौबे, बबीता देवी, अर्चना देवी, रंजु देवी, कंचन देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

14 अप्रैल को बाबा साहब अंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

दुमकाःसंविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती को भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से मनाने के लिए झारखंड दलित समाज (जेडीएस) ने दुमका सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने 14 अप्रैल को होने वाले जयंती महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा साझा की। जेडीएस के पदाधिकारियों ने बताया कि 14 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे से दुमका के एसपी कॉलेज मैदान में जयंती महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर भव्य अंबेडकर मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र होंगी। खोरठा के प्रसिद्ध गायक सतीश दास, राकेश दास और राजेश दीवाना अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा साहब को संगीतमय श्रद्धांजलि देंगे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुमका विधायक सह पूर्व कैबिनेट मंत्री बसंत सोरेन को आमंत्रित करने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, सांसद नलिन सोरेन, जामा विधायक लुईस मरांडी तथा शिकारीपाड़ा विधायक आलोक

कुमार सोरेन के भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। झारखंड दलित समाज ने जिलेवासियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें संजय असंगा, रंजीत तुरी, मिथुन दास, विशाल हरि, प्रदीप मिर्धा, परेश मिर्धा समेत अन्य लोग शामिल थे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 19 का कटा चालान

दुमकाःगोबिंदपुर-साहेबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना गेट के सामने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के निर्देश पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के नेतृत्व में चला।वाहन जांच अभियान के दौरान आवाजाही करने वाले दो पहिया, चार पहिया और मालवाहक वाहनों के गाड़ी की डिक्की, रजिस्ट्रेशन नंबर, इंश्योरेंस, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सिल्ट वेल्ट आदि की जांच की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन कर परिवहन कर रहे 19 वाहन चालकों का चालान काटा गया। इस मौके पर एसआई धरमल मांझी, एसआई भरत भूषण सिंह, एएसआई राजन सिंह, बृज मोहन सिंह सहित कई पुलिस जवान मौजूद थे।

सुभाष चौक पर सादगी की झलकः रवींद्रनाथ महतो पुराने साथी संग चाय पर डूबे यादों में, लोगों ने कहा—ऐसा नेता ही असली जननायक

जामताड़ा झारखंड की राजनीति में अपनी सादगी और जमीनी जुड़ाव के लिए पहचाने जाने वाले रवींद्रनाथ महतो एक बार फिर अपनी सहजता और आत्मीयता को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को वे अचानक जामताड़ा शहर के सुभाष चौक स्थित अंसारी मेडिकल पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पुराने साथी डॉ. अब्दुल मन्नान अंसारी से मुलाकात की। इस अनौपचारिक मुलाकात में दोनों पुराने साथियों ने चाय की चुस्कियों के साथ लंबा समय बिताया। बातचीत का सिलसिला महज हालचाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वर्षों पुराने उस दौर तक जा पहुंचा जब दोनों सामाजिक और जनआंदोलनों में कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया करते थे। संघर्ष की कहानियां, आंदोलन की यादें और साथ बिताए पल इस मुलाकात में जैसे फिर से जीवंत हो उठे। स्थानीय लोगों के लिए यह दृश्य बेहद खास

और प्रेरणादायक रहा। एक ओर राज्य के उच्च पद पर आसीन नेता, तो दूसरी ओर अपने पुराने साथी के छोटे से प्रतिष्ठान में बिना किसी औपचारिकता के बैठकर चाय पीना—इसने लोगों का दिल जीत लिया। आसपास मौजूद लोगों ने इस पल को करीब से देखा और रवींद्रनाथ महतो की सादगी की जमकर सराहना की। आज के दौर में जहां राजनीतिक हस्तियां अक्सर प्रोटोकॉल और सुरक्षा घेरे में सीमित हो जाती हैं, वहीं रवींद्रनाथ महतो का इस तरह सहज रूप से अपने पुराने साथियों के बीच पहुंचना उनके व्यक्तित्व की खास पहचान को दर्शाता है। वे न केवल अपने पद की गरिमा बनाए रखते हैं, बल्कि अपने अतीत और जड़ों से भी गहरा जुड़ाव रखते हैं। डॉ. अब्दुल मन्नान अंसारी ने इस मुलाकात पर खुशी जताते हुए कहा कि इतने व्यस्त समय के बावजूद उनका यहां आना पुराने रिश्तों की सच्चाई और मजबूती को दर्शाता है। उन्होंने इसे अपने जीवन का बेहद खास और यादगार पल बताया। यह मुलाकात एक बार फिर साबित करती है कि असली नेतृत्व वही होता है, जो ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद भी अपने लोगों और अपने अतीत को नहीं भूलता। रवींद्रनाथ महतो की यही सादगी और अपनापन उन्हें जनता के बीच और भी लोकप्रिय बनाता है।

ओवरब्रिज बना हादसों का हॉटस्पॉट तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक गंभीर घायल, चालक फरार

जामताड़ा जिला अंतर्गत फतेहपुर प्रखंड के बिंदापाथर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना गोविन्दपुर–साहेबगंज स्टेट हाईवे पर डुमरिया मोड़ के पास ओवरब्रिज पर घटी । प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंबाबांक निवासी प्रबोध सिंह का पुत्र परितोष सिंह प्रतिदिन की भांति गुरुवार के रात करीब 9 बजे खाना खाने के बाद अपने घर से दुकान की ओर जा रहे थे, इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को संभाला और प्राथमिक उपचार दिया। इसी दौरान समाजसेवी भुवन दत्ता मौके पर पहुंचे और अपने निजी वाहन से घायल को तुरंत सरमुड़ी स्थित डॉक्टर उत्तम पंडित के क्लिनिक ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार परितोष सिंह की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गौरतलब है कि इसी ओवरब्रिज पर 31 मार्च को भी एक दर्दनाक हादसा हुआ था, जिसमें एक अज्ञात ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार 60 वर्षीय श्रीनिवास चौधरी उर्फ शिरू की मौके पर ही मौत हो गई थी। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर रात्रि गश्ती बढ़ाई जाए और वाहनों की गति पर सख्त नियंत्रण किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

डीएसओ ने किया लैम्प्स का निरीक्षण

दुमकाःजिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजशेखर ने शुक्रवार को विभागीय निर्देशानुसार जिले के रामगढ़, कुरमाहाट एवं नवाडीह लैम्प्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से धान अधिप्राप्ति कर गोदाम में किए गए भंडारण का भौतिक सत्यापन किया। इस मामले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजशेखर ने बताया कि उक्त तीनों लैम्प्सो में भंडारण सही पाया गया तथा भंडार पंजी के साथ मिलान किया गया। इस दौरान रामगढ़ लैम्प्स के सहायक प्रबंधक विद्यानंद भगत मौजूद थे। मौके पर उन्होंने लैम्प्स प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि वह अपने संबंधित चावल मिलों में धान भेजकर प्राप्ति रसीद प्राप्त कर ले ताकि समय अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि जिला के सभी लैम्प्स के भंडारण का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है|

कहीं भी गड़बड़ी पाई गई तो उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बरसात के पूर्व धान को मील भेजने का निर्देश दिया। रामगढ़ लैम्पस की जांच के उपरांत जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगढ़ स्थित राज्य खाद्य निगम गोदाम भी पहुंचे जहां गोदाम में अनाज के भंडारण तथा वितरण की जानकारी ली। मौके पर खाद्य आपूर्ति विभाग के दीपक कुमार भी मौजूद थे।

जामताड़ा बना संगठन का केंद्र

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की पहली प्रदेश बैठक, जुटे20, जिलों के प्रति निधि

मोहन भैया को दिया गया प्रदेश अध्यक्ष का कमान,, ज्ञानदेव झा को प्रदेश प्रधान महासचिव का दायित्व

शिरोमणि यादव

जामताड़ा । फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन झारखंड राज्य के निबंधन के बाद पहली बार संथाल परगना प्रमंडल के जामताड़ा जिला में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मोहन प्रसाद भैया ने की, जिसमें राज्य के 24 में से 20 जिलों के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निबंधन संख्या 366/2025 के तहत नवगठित प्रदेश कमेटी का विस्तार किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने मां चंचला की पावन धरती पर एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। **ऐसे हुआ प्रदेश कमेटी का गठन** : प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मोहन प्रसाद भैया (जामताड़ा) को जिम्मेदारी दी गई, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह (धनबाद) बनाए गए। उपाध्यक्ष पद पर अखिलेश कुमार सिंह, मनोहर सिंह, राजेंद्र प्रसाद शाह, मोहन प्रसाद साह और अब्दुल्लाह अंसारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रदेश प्रधान महासचिव के रूप में ज्ञानदेव झा (रांची) और महासचिव के रूप में प्रमोद गुप्ता (जमशेदपुर) का चयन हुआ। प्रदेश सचिव मंडल में पंकज कुमार, जयप्रकाश सिंह, विनोद भगत, शिरोमणि यादव, दीनानाथ राय, गोपाल विश्वकर्मा और के. सिंह को शामिल किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर राहुल कुमार पांडेय और विक्रांत गुप्ता (रांची) को जिम्मेदारी दी गई। महिला समूह में वैजयंती माला (गोड्डा) को प्रदेश अध्यक्ष, जबकि अमरावती और जूही दास गुप्ता को सचिव बनाया गया। इसके अलावा संगठन सचिव के रूप में अभय कुमार सिंह और रणजीत सिंह, मीडिया प्रभारी के रूप में देव कुमार साव तथा अनुशासन समिति के संयोजक के रूप में समीर चंद्र गुनाईत को दायित्व सौंपा गया। वहीं दुमकाजिला के जिला अध्यक्ष के लिए राजेंद्र साह के नाम की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किया गया। **संगठन को मजबूत करने का संकल्प** : बैठक में कृष्ण चंद्र महतो, मनोज महतो, सरफुद्दीन अंसारी, पांडव यादव, महेंद्र यादव, शांति घोष, वासेद अली, रविंद्र मंडल, अनिल कुमार गुप्ता, रघुनाथ मंडल, तारिणी पोद्दार, सिराजुद्दीन अंसारी, सोनू झा, नजरुल अंसारी, ललित पंडित और शंभू राय सहित बड़ी संख्या में जन वितरण विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य मौजूद रहे।कार्यक्रम के समापन पर संगठन को राज्य स्तर पर सशक्त बनाने और जन वितरण प्रणाली से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का संकल्प लिया गया। **सफल आयोजन पर मिली बधाई** : जामताड़ा में सफल आयोजन को लेकर प्रदेश प्रधान महासचिव ज्ञानदेव झा सहित विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने जिला सचिव अनिल गुप्ता, पांडव यादव, रविंद्र मंडल, सिराज अंसारी, नजरुल अंसारी और वासेद अली सहित सभी स्थानीय सदस्यों को बधाई दी।यह बैठक न केवल संगठनात्मक मजबूती का संकेत है, बल्कि आने वाले समय में जन वितरण प्रणाली से जुड़े मुद्दों को संगठित रूप से उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी मानी जा रही है।

चुटोनाथ मंदिर परिसर में आगामी गुरुवार को होने वाली वार्षिक चड़क पूजा को लेकर बैठक का आयोजन

दुमकाःजामा प्रखंड अंतर्गत गादी चूटो स्थित चुटो नाथ मंदिर परिसर में गुरुवार देर शाम को बाबा चुटोनाथ मुख्य द्वार के समीप वार्षिक चड़क पूजा के सफल आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संजय राय के अध्यक्षता में आयोजित की गई।जिसमें 22 मौजा के ग्रामीणों, ग्राम प्रधानों एवं चड़क पूजा समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में इस वर्ष चड़क पूजा के आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया तथा सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए, जिसमें मुख्य रूप से बाबा चुटोनाथ मुख्य द्वार से मंदिर

तक लाइट एवं सजावट की समुचित व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने बताया कि चड़क पूजा को देखते हुए मुख्य द्वार से मंदिर तक साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा।इस वर्ष भी रात्रि जागरण एवं मेला का आयोजन समिति एवं ग्रामीणों की देखरेख में शांतिपूर्वक किया जाएगा।श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु शिव गंगा में महिलाओं के लिए कपड़ा बदलने (चेंजिंग रूम) की व्यवस्था एवं साफ-सफाई की जाएगी। दिनांक 04 अप्रैल से 13 अप्रैल तक दुमका बाजार में वार्षिक चड़क पूजा का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।शिव गंगा की खुदाई कार्य लगभग 85 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है और आगे भी जारी रखने हेतु स्वेच्छा से चंदा एकत्रित किया जाएगा, ताकि सफाई एवं शेष कार्य को पूर्ण किया जा सके।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी अध्यक्ष संजय राय ही वार्षिक चड़क पूजा के अध्यक्ष बने रहेंगे तथा उन्हें पूजा की समस्त जिम्मेदारियां सौंपी गईं। समस्त ग्रामीणों, समिति सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से सहयोग एवं सहभागिता की अपील की जाती है, ताकि यह आयोजन सफल एवं भव्य हो सके।

खूंटी में गुड फ्राइडे को लेकर मसीहियों ने विशेष प्रार्थनाएं की

खूंटी(ईएमएस)। गुड फ्राइडे मसीहियों के लिए खास दिन माना जाता है। 40 दिनों के उपवास और परहेज के बाद ईसा मसीह सलीब पर चढ़ाकर ठोंके जाते हैं और उनके सिर पर कांटों का मुकुट पहनाया जाता है। ईसा मसीह दुनिया के लोगों को पाप की दासता से मुक्ति दिलाने के लिए सलीब पर मरना स्वीकार किया। क्रूस की यातनाएं सही, कोड़ों की मार खाई और कलवारी पहाड़ की शोकमयी यात्रा करते हुए पिता परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया।हालांकि गुड फ्राइडे के दिन मसीही गहरे शोक में रहते हुए विशेष प्रार्थनाएं करते हैं और ईसा मसीह के दुखभोग का स्मरण करते हैं। बाइबिल के अनुसार पिता परमेश्वर ने दुनिया के लोगों से प्रेम का प्रमाण अपने इकलौते पुत्र के बलिदान द्वारा दिया। ईसा मसीह का क्रूस पर बलिदान मसीहियों के विश्वास, प्रेम और आशा का प्रतीक बन गया।

ईसा मसीह जानते थे कि उन्हें क्रूस पर मरना होगा और तीन दिनों बाद पुनर्जीवित होकर आमजनों की मुक्ति का माध्यम बन जाएंगे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के दिन भारी यातनाएं सहते हुए भी ईसा ने सबको माफ कर दिया। ईसा के साथ दो अन्य डाकू भी क्रूस पर बंधे थे। एक डाकू ने कहा कि जब आप स्वर्ग में होंगे तो मुझे भी याद करिएगा। तब ईसा मसीह ने भले डाकू से कहा कि तुम आज ही मेरे साथ स्वर्ग में होगे। खूंटी के संत मिखाएल चर्च में मसीहियों ने यीशु मसीह के क्रूस की यात्रा को चौदह स्थानों के माध्यम से याद किया और झांकी के द्वारा क्रूस की यात्रा को जीवन्त रूप से प्रदर्शित किया। झांकी का प्रदर्शन करते हुई खूंटी युवा संघ के सदस्य ईसाईयों के विश्वास को मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। क्रूस रास्ता की दुखमयी यात्रा से मसीही रोमन साम्राज्य के दिनों को जीवन्त करते हैं और मसीह के प्रेम तथा मरण तक आज्ञाकारिता की मिसाल स्थापित करते हैं। गुड फ्राइडे मसीहियों के लिए महाशोक का दिन होते हुए भी पुनर्जीवन, आशा और प्रेम का अद्भुत उदाहरण बन गया और उसकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष चालीसा काल के उपरांत गुड फ्राइडे मनाया जाता है। गुड फ्राइडे के बाद तीसरे दिन ईस्टर अर्थात पास्का पर्व की उम्मीदें जुड़ जाती हैं और इसे ही पास्का रहस्य कहा जाता है। ईसा मसीह का मरकर जी उठना ही मसीहियों के विश्वास की मूल अवधारणा बन गई।

पुण्य शुक्रवार पर उमड़ा आस्था का सागर

संत मेरीज चर्च नोवामुडी में प्रभु यीशु के दुःखभोग का भावपूर्ण स्मरण

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।नोवामुडी स्थित संत मेरीज चर्च में पुण्य शुक्रवार के पावन अवसर पर प्रभु यीशु मसीह के दुःखभोग का स्मरण अत्यंत भक्तिमय और प्रार्थनामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक भावनाओं की अद्भुत छटा देखने को मिली, जिसने उपस्थित हर श्रद्धालु के हृदय को भाव-विभोर कर दिया।कार्यक्रम का आरंभ दोपहर तीन बजे क्रूस मार्ग (क्रुस रास्ता) के साथ हुआ, जो गिरजाघर के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर बैचलर होस्टल होते हुए पुनः चर्च प्रांगण में संपन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालु प्रभु के कष्टों को स्मरण करते हुए प्रार्थना और भजन में लीन रहे।इसके पश्चात प्रभु यीशु के दुःखभोग की मार्मिक कथा सुनाई गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहरे आध्यात्मिक चिंतन में डुबो दिया। पल्ली पुरोहित फादर जोर्ज एक्का ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा कि क्रूस, जो कभी अपमान और दंड का प्रतीक माना जाता था, वही प्रभु यीशु के बलिदान से प्रेम, आशा, शांति और पवित्रता का प्रतीक बन गया। उन्होंने कहा कि प्रभु ने मानवता को पापों से मुक्त करने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया, और उनके इस बलिदान से ही हमें सच्ची मुक्ति और बुराई पर विजय प्राप्त होती है।उन्होंने आगे कहा कि यह दिन हम सभी के लिए प्रेम, त्याग और क्षमा का जीवंत संदेश लेकर आता है, जो हमें अपने जीवन में प्रभु के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इस पुनीतपावन अवसर पर संत मेरीज स्कूल की सभी सिस्टर्स, अजित होरो,प्रतिमा, अनुभा,ग्रोथती एक्का, मनोज लकड़ा, संगीता लकड़ा, मरियम धनवार किशोर धनवार,दीपक कुजुर सहित बड़ी संख्या में ईसाई श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर प्रार्थना और भक्ति के माध्यम से इस दिन को अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया।पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि प्रभु का प्रेम असीम है, और उनका बलिदान मानवता के लिए सदैव प्रेरणा का माध्यम है।

तीन नाबालिग अनाथ बच्चों का सहारा बने समाजसेवी सलीम कुरैशी

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)। गुवा थाना क्षेत्र के नुईया गांव में रहने वाले स्वर्गीय दूनी चाम्पिया के निधन के बाद उनके तीन नाबालिग बच्चों की जिंदगी मुश्किलों से घिर गई है। 10 वर्षीय गीता चाम्पिया, 8 वर्षीय जानों चाम्पिया एवं 6 वर्षीय वीरसिंह चाम्पिया पहले अपनी मां नंदी चाम्पिया के साथ रह रहे थे। करीब एक वर्ष पूर्व बीमारी के कारण उनके पिता का देहांत हो गया, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हो गई। पति की मृत्यु के कुछ महीनों बाद बच्चों की मां ने दूसरी शादी कर ली और तीनों बच्चों को उनकी नानी के पास छोड़कर चली गई। इसके बाद बच्चों के सामने भरण-पोषण की गंभीर समस्या खड़ी हो गई। नानी की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं होने के कारण बच्चों का ठीक से पालन-पोषण नहीं हो पा रहा था। इसी बीच जब गुवा बाजार निवासी समाजसेवी सलीम कुरैशी को इस स्थिति की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने बच्चों के लिए राशन, कपड़े और जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई, जिससे उनकी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी हो सकें। इसके साथ ही सलीम कुरैशी ने मानवता का परिचय देते हुए तीनों बच्चों की पूरी जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि वे बच्चों के खाने-पीने का पूरा खर्च वहन करेंगे। उनके इस सराहनीय कदम से न केवल बच्चों को सहारा मिला है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की एक प्रेरणादायक मिसाल भी स्थापित हुई है।

साइबर अपराधी की गिरफ्तारी में बाधा, पुलिस–ग्रामीणों के बीच विवाद

जामताड़ा(ईएमएस)।साइबर अपराध के लिए देशभर में चर्चित जामताड़ा जिला एक बार फिर सुर्खियों में है. इस बार मामला नारायणपुर थाना क्षेत्र के तारासठिया गांव का है, जहां साइबर अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पहुंची पुलिस टीम का ग्रामीणों के साथ विवाद हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार,2अप्रैल को जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस सब इंस्पेक्टर हीरालाल महतो के नेतृत्व में नारायणपुर थाना क्षेत्र के तारासठिया गांव में एक संदिग्ध साइबर अपराधी को पकड़ने पहुंची थी।

इसी दौरान गांव के मुस्ताक अंसारी सहित करीब 50 से 60 की संख्या में मौजूद स्त्री-पुरुषों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए गिरफ्तारी का प्रयास रोक दिया।बताया जाता है कि इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।स्थिति बिगड़ती देख पुलिस टीम को वहां से लौटना पड़ा।घटना के बाद साइबर थाना के सब इंस्पेक्टर हीरालाल महतो ने नारायणपुर थाना में लिखित आवेदन देकर सरकारी कार्य में बाधा डालने की शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर नारायणपुर थाना कांड संख्या 33/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 189(2) एवं 122 के तहत एक नामजद एवं अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है और संबंधित आरोपियों की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बलिदान और मुक्ति का पावन दिनः गुड फ्राइडे, मानवता के लिए यीशु मसीह के त्याग को किया जाता है याद

जामताड़ा ईसाई धर्मावलंबियों के लिए आज का दिन अत्यंत खास और आस्था से जुड़ा हुआ है। गुड फ्राइडे के रूप में मनाया जाने वाला यह दिन यीशु मसीह के बलिदान की याद दिलाता है। मान्यता है कि इसी दिन उन्हें सलीब (क्रॉस) पर चढ़ाया गया था और उन्होंने मानवता को पापों से मुक्ति दिलाने के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। ईसाई परंपराओं के अनुसार, यीशु मसीह ने लोगों को सत्य और ईश्वर के मार्ग पर चलने का संदेश दिया और

अंततः मानव जाति के कल्याण के लिए अपना बलिदान दिया। यही कारण है कि इस दिन को "गुड" यानी पवित्र और मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। क्यों खास है यह दिन? गुड फ्राइडे ईसा मसीह के सूली पर चढ़ने और उनके बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिन भले ही शोक का प्रतीक माना जाता हो, लेकिन इसके पीछे मानवता के लिए किया गया महान त्याग छिपा है। बाइबिल के अनुसार, सूली पर चढ़ने के तीसरे दिन यीशु मसीह पुनर्जीवित हुए, जिसके उपलक्ष्य में रविवार को ईस्टर मनाया जाता है। इस दिन क्या करते हैं श्रद्धालु? गुड फ्राइडे को पर्व के रूप में नहीं, बल्कि बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस दिन चर्चों में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक विशेष प्रार्थनाएं होती हैं, क्योंकि यही समय यीशु मसीह के कष्टों का माना जाता है। चर्चों में सादगी और शोक का माहौल रहता है—घंटियां नहीं बजाई जातीं, मोमबत्तियां नहीं जलाई जातीं और वेदियों को खाली रखा जाता है। कई जगहों पर यीशु मसीह की अंतिम यात्रा का नाट्य रूपांतरण भी किया जाता है और 14 स्टेशनों के माध्यम से उनके कष्टों को याद किया जाता है। इस दिन लोग शांत रहते हैं, जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और यीशु मसीह के अंतिम शब्दों—"हे पिता, इन्हें क्षमा कर दे, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं"—को स्मरण करते हैं। ईसाई धर्म में यह दिन त्याग, कष्ट और मुक्ति का प्रतीक है, जो लोगों को प्रेम, क्षमा और सेवा का संदेश देता है।

लोदना क्षेत्र में सुरक्षा शपथ और जागरूकता रैली का आयोजन

धनबाद । बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र में आज कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सुरक्षा शपथ ग्रहण एवं सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सभी कर्मियों को सुरक्षित कार्य व्यवहार के प्रति प्रेरित करने पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत लोदना उत्पादन क्षेत्र सहित क्षेत्र की विभिन्न इकाइयों में सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को साझा किया गया, जिससे कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रोटोकॉल के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर लोदना क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार सिन्हा एवं प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अरिंदम कुंडू द्वारा उपस्थित सुरक्षा कर्मियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। साथ ही, अवर प्रबंधक श्री परवेज आलम एवं प्रबंधक (खनन) श्री अजित कुमार यादव द्वारा सुरक्षा संबंधी एसओपी पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए कर्मियों को व्यवहारिक स्तर पर सुरक्षा उपायों के पालन हेतु जागरूक किया गया।

सुरक्षा रैली के माध्यम से कर्मियों को 'सुरक्षा प्रथम' के संदेश के प्रति प्रेरित किया गया तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया कि प्रत्येक कार्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही संपादित हो।

बीसीसीएल द्वारा इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है, जिससे शून्य दुर्घटना (शून्य दुर्घटना) के लक्ष्य की दिशा में सतत प्रगति सुनिश्चित की जा सके तथा सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण का निर्माण हो।

बीसीसीएल की ई-नीलामी को जबरदस्त प्रतिक्रिया 8.23 लाख टन कोयले की रिकॉर्ड बुकिंग

धनबाद । बीसीसीएल द्वारा आयोजित ई-नीलामी (ई-नीलामी) प्रक्रिया को बाजार से बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। विभिन्न तिथियों पर आयोजित नीलामियों के माध्यम से कुल 8,23,500 टन कोयले की बुकिंग दर्ज की गई है, जो उपभोक्ताओं की मजबूत मांग एवं विश्वास को दर्शाता है।

ई-नीलामी के अंतर्गत कैश बैक डिस्काउंट ऑफर भी प्रदान किया गया, जिसके तहत वास्तविक उठाव (वास्तविक उठान) के आधार पर 600 प्रति टन तक की छूट दी जा रही है। इस पहल ने उपभोक्ताओं की भागीदारी को और अधिक बढ़ावा दिया है।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 18 मार्च से 02 अप्रैल के बीच आयोजित नीलामियों में रेल एवं सड़क मार्ग से कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए क्रमशः 6,72,000 टन (रेल) एवं 1,51,500 टन (सड़क) का आवंटन किया गया, जिससे कुल 8,23,500 टन का आंकड़ा प्राप्त हुआ।बीसीसीएल द्वारा आगामी 07 अप्रैल को आयोजित होने वाली ई-नीलामी में अतिरिक्त 2 लाख टन कोयले की बुकिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वर्तमान बाजार संकेतकों एवं पूर्व की नीलामियों की सफलता को देखते हुए इस लक्ष्य के प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है।

यह उपलब्धि न केवल बीसीसीएल की सुदृढ़ विपणन रणनीति को दर्शाती है, बल्कि देश में ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती मांग एवं औद्योगिक गतिविधियों में तेजी का भी संकेत देती है। कंपनी द्वारा पारदर्शी, प्रतिस्पर्धात्मक एवं उपभोक्ता-अनुकूल नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

बीसीसीएल भविष्य में भी ऐसी उपभोक्ता-अनुकूल पहलों के माध्यम से कोयले की निर्बाध एवं समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि गुणवत्ता एवं परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में भी बीसीसीएल निरंतर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। हाल ही में कंपनी के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों की कुल 12 प्रयोगशालाओं को नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेट्रीज़ (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त हुई है, जिससे कोयला गुणवत्ता जांच की विश्वसनीयता, सटीकता एवं मानकीकरण को और सुदृढ़ किया गया है।

इसी क्रम में, 31 मार्च को बीसीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का अब तक का सर्वाधिक एकल-दिवसीय प्रेषण दर्ज करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसमें 1,85,302 टन कच्चे कोयले का ऑफ-टेक तथा 2,27,152 टन कुल प्रेषण (वॉशरी उत्पाद सहित) के साथ 51 रेक्स का प्रेषण सुनिश्चित किया गया।

बीसीसीएल कोयले की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा बेहतर एवं त्वरित कोयला प्रेषण के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में अपनी सक्रिय भूमिका हेतु समर्पित है।

धनबाद में 5 अप्रैल को गूंजेगा ठहाकों का मंच, भव्य हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन

धनबाद(ईएमएस)। धनबाद में साहित्य और हास्य का शानदार संगम देखने को मिलने वाला है। हिंदी साहित्य परिषद की ओर से 5 अप्रैल, रविवार को एक भव्य हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम संध्या 7 बजे से लुबी सर्कुलर रोड स्थित धनबाद क्लब में आयोजित होगा, जिसमें आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है।इस संबंध में शुक्रवार को एक निजी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में परिषद के अध्यक्ष संजय प्रसाद ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों को पूर्व पंजीकरण कराना होगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को हिंदी साहित्य से जोड़ना और हास्य-व्यंग्य के माध्यम से सकारात्मक संदेश देना है।कार्यक्रम में देश के कई चर्चित कवि और कवयित्री अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इनमें प्रमुख रूप से डॉ भुवन मोहिनी, अनिल चौबे और सुदीप भोला शामिल हैं। ये सभी अपनी रचनाओं के जरिए दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों पर भी अपनी बात रखेंगे।आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कवि सम्मेलन को लेकर शहर के साहित्य प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।यह कार्यक्रम आम लोगों के लिए पूरी तरह निःशुल्क है। हमारा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग हिंदी साहित्य से जुड़ें और हास्य के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। हम धनबाद के सभी लोगों से अपील करते हैं कि वे इस कार्यक्रम में जरूर शामिल हों।

श्री पार्श्वनाथ धनबाद एयरपोर्ट मिशन शुक्रवार को इतिहास में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अध्याय के रूप में दर्ज हुआ

धनबाद । शुक्रवार का दिन श्री पार्श्वनाथ धनबाद एयरपोर्ट मिशन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। आज मिशन का प्रतिनिधि मंडल गोल्फ ग्राउंड में झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष से ससम्मान मिला। यह मुलाकात केवल एक औपचारिक भेंट नहीं थी, बल्कि धनबाद की जनता की वर्षों पुरानी, न्यायसंगत और अत्यंत आवश्यक मांग को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने का एक सार्थक प्रयास था। इस महत्वपूर्ण अवसर पर धनबाद की मातृशक्ति ने अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराते हुए यह सिद्ध कर दिया कि जब समाज की महिलाएं किसी जनहित के कार्य के लिए संकल्प लेती हैं, तो वह आंदोलन और भी मजबूत, व्यापक और प्रभावशाली बन जाता है। महिलाओं की भागीदारी ने इस अभियान को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। जो भविष्य में निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी। इस प्रतिनिधि मंडल में श्री पार्श्वनाथ धनबाद एयरपोर्ट मिशन की संरक्षक नीलम मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने अत्यंत प्रभावशाली शब्दों में धनबाद की जनता की भावनाओं और अपेक्षाओं को स्पीकर के समक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि धनबाद जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक और आर्थिक दृष्टि से सशक्त जिले में एयरपोर्ट का निर्माण कोई विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यक आधारभूत सुविधा है, जिसकी मांग कई वर्षों से लगातार उठाई जाती रही है।

नीलम मिश्रा ने यह भी रेखांकित किया कि धनबाद की जनता केवल विकास की अपेक्षा नहीं कर रही है, बल्कि वह अपने अधिकार की मांग कर रही है। यह मांग पूरी तरह से जायज़ है और इसे अब और अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर मथुरा महतो ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धनबाद में एयरपोर्ट का निर्माण समय की मांग है। उन्होंने इस परियोजना को क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया और कहा कि इससे न केवल धनबाद, बल्कि पूरे झारखंड राज्य को आर्थिक और सामाजिक रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने इस अभियान को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया और कहा कि वे इस मांग को उचित मंच तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगे।इसके साथ ही निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धनबाद एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र है, जहां कोयला उद्योग, व्यापार और अन्य गतिविधियां बड़े पैमाने पर संचालित होती हैं। ऐसे में यहां एयरपोर्ट का होना न केवल औद्योगिक विकास को गति देगा, बल्कि यह सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि एक आधुनिक एयरपोर्ट धनबाद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने में सहायक होगा।

इस पूरी बैठक के दौरान सभी गणमान्य व्यक्तियों ने "मिशन एयरपोर्ट" के तहत चल रहे हस्ताक्षर अभियान की सराहना की और इसे एक प्रभावी जन आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का संगठित प्रयास निश्चित रूप से सरकार का ध्यान आकर्षित करेगा और इस दिशा में सकारात्मक पहल होने की संभावना को मजबूत करेगा।हस्ताक्षर अभियान की विशेषता यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी देखने को मिल रही है।महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संस्थाओं के सदस्य सभी इस अभियान से जुड़ रहे हैं। यह एकता और सामूहिक प्रयास ही इस मिशन की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान करते हुए उन्हें बुके भेंट किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मधु सिन्हा, लक्ष्मी श्रीवास्तव, नीलम श्रीवास्तव, शशि मिश्रा, पिंकी गुप्ता, रीता चौधरी, प्रवीण गोधा, मगदेश कुमार, अविनाश पाण्डेय, सरवन सिन्हा एवं मिलन सिंह सहित अनेक समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इन सभी ने अपने उत्साह, समर्पण और सक्रिय भागीदारी से इस कार्यक्रम को सफल बनाया। ज्ञात हो कि श्री पार्श्वनाथ धनबाद एयरपोर्ट मिशन केवल एक मांग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

इस मिशन का उद्देश्य केवल एयरपोर्ट निर्माण नहीं, बल्कि धनबाद के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। एयरपोर्ट बनने से यहां व्यापार, पर्यटन, रोजगार और निवेश के नए अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनबाद जैसे शहर, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, वहां आधुनिक परिवहन सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है। एयरपोर्ट बनने से यहां के उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने में सुविधा होगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। इसके अलावा, आपातकालीन सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं और शिक्षा के क्षेत्र में भी एयरपोर्ट का महत्वपूर्ण योगदान होगा। गंभीर मरीजों को बड़े शहरों में तुरंत ले जाने में सुविधा होगी, छात्रों को बेहतर शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने में आसानी होगी, और निवेशकों के लिए भी यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बनेगा।

पंचेत में सड़क दुर्घटना में एक युवक की हुई मौत पर परिजनों ने कि कार्रवाई की मांग और मुआवजा को लेकर किया हंगामा

चिरकुंडा, धनबाद, पंचेत के दो किशोरावस्था के लड़के पैदल मेला धुमने जा रहे थे। तेज रफ्तार वाहन ने इको अपने चपेटे मे ले लिया। जिससे 15 वर्षीय विश्वजीत धीवर की मौके पर मौत हो गयी। मृतक के पिता का नाम आनंद धिवर है। जो मछली पकड़ने का काम करते हैं।

उसके साथ रूद्र धीवर गम्भीर रूप से घायल हैं। जिनका इलाज धनबाद के एसएनएमएम में इलाज चल रहा है। वहीं प्रियजनों ने अपनी मांगो को लेकर हिल अस्पताल में हंगामा किया। वहीं परिजनों का कहना है कि सीसीटीवी में गाडी की पहचान हो गयी है। लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुआ है। गाडी अन्य ड्राइव के दृवरा चला जा रहा था। वहीं सुचना पाकर कुमारधुबी के सर्किल इंस्पेक्टर फागु होरो अपने दल बल के साथ पहुंचे। वहीं परिजन अपनी मांगो पर अडे रहे। परिजनों का कहना है कि जबतक आरोपी का गिरफ्तारी नहीं हो जायेगा और मुआवजा नहीं मिल जाता तबतक पोस्मार्टम नहीं होगा। अपनी मांग पर मृतक के परिजन अडे रहे। वहीं प्रशासन का कहना है कि वार्ता चल रही है। जबतक पोस्मार्टम नहीं होगा तबतक कोई भी काम आगे नहीं बढ़ेगा। इधर मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। अस्पताल में मातम पसरा हुआ था। इधर उचित करवाई के अश्वासन के बाद ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। साथ ही गाड़ी मालिक पर मामला भी दर्ज किया गया है ।

धनबाद में दिव्यांग लड़की के साथ दुष्कर्म,एक आरोपी गिरफ्तार

धनबाद(ईएमएस)।बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के चरकपत्थर गांव में एक दिव्यांग (गूंगी) लड़की से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है।ग्रामीणों ने घटना में शामिल तीन आरोपियों में से एक आरोपी बडाजमुआ-बरवाअड्डा कीर्तन तुरी 22 वर्ष को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है।इस संबंध में युवती के पिता के आवेदन पर घटना में शामिल तीन आरोपियों कीर्तन तुरी, आशीष मोदी 24 वर्ष (पकौडी बाजार बडाजमुआ-बरवाअड्डा) व संतोष कर्मकार 24 वर्ष (यादवपुर) के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।वहीं आरोपी कीर्तन तुरी को जेल भेज दिया है।युवती को मेडिकल के अस्पताल भेज दिया गया है।इस संबंध थाना प्रभारी रवि कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर एक आरोपी को जेल भेज दिया गया है।अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रोजगार के लिए चेन्नई जा रहे चतरा के रौशन की ट्रेन से गिरकर मौत, गांव में मातम

चतरा(ईएमएस)।चतरा जिले से एक बार फिर पलायन की दर्दनाक तस्वीर सामने आई है। रोजगार की तलाश में चेन्नई जा रहे प्रतापपुर निवासी एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। इस घटना ने न केवल एक परिवार की खुशियां छीन लीं, बल्कि राज्य में रोजगार की कमी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।मिली जानकारी के अनुसार, प्रतापपुर थाना क्षेत्र के देवी मंडप रोड निवासी रौशन कुमार (पिता- समोच प्रसाद) बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर घर से निकले थे। वे चेन्नई में काम की तलाश में जा रहे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। गुरुवार की शाम करीब 3 बजे चलती ट्रेन में संतुलन बिगड़ने के कारण वे नीचे गिर पड़े। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जिस बेटे के सहारे घर की आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद थी, अब वही हमेशा के लिए साथ छोड़ गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।इधर, घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि अगर स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर होते, तो रौशन को बाहर नहीं जाना पड़ता और शायद आज वह जिंदा होता। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से रौशन के शव को जल्द से जल्द घर लाने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने सरकार से भी अपील की है कि पलायन रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के ठोस इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

झामुमो जिला कार्यालय में झामुमो नेताओं द्वारा आयोजित की गई प्रेस वार्ता

धनबाद , झामुमो जिला कार्यालय, कुर्मीडीह धनबाद में झामुमो धनबाद जिला अध्यक्ष लक्खी सोरेन, केन्द्रीय मिडिया पैनेलिस्ट डॉ, निलम मिश्रा, जिला सचिव मन्नू आलम,महानगर अध्यक्ष, मंटू चौहान, जिला प्रवक्ता समीर रवानी द्वारा हजारीबाग, विष्णुगढ़ में नाबालिग लड़की की निर्मम हत्या के मामले को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता का आयोजन किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष , लक्खी सोरेन ने कहा कि इस पूरे मामले में झारखण्ड पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए भारी दबाव के बावजूद कम समय में घटना का सफल उद्भेदन किया है। जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस संवेदनशील घटना को राजनीतिक हथियार बनाकर झारखण्ड सरकार को बदनाम करने की साजिश रची। बिना तथ्यों के मामले को दुष्कर्म का रूप देकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब जब सच्चाई सामने आ गई है और भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता भीमराम का नाम मुख्य अभियुक्त के रूप में उजागर हुआ है, तो भाजपा का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। यह घटना दर्शाती है कि भाजपा केवल झूठ,भ्रम और नफरत की राजनीति करती है। भाजपा को नैतिकता के आधार पर जनता से माफी मांगनी चाहिए।

मौके पर मीडिया पैनलिस्ट डॉ, नीलम मिश्रा ने कहा की भाजपा सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल कर चौक चौराहे पर धरना प्रदर्शन कराकर सरकार की छवि धूमिल करनें का निचले स्तर तक प्रयास करती है। महिलाओं के प्रति संवेदना सिर्फ उन्ही राज्यों के लिए होती है ,जहां भाजपा की सरकार नहीं है । ये मणिपुर ,बिहार, अंकिता भंडारी तथा भाजपा द्वारा बीएचयू में छात्राओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया जाता है, तब ये चुप रहते हैं। आसाराम बापू ,राम रहीम जैसे बलात्कारियों को पैरोल पर छोड़ा जाता है तब भी चुप रहते हैं। दिल्ली में हमारे देश की स्वर्ण पदक विजेता रेसलर बेटियों को अपमानित किया जाता है, तब भी चुप रहते हैं। ऐसे आज अनेक उदाहरण है, जिसमें भाजपा सीधे तौर पर ऐसे बलात्कारियों को बचाने और संरक्षण देने का काम करती हैं। आखिर क्या कारण है कि जहां भी ऐसी घटना घटती है, कहीं ना कहीं जांच के उपरांत बार-बार हर बार भाजपा के लोग ही इसमें संकल्पित पाए जाते हैं ।ये दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार सबके लिए तथा समावेशी के साथ सबका विकास के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। भाजपा को चाहिए अपनी हरकतों के लिए राज्य के लोगों से क्षमा मांगे।

मौके पर जिला सचिव, मन्नू आलम ने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र इस घटना से पूरी तरह उजागर हो चुका है। एक ओर वे कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं, दूसरी ओर उनके ही कार्यकर्ता इस तरह के जघन्य अपराध में शामिल पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अब नैतिकता के आधार पर आत्ममंथन करना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों को त्वरित न्याय के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

मैथन बसंत विहार न्यू कालोनी में शिवालय का प्राण- प्रतिष्ठा का वर्षगांठ और भंडारा का किया गया आयोजन

चिरकुंडा, धनबाद , मैथन बसंत विहार कालोनी के लोगों ने मिलकर शुक्रवार को शिवलिंग प्राण-प्रतिष्ठा का वर्षगांठ बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम में कालोनी के महिलाओं, पुरुषों, बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला । ज्ञात हो कि शिव की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, शिवलिंग अभी भी तिरपाल के निचे है। कालोनी के लोग तिरपाल के निचे ही शिवलिंग का पुजा करते हैं।

मैथन बसंत विहार कालोनी के लोग इस बात से चिंतित हैं की बाबा का पुजा कबतक तिरपाल के निचे होगा। बाबा का शिवालय कब बनेगा।

श्रद्धालु भक्तों ने पुजा अर्चना करने में जुटे रहे l कार्यक्रम के अंत में भव्य भंडारा का भी आयोजन किया गया l

मानस प्रचार समिति द्वारा मानस मंदिर जगजीवन नगर धनबाद में 54वें मानस महाधिवेशन की हुई शुरुआत

धनबाद , जगजीवन नगर स्थित मानस मंदिर में 54 वें मानस महाधिवेशन की शुरुआत शुक्रवार को प्रातः धनबाद के विधायक राज सिन्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई l संध्याबेला में पूर्व सांसद पी एन सिंह, एवं कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष , सुरेश चौधरी मुख्य अतिथि रहें । श्री अयोध्याधाम से पधारें विरक्त संत श्री राधेश्यामदास महाराज के द्वारा नवाह्यान पारायण में बालकांड का प्रथम दिवस का पाठ किया गया ।

आचार्य ज्योति नारायण झा के द्वारा कर्मकांड कराई गयीl जिसमें यजमान उज्जवल कुमार वर्मा एवं श्रीमती मनिका कीर्ति वर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना कर किया ।

संध्या बेला में रामकथा के लिए पधारें श्रीअयोध्या जी से रामवल्लभा कुंज, जानकी घाट के महंत , रामाशंकर दास , वेदांती जी महाराज ने प्रथम दिवस की कथा में मानस की भूमिका पर प्रकाश डाला l साथ ही उन्होंने राम कथा का महात्म का वर्णन किया । उन्होने बताया कि भगवान से पहले गुरु की वंदना की जाती है, गुरु की उपेक्षा कर भगवान की वंदना करने से कोई फल नहीं मिलता । तुलसीदास जी ने श्री गुरु चरन सरोज रज निजमन मुकुरु सुधार के द्वारा गुरु के चरणों में भक्ति की।

संत, असंत के महत्व का भी वर्णन उन्होंने किया। साथ ही दोनों को सम्मान भी दिया । ताकि कोई अरचन न आए। उन्होंने बताया की तुलसीदास सरल भाषा में भगवान की कथा का वर्णन किया । ताकि लोक में सुलभ हो एवं कलियुग के पाप को नाश करे। मौके पर सैकड़ो की संख्या में भक्तजन पधार कर कथा का आनंद लेकर अंत में प्रसाद ग्रहण किया ।कथा में निरंजन सिंह, विनोद दुबे, निशांत नारायण, रामप्रवेश शर्मा, योगेंद्र मिश्रा, समशेर सिंह, कन्हाई भट्टचार्य,अजित गुप्ता, सनोज कुमार, मुकतेश्वर महतो, बी एम शर्मा, एच एन राय, एस बी अग्रवाल, सुरेश झा, बंटी, गौरव सिंह, अभिनव सांवरिया, शिवम, राहुल कुमार, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।